गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

सच से समझौता नहीं

प्रातः खबर

www.pratahkhabar.com

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Sunday, 31 May, 2026 वर्ष 23 अंक 31, गुवाहाटी, रविवार 31 मई, 2026, ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष-14 मूल्य : दस रुपये पेज-12

फ्रेंच ओपन में उलटफेर का दौर -10

पीठ में छुरा घोंप देंगे, लोगों में बहुत जलन है : शेखर सुमन -12

सुप्रभातम्

मेहनत पर विश्वास रखें, किस्मत की आजमाइश तो जुए में होती है।

बंगाल में अभिषेक बनर्जी पर हमला : अंडे फेंके व शर्ट फाड़ी, चोर-चोर के लगे नारे

कोलकाता, 30 मई (एजें.)। कोलकाता तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी को आज सोनारपुर दौरे के दौरान स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। इस दौरान कुछ लोगों ने कथित तौर पर उनके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की। वह चुनाव बाद हुई हिंसा के एक पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे थे। अभिषेक बनर्जी पर कुछ अज्ञात लोगों ने पत्थर, जूते और अंडे फेंके। आरोप है कि कुछ लोगों ने उन पर लात-घूंसे चलाने की भी कोशिश की। इस दौरान भीड़ ने उनके खिलाफ चोर-चोर के नारे लगाये। यह पहली बार है जब एक ऐसे राजनेता के खिलाफ सार्वजनिक नाराजगी खुलकर सामने आयी, जिन्हें एक महीने पहले तक पश्चिम बंगाल की सियासत की ताकत का केंद्र माना जा रहा था। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के 25 दिन बाद यह अभिषेक बनर्जी का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था। वह सोनारपुर नगरपालिका के वार्ड नंबर 9 स्थित विवेकानंदनगर इलाके में चुनाव बाद हिंसा के कथित पीड़ित संजू कर्मकार के परिवार से मिलने पहुंचे थे। उनके इस दौरे की घोषणा कल रात को की गयी थी। बंगाल में सत्ता परिवर्तन से पहले तक अभिषेक बनर्जी को जेड-प्लस सुरक्षा मिली हुई थी। बनर्जी जैसे ही अपनी गाड़ी से बाहर निकले, लोगों

ने उनका स्वागत चोर-चोर के नारों से उनका स्वागत किया। एक स्थानीय महिला ने कहा कि वह यहां क्यों आये हैं? शायद पैसे लेने आये हैं। जब डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या हुई थी, तब वह पानीहाटी क्यों नहीं गये? अभिषेक बनर्जी सुरक्षाकर्मियों के साथ कर्मकार परिवार के घर में दाखिल हुए। भीड़ के आक्रामक होने पर सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पुलिस का हेलमेट पहनाकर घर के अंदर पहुंचाया। इस दौरान उनकी शर्ट भी फट गयी थी। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि यह सब भाजपा प्रायोजित है। देखिये इन्होंने क्या किया है। यही इनकी लोकतंत्र की मिसाल है। अभी एक महीना भी नहीं हुआ है और पुलिस कहीं नजर नहीं आ रही है। अभिषेक बनर्जी ने मीडिया से कहा कि वे मुझे मारना चाहते हैं। मैं यहां से नहीं जाऊंगा और न ही इस परिवार को छोड़ूंगा, जब तक प्रशासन कार्रवाई नहीं शेष पृष्ठ आठ पर

भतीजे पर हमले से बिफरी ममता कहा-शासक ही हमलावर बन गये

कोलकाता, 30 मई (भा)। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज सोनारपुर में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए आरोप लगाया कि इस घटना के पीछे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का हाथ है। पुलिस के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों के परिवारों से मिलने दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर इलाके में गये थे, जहां स्थानीय लोगों ने उनके साथ मारपीट की। अज्ञात लोगों ने सांसद पर पत्थर, जूते व अंडे फेंके और उन्हें लात-घूंसे मारने की कोशिश भी की। लोग अभिषेक को देखकर चोर-चोर के नारे लगा रहे थे। ममता बनर्जी ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर कहा कि शासक हत्यारे बन गये हैं, भाजपा को शर्म आनी चाहिए। कथित हमले का वीडियो सामने आने के तुरंत बाद पूर्व मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी शेष पृष्ठ आठ पर

तमिलनाडु में असम के मजदूर को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

चेन्नई, 30 मई (भा)। तिरुवल्लूर जिले में भीड़ ने असम के एक प्रवासी मजदूर को पीटकर मार डाला। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान प्रोसेनजीत दास (35) के रूप में हुई है, जो असम के छह मजदूरों के साथ रोजगार की तलाश में तिरुवल्लूर आया था और एक किराये के कमरे में रह रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला कि शराब के नशे में दास ने कल शाम पानी मांगने के बहाने महिला के घर में उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। महिला ने जबरन दरवाजा बंद किया और वह अंदर चली गयी। जब आरोपी ने चाकू से खिड़कियों को नुकसान पहुंचाना शुरू किया तो महिला ने रिश्तेदारों को बुलाया। रिश्तेदार और कुछ स्थानीय लोगों का एक समूह मौके पर जमा हो गया और उन्होंने कथित तौर पर दास पर हमला किया, जिसकी बाद में चोटों के कारण मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

मुख्यमंत्री हिमंत ने पीएम मोदी से की मुलाकात

राजग 3.0 सरकार के लिए मांगा मार्गदर्शन

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक आवास पर उनसे शिष्टाचार मुलाकात की। लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्री की यह पहली औपचारिक मुलाकात थी। इस बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को असम में नवगठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 3.0 सरकार की शुरुआती प्रगति और प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पीएम मोदी के निरंतर समर्थन और नेतृत्व के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया, साथ ही राज्य के भविष्य के विकास कार्यों के लिए उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद मांगा। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने लिखा कि आज नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का सौभाग्य मिला। मुख्यमंत्री ने उनसे असम में राजग 3.0 सरकार द्वारा की जा रही शुरुआती प्रगति की जानकारी दी, उनके अटूट समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और आने वाले वर्षों में उनके निरंतर आशीर्वाद और मार्गदर्शन की कामना की। यह बैठक ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुई है जब असम सरकार शासन, बुनियादी ढांचे के विकास, कल्याणकारी शेष पृष्ठ आठ पर

ऊपरी असम जाने वाली रात्रि बसों का किराया 15 प्रतिशत तक बढ़ा

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। राज्य में लगातार बढ़ती ईंधन की कीमतों के बीच अब आम जनता की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है, क्योंकि असम में हाल ही में बसों के किराए में बढ़ोतरी कर दी गयी है। गुवाहाटी से ऊपरी असम के विभिन्न हिस्सों के लिए चलने वाली रात्रि सेवा बसों के किराये में भारी वृद्धि की गयी है। ऊपरी असम की ओर जाने वाली प्रत्येक बस के किराये में 100 रुपये से लेकर 150 रुपये तक की बढ़ोतरी की गयी है और यह नया किराया आज से ही प्रभावी हो गया है। इस फैसले के तहत गुवाहाटी से लखिमपुर जाने वाली बसों के किराये में 100 रुपये तक की वृद्धि दर्ज की गयी है। बस मालिकों के अनुसार इस बार किराये में करीब 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गयी है। बताया गया है कि नेटवर्क और राइनो जैसी प्रमुख बस सेवाओं में यह बढ़ा हुआ किराया पहले ही लागू कर दिया गया है। नये किराये के मुताबिक गुवाहाटी से कोहरा के लिए गैर वातानुकूलित बस का किराया 500 रुपये और वातानुकूलित बस का किराया 600 रुपये तय किया गया है। इसी तरह गुवाहाटी से बोकाखात और नुमलीगढ़ के लिए भी गैर वातानुकूलित का किराया 500 रुपये तथा वातानुकूलित बस का किराया 600 रुपये हो गया है। इसके शेष पृष्ठ आठ पर

दिल्ली तक हड़कंप, खड़गे व अखिलेश ने भाजपा को घेरा

नयी दिल्ली, 30 मई (एजें.)। पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले ने राष्ट्रीय राजनीति का रुख मोड़ दिया है। आज जिस तरह अभिषेक बनर्जी पर जूते-पत्थर बरसाये गये और उनके कपड़े फाड़े गये, उसने विपक्ष को एकजुट कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे लोकतंत्र पर प्रहार बताया है। दिल्ली से लेकर लखनऊ तक के नेताओं का मानना है कि एक प्रमुख विपक्षी नेता को सुरक्षा न देना किसी बड़ी साजिश का हिस्सा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस घटना को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नकारात्मक राजनीति का परिणाम बताया। खड़गे ने ट्वीट कर कहा कि इतने संवेदनशील माहौल में भी एक बड़े विपक्षी नेता को पर्याप्त पुलिस सुरक्षा न मिलना बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है। उन्होंने केंद्र और बंगाल की वर्तमान सरकार से मांग की है कि सभी विपक्षी नेताओं शेष पृष्ठ आठ पर

राज्य के किसानों को हर साल सरकार देगी आर्थिक सहायता

गुवाहाटी, 30 मई (एजें.)। दूसरी बार सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने चुनावी वादों को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाने शुरू कर दिये हैं। विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के किसानों को हर साल 11 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का वादा किया था। इसके साथ ही ट्रैक्टर और पावर टिलर खरीदने के लिए भी सहयोग देने की घोषणा की गयी थी। अब उसी वादे को अमल में लाने की दिशा में मुख्यमंत्री ने पहल तेज कर दी है। हाल ही में मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि जल्द ही राज्य के पात्र किसानों को सरकार की ओर से हर साल 11 हजार रुपये दिये जाएंगे। इसके अलावा किसानों को फसल बीमा का लाभ और न्यूनतम समर्थन मूल्य को और मजबूत करने की बात भी कही गयी है, ताकि खेती को आर्थिक रूप से अधिक सुरक्षित और लाभकारी बनाया जा सके। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री शेष पृष्ठ आठ पर

मंगोलिया में भगवान बुद्ध के शिष्यों के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी

राज्यपाल के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल रवाना

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। भारत और मंगोलिया के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए एक ऐतिहासिक पहल की गयी है। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल भगवान बुद्ध के दो मुख्य शिष्यों अर्हत सारिपुत्र और अर्हत मौद्गल्यायन के पवित्र अवशेषों को लेकर मंगोलिया के लिए रवाना हो रहा है। केंद्रीय सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित यह पवित्र प्रदर्शनी दोनों देशों के बीच गहरी सभ्यतागत कड़ियों को नया आयाम देगी। मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सांची स्तूप के सांची विहार चैत्य में संरक्षित इन पूजनीय अवशेषों का दुनिया भर के बौद्ध अनुयायियों के लिए बहुत बड़ा आध्यात्मिक महत्व है। इस विशेष यात्रा का आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष आग्रह पर किया गया है, जो मंगोलिया के साथ भारत के गहरे आध्यात्मिक जुड़ाव को दर्शाता है। बौद्ध जगत में मंगोलिया को अक्सर भारत का आध्यात्मिक शेष पृष्ठ आठ पर

कर्नाटक में अब डीके राज, 3 जून को सीएम पद की शपथ लेंगे शिवकुमार

बेंगलुरू, 30 मई (एजें.)। कर्नाटक में डीके शिवकुमार को कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नया नेता चुना गया है। वह राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। शपथ ग्रहण समारोह 3 जून को होना तय है। हाल ही में सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। कल राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और मंत्रिपरिषद को भंग कर दिया। अब तक, शिवकुमार राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य कर रहे थे। विधान सौध (विधानमंडल) के कॉन्फ्रेंस हॉल में हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में डीके शिवकुमार को सर्वसम्मति से कर्नाटक का नया मुख्यमंत्री चुना गया। बैठक की देखरेख केसी वेणुगोपाल और रणदीप सुरजेवाला ने की। इस महत्वपूर्ण बैठक से पहले, कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के नेताओं, विधायकों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वेणुगोपाल और सुरजेवाला का स्वागत किया।

वहीं, इस बात पर अभी विचार-विमर्श चल रहा है कि शपथ ग्रहण समारोह राजभवन में आयोजित किया जाए या विधान सौध की भव्य सीढ़ियों पर। हालांकि, विधान सौध के पास तैयारियां होती हुई देखी जा रही हैं। इससे पहले कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष शेष पृष्ठ आठ पर

असम साहित्य सभा के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

भूमि विवाद व सांगठनिक विषयों पर हुई सकारात्मक चर्चा

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। असम साहित्य सभा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात कर गुवाहाटी के सचल क्षेत्र में सभा को आवंटित भूमि और अन्य महत्वपूर्ण सांगठनिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। असम साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ. वसंत कुमार गोस्वामी और प्रधान संपादक देवजीत बोरा ने हिमंत को लगातार दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालने पर सभी जिला व शाखा सभाओं की ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान साहित्य सभा ने मुख्यमंत्री को विश्वकोश सहित अपनी कई बहुमूल्य और शोधपरक पुस्तकें भी भेंट कीं, जिन्हें स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की और विभिन्न दुर्लभ ग्रंथों के पुनर्मुद्रण सहित कई विषयों पर चर्चा की। बैठक के दौरान असम साहित्य सभा ने मुख्यमंत्री के समक्ष सचल क्षेत्र के वीआईपी रोड स्थित बेलतला मौजा के हेंगेराबाड़ी गांव में साल 1993 से सभा के नाम पर आवंटित करीब 50 बीघा जमीन का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। सभा के पदाधिकारियों ने अवगत कराया कि यद्यपि यह भूमि जलाशय के दायरे में आती है, फिर शेष पृष्ठ आठ पर

खेत्री में सड़क हादसे में जान गंवाने वाले चार लोगों की हुई पहचान

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। गुवाहाटी के पास खेत्री इलाके में आज एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जहां तेज रफ्तार बोलेरो सड़क किनारे खड़े एक दस चक्का ट्रक से जा टकरायी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गयी। बताया जा रहा है कि हादसा आज सुबह करीब 11 बजे खेत्री थाना क्षेत्र के तेतलिया स्थित 22 माइल इलाके में हुआ। गुवाहाटी की ओर जा रही तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि बोलेरो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर ट्रक के नीचे जा घुसा। मृतकों की पहचान अरुणाचल प्रदेश के प्रसिद्ध पशु चिकित्सक डॉ. लिगे बासार (55), उनकी पत्नी कुंगा दालमा (52), बेटे गिमेर बासार (22) और गिमेर के दोस्त कर्मा शेराब थ्रिमे (22) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, डॉ. लिगे बासार अपनी पत्नी और दोनों युवकों के साथ इटानगर से गुवाहाटी आ रहे थे। गुवाहाटी स्थित अरुणाचल भवन में उनके शेष पृष्ठ आठ पर

दिल्ली पुलिस ने आतंकी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़, 9 गिरफ्तार

नयी दिल्ली, 30 मई (एजें.)। स्पेशल सेल ने आईएसआई और अंडरवर्ल्ड के आतंकी नेटवर्क का खुलासा किया है। पुणे व साहिबगंज से पकड़े गये संदिग्धों का सरगना मुन्ना जगाड़ा पाकिस्तान से दिल्ली, मुंबई में सिक्योरिटी पर्सनल्स को निशाना बनाने की फिराक में था। स्पेशल सेल स्पेशल सीपी अनिल शुक्ला ने आज प्रेस ब्रीफिंग के दौरान बताया कि स्पेशल सेल की जांच में पाकिस्तानी आईएसआई और अंडरवर्ल्ड से जुड़े एक नेटवर्क का खुलासा हुआ है। पुलिस नें एक विजय शूटर नाम के डॉन को पुणे से पकड़ा था, जिसके बाद साहिबगंज से एक और पकड़ा गया। इनसे पता चला कि ये शेष पृष्ठ आठ पर

सीयूईटी यूजी एग्जाम में गड़बड़ी, अब एनटीए देगा दूसरा मौका

नयी दिल्ली, 30 मई (एजें.)। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी यूजी 2026) परीक्षा के दौरान हुई इस समस्या के बाद छात्रों और अभिभावकों के बीच चिंता बढ़ गयी थी। हालांकि अब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इस मामले पर बड़ा अपडेट जारी किया है। 30 मई को सीयूईटी यूजी 2026 की पहली शिफ्ट की परीक्षा शुरू होने से पहले कुछ परीक्षा केंद्रों पर तकनीकी समस्या आ गयी थी। इसकी वजह से परीक्षा शुरू होने में देरी हुई। एनटीए ने कहा है कि इससे छात्रों को हुई परेशानी और तनाव को वह समझता है और शेष पृष्ठ आठ पर

भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तैयार : आर्मी चीफ

पुणे/दिल्ली, 30 मई (एजें.)। आर्मी चीफ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक बेंचमार्क सेट कर दिया है कि भारत किसी भी उकसावे पर कैसे जवाब देता है। आज पास होने वाले अफसर अपने कैरियर की शुरुआत से ही इस बेंचमार्क को बनाये रखें। आर्मी चीफ पुणे के खड़कवासला में आज राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) का 150वीं पासिंग आउट परेड में शामिल हुए। उन्होंने 355 कैडेट अफसरों की परेड की सलामी ली। इस दौरान कैडेट्स ने मार्च पास्ट किया। एयरफोर्स के फ्लाईपास्ट में सुखोई, चेतक हेलिकॉप्टर, सारंग हेलिकॉप्टर एरोबेटिक्स टीम और आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम ने हिस्सा लिया। आधुनिक युद्ध पारदर्शी हो गया है। 24 घंटे हर गतिविधि पर नजर रखी जाती है। ऐसे में सैनिकों की तैनाती, ऑपरेशन और बॉर्डर के पास बसे नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। जीत हमेशा दिमाग में होती है। यह जमीन पर नहीं होती। इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर तभी सफल होता है जब पूरा देश एक साथ आये और सूचना देने वाले लोगों पर भरोसा करे। जिस देश के नागरिक और संस्थाएं एक-दूसरे पर विश्वास करती हैं, वह देश हमेशा मजबूत स्थिति में रहता है। जब युद्ध की गति बहुत तेज हो रही हो, तब संसाधनों के शेष पृष्ठ आठ पर

ट्रंप 80 साल की उम्र में पूरी तरह फिट

दिल की उम्र 14 साल कम निकली, दिमागी टेस्ट में 30 में 30 अंक मिले

वॉशिंगटन डीसी, 30 मई (एजें.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने 14 जून को 80 साल के हो जाएंगे। उम्र के इस पड़ाव पर भी वह पूरी तरह फिट हैं। व्हाइट हाउस ने ट्रंप की नयी मेडिकल रिपोर्ट कल जारी की है। 3 पन्नों की इस रिपोर्ट में उनकी सेहत को बेहतरीन बताया गया है। ट्रंप की मानसिक क्षमता की जांच के लिए मॉन्ट्रियल कॉग्निटिव असेसमेंट (एमओसीए) टेस्ट भी कराया गया। यह

करीब 10 मिनट का टेस्ट होता है, जिससे डिमेंशिया, अल्जाइमर या दूसरी मानसिक समस्याओं के संकेतों का पता लगाया जाता है। ट्रंप को इस टेस्ट में 30 में से पूरे 30 अंक मिले। व्हाइट हाउस के डॉक्टर शॉन पी बारबाबेला ने बताया कि राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारियां निभाने के लिए ट्रंप पूरी तरह फिट हैं। उनकी दिल, फेफड़े, दिमाग और शरीर बहुत मजबूत है। ट्रंप की कार्डियक एज यानी दिल की वास्तविक उम्र उनकी असली उम्र से 14 साल कम है। ट्रंप का यह मेडिकल चेकअप मंगलवार को वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में हुआ था। ट्रंप अमेरिका के सबसे अधिक उम्र के राष्ट्रपति हैं। ऐसे में 22 विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उनकी कई तरह की शारीरिक और मानसिक जांच की गयी। इसमें स्कैन, हार्ट इमेजिंग, कैंसर स्क्रीनिंग और कई प्रिवेंटिव टेस्ट शामिल थे। डॉक्टरों ने उनके दिल का अल्ट्रासाउंड (इकोकार्डियोग्राम) शेष पृष्ठ आठ पर

पेज : 6 अपनी शताब्दी से अनजान थी हिंदी पत्रकारिता

पेज : 8 केरल में जंगली हाथी के हमले में बुजुर्ग की मौत

पेज : 9 अदब का कोहिनूर थे बशीर बद्र...

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन लागू करेगा बंगाल केंद्र ने 2,103 करोड़ किये मंजूर : शुभेंदु

कोलकाता, 30 मई (भा)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि राज्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) लागू करेगा और केंद्र ने इस योजना के लिए 2,103 करोड़ रुपये मंजूर किये हैं। शुभेंदु ने कोलकाता में स्वास्थ्य विभाग के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि बंगाल में 1.36 करोड़ से अधिक परिवारों को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि राज्य की बड़ी आबादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिले। शुभेंदु ने कहा कि पश्चिम बंगाल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) लागू करेगा। केंद्र ने इस योजना के लिए 2,103 करोड़ रुपये मंजूर किये हैं, जिनमें से 527 करोड़ रुपये हमें मिल चुके हैं। इन निधियों से राज्यभर में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य विभाग का प्रभार भी संभाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभार्थियों को निर्धारित सरकारी अस्पतालों में पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत के अन्य हिस्सों में काम करने वाले प्रवासी श्रमिक भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। शुभेंदु ने कहा कि राज्य के सरकारी

अस्पताल अब आयुष्मान मंदिर के नाम से जाने जाएंगे। अगर कोई मरीज दवाओं पर महीने में 1,000 रुपये खर्च करता है, तो उसे वही दवाएं इन अस्पतालों में 100 रुपये में उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में 467 प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र संचालित किये जाएंगे और कैंसर सहित गंभीर बीमारियों की दवाएं जल्द ही 30 प्रतिशत सब्सिडी पर उपलब्ध करायी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने अलीपुरद्वार, कलिंपोंग, दक्षिण दिनाजपुर और पश्चिम बर्द्धमान जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि कोई भी जिला मेडिकल कॉलेज के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। सरकार ने इसी कारण यह पहल की है। शुभेंदु ने यह भी कहा कि राज्यभर के जिला अस्पतालों की निगरानी और पर्यवेक्षण के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग अस्पतालों में कथित बिचौलियों और मरीजों को अनावश्यक रूप से रेफर किये जाने के खिलाफ कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाएगा। शुभेंदु ने कहा कि जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों की चौबीसों घंटे निगरानी के लिए स्वास्थ्य भवन में एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जा रहा है। शुभेंदु ने कहा कि हम इस पर नजर रखेंगे कि अस्पतालों में बिचौलियों का कोई नेटवर्क सक्रिय तो नहीं है, डॉक्टर मौजूद हैं या नहीं, बिस्तरों पर मरीज हैं या नहीं और परिसर में आवारा कुत्ते और बिल्लियां तो नहीं घूम रहीं। नियंत्रण कक्ष सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में स्वच्छता, सेवा वितरण और प्रशासनिक कामकाज की भी निगरानी करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोलकाता मेडिकल कॉलेज के एक डॉक्टर के खिलाफ गंभीर रूप से बीमार मरीज को रेफर करने के मामले में पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।

फर्जी हस्ताक्षर मामले में सीआईडी ने अभिषेक को भेजा समन

कोलकाता, 30 मई (भा)। पश्चिम बंगाल के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी करके जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा है। यह नोटिस उन्हें विधानसभा सचिवालय को सौंपे गये उस पत्र में पार्टी विधायकों के जाली हस्ताक्षरों के कथित इस्तेमाल की जांच के सिलसिले में दिया गया है, जिसमें शोभनदेब चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष के रूप में समर्थन दिया गया था। सीआईडी सूत्रों के अनुसार, यह नोटिस उन्हें सोमवार दोपहर एजेंसी के भवानी भवन मुख्यालय में पूछताछ के लिए पेश होने का निर्देश देने वाला समन है। यह नोटिस बनर्जी को उनके कालीघाट रोड स्थित आवास पर व्यक्तिगत रूप से सौंपा गया। हालांकि, यह नोटिस कोलकाता की सड़कों पर डेढ़ घंटे की नाटकीय घटनाओं के बाद ही सौंपा गया, जिसने जनता का काफी ध्यान आकर्षित किया। घटनाक्रम तब शुरू हुआ जब राज्य सीआईडी के पांच अधिकारियों की एक टीम दोपहर लगभग 1.25 बजे दक्षिण कोलकाता के हरीश मुखर्जी रोड स्थित 188ए पर स्थित बनर्जी के आवास, जिसका नाम शांतिनिकेतन है, पर पहुंची, लेकिन नेता की अनुपस्थिति के कारण घर में प्रवेश करने में असफल रही। अधिकारियों को बनर्जी के आवास पर तैनात एक कर्मचारी से यह कहते हुए सुना गया कि वे गृह स्वामी को नोटिस देने आये हैं और वे लगभग 30 मिनट तक वहीं रुके रहे। इसके बाद टीम को नेता के कालीघाट रोड पर पास में ही स्थित वैकल्पिक आवास पर भेजा गया, जहां बनर्जी के कार्यालय के कर्मचारियों को समन सौंपने से इनकार करने पर अधिकारियों को लगभग 10 मिनट तक बाहर इंतजार करना पड़ा। अधिकारियों ने टीएमसी सांसद को नोटिस सौंपा, जिसकी प्राप्ति की उन्होंने पुष्टि की। इसके बाद दोपहर करीब 2:50 बजे सीआईडी टीम रवाना हो गयी। जांच टीम के जाने के बाद बनर्जी ने पत्रकारों से कहा कि मैंने अभी तक नोटिस की सामग्री नहीं देखी है।

पंचांग

तिथि संवत् : प्रथम ज्येष्ठ (अधिक) शुक्ल पक्ष पूर्णिमा दोपहर 02:14 बजे तक रहेगी। विक्रम संवत् 2083 शाके 1948, सूर्य उत्तरायण, ऋतु ग्रीष्म, नव संवत्सर (रौद्र) तारीख 31 मई रविवार। सूर्योदयकालीन नक्षत्र : अनुराधा सायंकाल 04:11 बजे तक इसके बाद ज्येष्ठा नक्षत्र रहेगा।

योग - सिद्ध।

करण - बव दोपहर 02:14 बजे तक तदुपरांत बालव करण रहेगा।

ग्रह विचार : (प्रातः 04:31) सूर्य - वृष, चंद्र - वृश्चिक, मंगल - मेष, बुध - मिथुन, गुरु - मिथुन, शुक्र - मिथुन, शनि - मीन, राहु - कुंभ, केतु - सिंह राशि में स्थित है।

राहुकाल : सायंकाल 4:30 बजे से 06:00 बजे तक रहेगा।

सूर्योदय : 04:31 बजे, सूर्यास्त 6:09 बजे।

ज्योतिर्विद विकास तिवाड़ी
गुवाहाटी, मो. 9529781915

श्री जानकी वल्लभ मंदिर में श्री रामचरितमानस पाठ का शुभारंभ

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। श्री जानकी वल्लभ मंदिर, कल्याण भवन में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पवित्र पुरुषोत्तम (मलमास) मास के शुभ अवसर पर गोस्वामी तुलसीदास रचित संगीतमय अखंड श्री रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया जा रहा है। यह पाठ आज सायं 4 बजे प्रारंभ हुआ कल शाम 4 बजे निरंतर चलेगा। कार्यक्रम के समापन उपरांत श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद एवं भंडारे की व्यवस्था की गयी है। मंदिर समिति की ओर से सभी श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी भक्तों से विनम्र अनुरोध किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्री रामचरितमानस पाठ में भाग लें तथा भगवान श्रीराम के श्रीचरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित कर पुण्य एवं सौभाग्य की प्राप्ति करें। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार आचार्य मंदिर के गोपाल काम्ले कृष्णा कृष्ण प्रसाद दबाडी जोराबाट एवं पूजा-अर्चना के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर काशीराम शर्मा, मंदिर के संस्थापक अशोक अग्रवाल भूत, खाटू खाटू श्याम मंडल काशीराम दिसपुर, काशीराम शर्मा श्याम मंदिर, काशीराम शर्मा अन्य भक्तगण धर्मेंद्र वागले तथा संस्कृत भारती के प्रतिनिधियों सहित अनेक गणमान्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम के सफल आयोजन की मंगलकामना की। मंदिर प्रबंधन समिति ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में श्री रामचरितमानस पाठ, श्रीमद्भागवत कथा, विष्णु सहस्रनाम तथा अन्य धार्मिक कार्यक्रम का विशेष महत्व माना जाता है। ऐसे पुण्यदायी अवसरों में सहभागिता से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक लाभ एवं भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

पंजाब निकाय चुनाव : 48 प्रतिशत से अधिक वार्डों में आप की जीत

चंडीगढ़, 29 मई (भा)। पंजाब निकाय चुनाव में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने 48 प्रतिशत से अधिक वार्डों में जीत दर्ज की, वहीं मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि जनता ने सत्ताधारी पार्टी की विकासवादी नीतियों का समर्थन किया और विपक्ष की नफरत की राजनीति को परास्त किया। पंजाब राज्य निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, आप ने कुल 1,977 वार्डों में से 958 में जीत दर्ज की जबकि कांग्रेस 397 वार्ड जीतकर दूसरे स्थान पर रही, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने 191 वार्ड जबकि भाजपा ने 172 वार्डों में जीत का परचम फहराया। इन शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 251 वार्डों में जीत दर्ज की।

प्रागतिज्योतिषपुर विवि में दो दिवसीय सम्मेलन संपन्न

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं)। प्रगतिज्योतिषपुर विश्वविद्यालय ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के सहयोग से पूर्वोत्तर भारत में जीएसटी सुधारों के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव पर एक विचार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में क्षेत्र को आकार देने वाले साक्ष्यों, प्रवृत्तियों और नीतिगत अंतर्दृष्टियों पर केंद्रित चर्चा के लिए देश भर के विद्वान, शोधकर्ता और शिक्षाविद एक मंच पर आये। सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरुआत तीसरे तकनीकी सत्र से हुई, जिसका विषय रोजगार, गरीबी उन्मूलन और आजीविका परिवर्तन पर जीएसटी सुधारों का प्रभाव था। गौहाटी विश्वविद्यालय के प्रो. रातुल महंत और कॉटन विश्वविद्यालय की प्रो. डेजी दास की अध्यक्षता में आयोजित इस सत्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक गतिशीलता और गरीबी उन्मूलन जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद जीएसटी सुधारों का शासन, अनुपालन, डिजिटलीकरण और पर्यावरणीय प्रभाव विषय पर चौथा तकनीकी सत्र आयोजित किया गया।

पद्मनाभस्वामी मंदिर से बहुमूल्य वस्तुएं गायब नहीं हुईं : त्रावणकोर शाही परिवार

तिरुवनंतपुरम, 30 मई (भा)। केरल के त्रावणकोर शाही परिवार ने यहां स्थित श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर से बहुमूल्य वस्तुएं गायब होने के आरोपों का शनिवार को खंडन किया। पूर्व शाही परिवार के सदस्य आदित्य वर्मा ने एक टीवी चैनल को बताया कि जिन कीमती वस्तुओं के गायब होने का दावा किया जा रहा है, वे सभी मंदिर के मुख्य देवता- अनंत पद्मनाभस्वामी के रूप में भगवान विष्णु- के ठीक पास सुरक्षित मौजूद हैं। अनंत पद्मनाभ त्रावणकोर के पूर्व शाही परिवार के आराध्य देवता हैं। वर्मा ने उस पुलिस रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाया, जिसमें मंदिर से बहुमूल्य वस्तुएं गायब होने का दावा किया गया है। उन्होंने कहा कि मंदिर में तैनात पुलिसकर्मियों, मंदिर की प्रशासनिक समिति के अध्यक्ष, जो तिरुवनंतपुरम के वर्तमान जिला न्यायाधीश हैं तथा समिति के अन्य सदस्यों में से किसी को भी किसी बहुमूल्य वस्तु के गायब होने की जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि ऐसे में एकतरफा पुलिस रिपोर्ट किस आधार पर तैयार की गयी? यह हैरानी की बात है। वर्मा ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से सत्यापन किया गया और जिन वस्तुओं के गायब होने का दावा किया गया था, वे अपने सामान्य स्थान पर, मुख्य देवता के ठीक समीप मौजूद पायी गयीं। उन्होंने कहा कि मामले की सच्चाई का पता लगाने के लिए राज्य पुलिस प्रमुख, मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और देवस्वओम मंत्री को पत्र भेजे जाएंगे। सुरक्षा में चूक तथा कुछ मेहमानों द्वारा मंदिर के उस मार्ग का इस्तेमाल किये जाने के दावों पर, जो केवल शाही परिवार के सदस्यों के लिए निर्धारित है, वर्मा ने इन आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि वह कभी भी किसी व्यक्ति को अपने साथ चेंबककथिनमूडु मार्ग से नहीं ले गये। यह मार्ग केवल शाही परिवार और मंदिर के पुजारियों के लिए निर्धारित है। वर्मा ने कहा कि हम अपने साथ मेहमानों को नहीं ले जाते। हम केवल अपने निकट संबंधियों या परिवार के सदस्यों को ही साथ लेकर जाते हैं।

बी बरुवा कॉलेज में मनी सौदागर भोलानाथ बरुवा की पुण्यतिथि

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। बी बरुआ कॉलेज की पहल पर आज परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ सौदागर भोलानाथ बरुवा की 103वीं पुण्यतिथि मनायी गयी। कार्यक्रम की शुरुआत में भोलानाथ बरुवा की प्रतिमूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इसके बाद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सत्येंद्र नाथ बर्मन की अध्यक्षता में एक स्मृति सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में डॉ. सत्यव्रत बरुवा ने सौदागर भोलानाथ बरुवा के त्याग, उदारता, समाज सेवा और देश व समाज के प्रति उनकी अनूठी प्रतिबद्धता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस विशेष अवसर पर बी बरुवा कॉलेज के पूर्व छात्र और युवा पीढ़ी के दो सफल उद्यमियों निबनुआ हाव के मालिक लुइतमणि सैकिया और रोशेंग गोगोई को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सम्मान ग्रहण करने के बाद रोशेंग गोगोई ने अपनी उद्यमशीलता की यात्रा, इस दौरान आयी चुनौतियों, व्यावसायिक अनुभवों और अपनी सफलता की कहानी साझा की। स्मरण सभा में डॉ. उत्पल चौधरी ने भी सौदागर भोलानाथ बरुवा के बहुआयामी कार्यों और समाज के उत्थान में उनके अमूल्य योगदान पर एक महत्वपूर्ण वक्तव्य दिया।

ईसीएलजीएस 5.0 पर जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं)। गुवाहाटी में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) ने आज गुवाहाटी के असम जल केंद्र में आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) 5.0 पर एक जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) उद्यमियों, बैंकरों और अन्य हितधारकों के बीच इस योजना और इसके लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समिति के महाप्रबंधक और संयोजक सफल त्रिपाठी ने कहा कि भारत सरकार द्वारा वित्तीय तनाव और कार्यशील पूंजी की कमी का सामना कर रहे पात्र सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को अतिरिक्त नकदी सहायता प्रदान करने के लिए आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना 5.0 शुरू की गयी है। उन्होंने जानकारी दी कि पात्र उधारकर्ता वित्तीय वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान अपने अधिकतम कार्यशील पूंजी उपयोग का 20 प्रतिशत तक अतिरिक्त ऋण प्राप्त कर सकते हैं, जिसकी अधिकतम सीमा 100 करोड़ रुपये तय की गयी है। केंद्र सरकार के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) की उप सचिव गरिमा कपूर ने इस कार्यक्रम को आभासी माध्यम से संबोधित किया और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को समर्थन देने, नौकरियों को सुरक्षित रखने तथा व्यावसायिक निरंतरता सुनिश्चित करने में आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना 5.0 की भूमिका पर विशेष प्रकाश डाला। इस विशेष आयोजन का एक मुख्य आकर्षण योजना के तहत लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित करना रहा। इस जनसंपर्क कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम उद्यमियों, बैंकरों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना 5.0 के तहत पात्रता मानदंडों, लाभों और आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी और उन्हें अपने संबंधित बैंकों के माध्यम से इस योजना का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर समिति के उप महाप्रबंधक अमित रंजन, वाणिज्य मंडल संघ के राज्य प्रमुख बिभूति दत्त, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के निदेशक गौरव जोशी, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के मुख्य महाप्रबंधक लोकेन दास और यूको बैंक के महाप्रबंधक सत्य रंजन पंडा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

तिनसुकिया मंडल के अंतर्गत अभियांत्रिकी कार्य

ई-निविदा सूचना सं. TSK/Engg/23 of 2026; दिनांक: 29-05-2026। निम्नलिखित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: आइटम नं. 1: आइटम का संक्षिप्त विवरण:- तिनसुकिया मंडल के ... का पुनर्निर्माण। निविदा मूल्य: ₹79,60,605/-। अग्रिम राशि: ₹1,59,200/- ई-निविदा 19-06-2026 को 15:00 बजे बंद होंगी और 19-06-2026 को 15:30 बजे खुलेंगी। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा कागजात के साथ संपूर्ण सूचना वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर 19-06-2026 को 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा।

डीआरएम (कार्य)/तिनसुकिया
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आजरा स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग से जुड़े सिगनलिंग कार्य

निविदा सूचना संख्या : RN-ST-04-2026-27. दिनांक: 27-05-2026 निम्नलिखित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित किया जाता है। निविदा संख्या: RN-ST-04-2026-27; कार्य का नाम: रंगिया मंडल के बोर्ड-II खंड में आजरा स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग से जुड़े सिगनलिंग कार्य। निविदा मूल्य: ₹1,36,62,587.77/-; अग्रिम राशि ₹2,73,300/-; निविदा के बंद करने की तिथि और समय 26-06-2026 को 15:00 बजे और खोलने को 15:30 बजे। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा दस्तावेजों के साथ पूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

डीआरएम (एस एंड टी), रंगिया
पूर्वोत्तर सीमा रेल
यात्रियों की सेवा में मुस्कान के साथ

लटानी चापरी राष्ट्रीय विद्यालय में अभिभावक सभा आयोजित

अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव : नीलरंजन शर्मा

नगांव, 30 मई। नगांव जिले के सामगुड़ी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत लटानी चापरी स्थित लटानी चापरी जातीय विद्यालय में शनिवार को चालू शैक्षणिक वर्ष की पहली अभिभावक सभा आयोजित की गयी। गांव प्रमुख अब्दुस समाद की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा में अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गयी। सभा में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार तथा स्वतंत्रता सेनानी मासिक पत्रिका के संपादक नीलरंजन शर्मा ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की सफलता शिक्षक, छात्र और अभिभावकों के समन्वय पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में शिक्षकों के साथ-साथ

अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के लिए आदर्श प्रस्तुत करने तथा उनके शैक्षणिक विकास में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया। नीलरंजन शर्मा ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों को केवल परीक्षा केंद्रित शिक्षा नहीं, बल्कि नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों की भी शिक्षा दी जानी चाहिए, जिससे वे बेहतर इंसान बन सकें। उन्होंने यह भी कहा कि अभिभावकों के रचनात्मक सुझावों और संवाद के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र की अनेक समस्याओं का समाधान संभव है। विद्यालय के प्रधानाचार्य अब्दुल आव्वाल ने सभा के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जबकि सहायक शिक्षक पल्लवज्योति गोस्वामी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षिका मौसुमी गायन ने जुबिन गर्ग का एक लोकप्रिय गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों की सराहना प्राप्त की। उक्त सभा में प्रधानाचार्य अब्दुल आव्वाल, अध्यक्ष अब्दुस समाद, पल्लवज्योति गोस्वामी तथा मौसुमी गायन ने भी शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के अंत में शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों द्वारा एक जागरूकता आधारित नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसका निर्देशन पल्लवज्योति गोस्वामी ने किया। राष्ट्रगान के साथ सभा का समापन हुआ

भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच राहत दे रहे हैं खूबसूरत उद्यान

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं)। महानगरवासियों के मनोरंजन और सुकून के लिए असम सरकार द्वारा गुवाहाटी में नये सिरे से कई उद्यानों को जनता के लिए समर्पित किया गया है। कंक्रीट के इस व्यस्त शहर और भीड़भाड़ के बीच ये उद्यान लोगों को एक शांत, हरा-भरा और खुशनुमा माहौल प्रदान कर रहे हैं। दैनिक जीवन की भागदौड़, भारी ट्रैफिक और बढ़ते प्रदूषण के बीच ये उद्यान बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों तक के लिए आराम, मनोरंजन और शारीरिक व्यायाम का एक बेहतरीन जरिया बनकर उभरे हैं। शहर के प्रमुख उद्यानों में उजानबाजार का सती राधिका शांति उद्यान, ब्रह्मपुत्र रिवरफ्रंट पार्क, बॉटनिकल गार्डन, अटल उद्यान, अमृत उद्यान, नेहरू पार्क और श्रद्धांजलि कानन शामिल हैं। सबसे राहत की बात यह है कि राज्य सरकार ने गुवाहाटी के इन सभी प्रमुख उद्यानों में आम जनता के लिए प्रवेश पूरी तरह से निःशुल्क कर दिया है। पिछले वर्ष लगभग 327 करोड़ रुपये की भारी लागत से निर्मित 1.2 किलोमीटर लंबा सती राधिका शांति उद्यान पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है। उद्घाटन के बाद से ही यहां दर्शकों का तांता लगा रहता है और अब यह गुवाहाटी के सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थलों में से एक बन चुका है। यहां सामान्य दिनों में रोजाना 6 से 7 हजार और रविवार को 10 हजार से भी अधिक लोग पहुंचते हैं। लोग यहां आकर ब्रह्मपुत्र नदी के नैसर्गिक सौंदर्य का आनंद लेते हैं जबकि बच्चों के लिए लगाये गये आधुनिक झूले और खेल सामग्री उन्हें खूब आकर्षित करती है। इस पार्क में वॉकिंग ट्रैक, साइकिल ट्रैक, ओपन जिम, बच्चों का खेल क्षेत्र, म्यूजिकल फाउंटेन, पर्याप्त पार्किंग, सीसीटीवी कैमरे और साफ-सुथरे शौचालय जैसी बेहतरीन सुविधाएं मौजूद हैं। इस उद्यान की देखरेख गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) द्वारा की जा रही है और सुरक्षा गार्डों के साथ-साथ चारों तरफ सीसीटीवी कैमरों से पैनी नजर रखी जाती है। खेलकूद या जिम के उपकरणों में खराबी आने पर संबंधित कंपनियों द्वारा तुरंत मरम्मत करायी जाती है। इसी तरह मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वा शर्मा द्वारा उद्घाटित फैंसी बाजार स्थित बॉटनिकल गार्डन भी अपनी 230 विभिन्न प्रजातियों के पौधों के साथ प्रकृति प्रेमियों को लुभा रहा है, जहां रोजाना औसतन 200 से अधिक लोग आते हैं। सुरक्षा, पेयजल और शौचालय की व्यवस्था से यहां के लोग भी संतुष्ट दिखे। इसके अतिरिक्त पानबाजार में स्थित ब्रह्मपुत्र नद तट उद्यान भी अपनी अत्याधुनिक सुविधाओं और विशेष फूड कोर्ट के कारण हजारों लोगों की दैनिक पसंद बना हुआ है। दूसरी ओर, गुवाहाटी का सबसे पुराना और ऐतिहासिक नेहरू पार्क, जो कभी महानगरवासियों के मनोरंजन का इकलौता सहारा हुआ करता था, उसे भी नये सिरे से रेनोवेट कर आकर्षक बनाया गया है। जीर्णोद्धार के बाद यहां आने वाले दर्शकों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन नये पार्कों की तुलना में यहां अब भी प्रतिदिन केवल 200 से 300 लोग ही पहुंच रहे हैं। महानगर में छोटे-बड़े कई पार्कों के अलावा 7 बड़े मुख्य उद्यान हैं, जिनका प्रबंधन सीधे जीएमडीए के अधीन है। बहरहाल यदि सरकार और संबंधित प्रशासन नेहरू पार्क जैसी कुछ जगहों पर पेयजल, सुचारू शौचालय और उपकरणों के बारीक रखरखाव पर थोड़ा और ध्यान दे तो ये पार्क महानगर की जीवंतता में चार चांद लगाते रहेंगे।

लामडिंग मंडल पर सैस के सुधार का कार्य

निविदा सूचना सं. LMG/Engg/39 of 2026 (Item No 1 & 2)। भारत के राष्ट्रपति की ओर से और तरफ से निम्नलिखित कार्यों के लिए "ई टेंडरिंग" प्रणाली के माध्यम से कार्य की निविदा आमंत्रित किया गया है। क्रमिक संख्या. 1। आईटम का संक्षिप्त विवरण एडीईएन/I/लामडिंग के अधीन जागुगुरुख लोकोशेड-सैस के सुधार का कार्य। निविदा राशि ₹1,30,55,818.80/-। धरोहर राशि: ₹2,61,100/-। क्रमिक संख्या. 2। आईटम का संक्षिप्त विवरण: एडीईएन/जागीरोड के अधीन धर्मतुल-नागमपुर-सैस के सुधार का कार्य। निविदा राशि ₹1,84,47,962.26/-। धरोहर राशि ₹3,69,000/-। ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 22-06-2026 को 15:00 बजे में एवं खुलेगी: 23-06-2026 को 15:00 बजे में। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा प्रपत्रों के साथ विस्तृत विवरण आगामी 22-06-2026 के 15:00 बजे तक www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध होंगी।

डीआरएम (डब्ल्यू), लामडिंग
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा में

अरुणाचल के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

एनईएचएचडीसी ने एरी सिल्क और अरंडी की खेती पर दिया प्रशिक्षण

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं)। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) के तहत पूर्वोत्तर हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम लिमिटेड (एनईएचएचडीसी) ने आज गुवाहाटी में एरी सिल्क संस्कृति और अरंडी (कैस्टर) वृक्षारोपण के माध्यम से स्थायी आजीविका विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश के किसानों और प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसका मुख्य उद्देश्य एरी रेशमकीट पालन और अरंडी की खेती को आय बढ़ाने वाले एक व्यावहारिक आजीविका विकल्प के रूप में बढ़ावा देना और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए एनईएचएचडीसी के प्रबंध निदेशक मारा कोचो ने अरुणाचल प्रदेश के लोगों के लिए एरी सिल्क के गहरे सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश, विशेष रूप से न्यीशी जनजाति, अनादि काल से कपड़े और परिधान के रूप में बड़ी मात्रा में एरी सिल्क उत्पादों का उपयोग करती आ रही है। विवाह, त्योहारों, सामाजिक समारोहों और यहां तक कि अंतिम संस्कार में भी एरी सिल्क के कपड़ों का उपयोग किया जाता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि वर्तमान में राज्य इस मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से पूर्वोत्तर क्षेत्र के पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है और यह कार्यक्रम अरुणाचल प्रदेश में आत्मनिर्भर होकर अपने स्वयं के एरी सिल्क उत्पादन की दिशा में एक बड़ा कदम है। कार्यक्रम के दौरान एरी रेशमकीटों के चारे के लिए अरंडी के बीज वितरित किये गये और किसानों से बेहतर गुणवत्ता वाले एरी कोकून उत्पादन और अधिकतम पैदावार के लिए स्थापित तकनीकी पद्धतियों का पालन करने का आग्रह किया गया। इसके साथ ही प्रतिभागियों को यह आश्वासन भी दिया गया कि किसानों द्वारा उत्पादित सभी एरी कोकून को एनईएचएचडीसी द्वारा असम के बाक्सा स्थित अपनी एरी स्पिनिंग मिल के लिए वापस खरीद लिया जाएगा, जिससे किसानों को अपने उत्पाद के लिए एक

सुनिश्चित बाजार मिलेगा। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुए सुरेंद्र चोखानी ने आय के एक वैकल्पिक स्रोत के रूप में अरंडी के वृक्षारोपण के महत्व पर बात की। उन्होंने समझाया कि अरंडी के बीज अरंडी का तेल निकालने का मुख्य स्रोत हैं और उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि वे मौजूदा बाजार दर पर किसी भी मात्रा में अरंडी के बीज वापस खरीदने के लिए तैयार हैं। गुवाहाटी स्थित बुनकर सेवा केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक एस बंद्योपाध्याय ने भी सभा को संबोधित करते हुए एरी सिल्क की पूरी वैल्यू चेन को समझाया और प्रतिभागियों से स्थायी आजीविका बनाने के लिए ईमानदारी से अरंडी का रोपण करने का आग्रह किया। उन्होंने वस्त्र मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जो कोकून उत्पादन के बाद के चरण में किसानों को लाभ पहुंचा सकती हैं। एनईएचएचडीसी की एरी विशेषज्ञ मेघश्री बैश्य ने अरंडी के रोपण और एरी पालन से पैदा होने वाले विभिन्न आर्थिक अवसरों के बारे में विस्तार से बताया, जबकि सहायक प्रबंधक (एरी यार्न मार्केटिंग) मृणाल सैकिया ने एरी पालन के तकनीकी पहलुओं, कोकून खोलने के तरीकों और इसके बाजार से प्रतिभागियों को अवगत कराया। एनईएचएचडीसी के उप महाप्रबंधक (तकनीकी) वासुदेव दत्त ने एक विस्तृत स्लाइड प्रस्तुति के माध्यम से एरी कोकून पालन और अरंडी के रोपण को एक संगठित तरीके से करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने समझाया कि कैसे किसान किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के रूप में एक साथ आकर सामूहिक रूप से उत्पादन बढ़ा सकते हैं और विभिन्न सरकारी योजनाओं का बेहतर लाभ उठाने की स्थिति में आ सकते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कौशल उन्नयन, क्षमता निर्माण, डिजाइन विकास और नवाचार, एरी कताई और धागा विकास, हथकरघा व बुनाई प्रशिक्षण और एरी क्लस्टर विकास दृष्टिकोण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को भी शामिल किया गया और अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये।

आर्य विद्यापीठ कॉलेज में छात्राओं के लिए पिंक टॉयलेट का उद्घाटन

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। छात्राओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और गरिमा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आर्य नगर स्थित आर्य विद्यापीठ कॉलेज में छात्राओं के लिए विशेष पिंक टॉयलेट का उद्घाटन किया गया। यह सुविधा रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी मेट्रो तथा नुमलीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड के सहयोग से उनकी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत स्थापित की गयी है। पिंक टॉयलेट का उद्घाटन रोटेरियन रवि शंकर दत्ता (अध्यक्ष 2025-26), रोटेरियन सीए विकास विजयवर्गीय (सचिव) तथा रोटेरियन विजय सराफ (अध्यक्ष 2026-27) ने किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. मौसमी बोरा, छात्र कल्याण डीन डॉ. रूपमाला बर्मन, अकादमिक डीन डॉ. मनाली सैकिया, डॉ. संगीता काकती, संकाय सदस्य, रोटेरियन तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थी। कार्यक्रम में पीडीजी प्रभात केडिया, एसपी सराफ (तेजपुर), अमित पटवारी, आरपी सुरेखा, गजानंद साहेवाला, सीएस अग्रवाल, अरुण शर्मा, बिश्वंभर शर्मा, राजीव अजितसरिया, दीपक बैंगानी, संजय जैन, विकास शर्मा, पंकज गुप्ता, पुखराज लुंकर और अनूप पोद्दार सहित अनेक रोटेरियन सदस्य भी मौजूद रहे। नवस्थापित पिंक टॉयलेट में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन, स्वच्छ जल की व्यवस्था तथा अंग्रेजी एवं असमिया भाषाओं में स्वच्छता और मासिक धर्म स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पोस्टर लगाये गये हैं, जिससे छात्राओं को बेहतर और सम्मानजनक सुविधाएं उपलब्ध हो सके। सभा को संबोधित करते हुए रवि शंकर दत्ता ने कहा कि यह संयुक्त परियोजना मासिक धर्म स्वास्थ्य और महिलाओं की गरिमा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, सुरक्षित और निजी स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच युवा महिलाओं के सशक्तीकरण और उनकी शिक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। कॉलेज प्रशासन ने छात्राओं की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करने के लिए रोटरी क्लब और एनआरएल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुविधा अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए भी प्रेरणादायक मॉडल साबित होगी।कॉलेज की 800 से अधिक छात्राएं इस पहल से प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगी।

CLASSIFIED

AFFIDAVIT

I Pooja Dadhich w/o Sri Pankaj Dadhich R/O Gokuldham Residency, behind Rajput Hostel, police line,Sikar, Rajasthan. Do hereby solomnty affirm and declare as follow - That my Son's Himanshu Sharma 's actual and correct name is Himanshu Dadhich . and Harshit sharma 's actual and correct name is Harshit Dadhich.I put my signature under this verification on 21.5.2026 at NAGAON Assam court premises.

स्वत्वाधिकारी प्रातः खबर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, खबर बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, साइकिल फैक्ट्री, कालापहाड़, गुवाहाटी- 781016 के लिए **श्याम सुंदर लाटा** द्वारा प्रकाशित तथा उनके लिए पीजी इंडिया लिमिटेड, मिनी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 (असम) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
E-mail : pratahkhabar5@gmail.com, pratah_khabar@yahoo.com, **दूरभाष+फैक्स :** 0361-2492131, **मो. :** 091270-70355, **जोरहाट कार्यालय :** 0376-2370042, **फैक्स :** 0376-2370043, **E-mail :** pkhabarjrt@gmail.com
एडिटर इन चीफ : चंद्रप्रकाश शर्मा *प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद गुवाहाटी न्यायालय के अधीन। **संपादक : परमेश्वर सिंह**

नमस्कार गुवाहाटी

मंगलवाणी

हर आत्मा मेरा अंश है,
इसलिए किसी से द्वेष
मत करो।

- श्री कृष्ण

प्रातः खबर

रविवार, 31 मई, 2026

मौसम
अधिकतम 29
न्यूनतम 24

Ph. : 2548109
2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery.

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business
Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

अब महानगरवासियों को कूड़ा संग्रह के लिए देना होगा तीस रुपये मासिक शुल्क

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। शहर की साफ-सफाई और सौंदर्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से गुवाहाटी नगर निगम ने एक बार फिर घर-घर कूड़ा संग्रह के लिए शुल्क लागू करने का फैसला किया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नगर निगम के मेयर मृगेन शरणिया ने इसकी घोषणा की। प्रेस वार्ता में मेयर के साथ निगम आयुक्त चिन्मय प्रकाश फुकन और स्मिता रॉय भी मौजूद थी। मेयर ने बताया कि अब गुवाहाटी के हर परिवार को कूड़ा संग्रह सेवा के लिए प्रति माह 30 रुपये शुल्क देना होगा। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले तक यह सेवा मुफ्त उपलब्ध करायी जा रही थी। मेयर ने कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा कचरा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने नागरिकों से भी शहर को साफ और सुंदर बनाये रखने में सहयोग देने की अपील की। इसके साथ ही शहर के सौंदर्यीकरण को बढ़ावा देने के लिए मेयर ने नागरिकों से अपने घरों के सामने या आसपास कपौ फूल के रंगों का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी बताया कि कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों के लिए एक नया थीम सॉन्ग भी शुरू किया जाएगा। नगर निगम के इस फैसले पर शहर में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। हालांकि निगम प्रशासन का कहना है कि बेहतर स्वच्छता और प्रभावी कचरा प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी कदम है। वहीं शहर के कई इलाकों में पहले से ही कुछ लोगों द्वारा अनौपचारिक तौर पर कूड़ा उठाने के नाम पर 200 रुपये तक वसूले जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। खासकर भेटापारा और बेलतला जैसे क्षेत्रों में लंबे समय से इस तरह धन वसूली की बात सामने आती रही है। हालांकि प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेयर ने इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया कि अलग-अलग इलाकों में परिवारों से 200 रुपये तक वसूली करने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी। इसे लेकर भी शहरवासियों के बीच सवाल और नाराजगी बनी हुई है।

पर्पल सिटी बनाने की मुहिम

गुवाहाटी, 30 मई (ख.स.)। महानगर के सौंदर्यकरण को लेकर गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) और गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) की ओर से पौधरोपण, स्वच्छता अभियान सहित कई कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब गुवाहाटी को देश का का पर्पल सिटी बनाने की दिशा में जीएमसी ने पहल की है। जीएमसी गुवाहाटी को भारत का अगला पर्पल सिटी बनाने की योजना बना रहा है। जीएमसी के मेयर मृगेन शरणिया ने शहर की बड़ी विजुअल मेकओवर के तहत सौंदर्यीकरण पहल का प्रस्ताव रखा है। इस पहल में दीवारों, गेटों, इमारतों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बैंगनी रंग के विभिन्न शेड्स में रंगा जाएगा। इसका मकसद गुवाहाटी को असम के राजकीय फूल कपौ फूल, यानी फॉक्सटेल ऑर्किड के बैंगनी रंग में रंगना है। शरणिया ने आज घोषणा की कि नगर निगम इस बदलाव को नगरीय क्षेत्रों में क्रमिक और चरणबद्ध तरीके से लागू करेगा। इस मेकओवर को समर्थन देने के लिए जीएमसी स्थानीय विकास समितियों, एनजीओ और महिला समूहों के बीच नागरिक प्रतियोगिताएं शुरू कर रही है। साफ-सफाई के लिए 3 लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार दिये जाएंगे।

डीसी ने कीमतों को नियंत्रित करने को लेकर की बैठक

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। अति आवश्यक सामग्री की कीमतों में हुई वृद्धि को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन की आज एक अहम बैठक हुई। कामरुप महानगर जिला आयुक्त स्वप्निल पाल ने जिला आयुक्त कार्यालय सभागार में जिला स्तर पर टास्ट फोर्स के साथ बैठक की। इस बैठक में जिले में आवश्यक सामग्री की कीमतों को नियंत्रित रखने पर चर्चा की गयी। बैठक में चेंबर ऑफ कामर्स थोक और खुदरा व्यापारी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक में बाजार समितियों के साथ जिला आयुक्त ने कीमतों को नियंत्रित रखने पर चर्चा की और खुदरा दुकानों में वस्तुओं की कीमतों की साइनबोर्ड लगाने को कहा। साथ ही जिला आयुक्त ने टास्क फोर्स को शहरी और ग्रामिण क्षेत्रों में निर्धारित वस्तुओं की कीमतों में किसी प्रकार की कृत्रिम उछाल नहीं हो पाए, इसके लिए लगातार निरीक्षण करने का निर्देश दिया।

एजेपी के केंद्रीय उपाध्यक्ष मैनाक पात्रा ने पार्टी से दिया इस्तीफा

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। असम जातीय परिषद (एजेपी) को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा केंद्रीय उपाध्यक्ष मैनाक पात्रा ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मैनाक पात्रा ने आज एजेपी अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई को अपना इस्तीफा सौंपा। इस्तीफा पत्र में उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए तत्काल प्रभाव से पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से स्वयं को अलग करने की घोषणा की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब वे पार्टी की किसी भी गतिविधि या संगठनात्मक कार्य में भाग नहीं लेंगे। अपने पत्र में पात्रा ने पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दल के साथ उनका राजनीतिक सफर एक महत्वपूर्ण और सार्थक अनुभव रहा है। साथ ही उन्होंने पार्टी के उज्ज्वल भविष्य और संगठन की प्रगति के लिए शुभकामनाएं भी दी। गौरतलब है कि मैनाक पात्रा ने वर्ष 2026 के असम विधानसभा चुनाव में डिब्रुगढ़ विधानसभा क्षेत्र से एजेपी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। हालांकि उन्हें प्रशांत फुकन के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर व्याख्यान का आयोजन

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी ने 21 माउंटेन आर्टिलरी ब्रिगेड के सहयोग से अपने परिसर में ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के अवसर पर एक विशेष स्मारक कार्यक्रम का आयोजन किया। संस्थान के विविधता और समानता प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 21 माउंटेन आर्टिलरी ब्रिगेड के कमांडर, ब्रिगेडियर जीएस ग्रेवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और एक विशेष व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान के दौरान उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता, विपरीत परिस्थितियों में खुद को ढालने और भविष्य के लिए तैयार संस्थानों व समाजों को आकार देने में रणनीतिक नेतृत्व के महत्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रिगेडियर ग्रेवाल ने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में हर भारतीय नागरिक राष्ट्रीय सुरक्षा का एक अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने आधुनिक दौर का जिक्र करते हुए कहा कि साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सैटेलाइट, समुद्री क्षेत्र और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे नये जमाने के युद्धक्षेत्र बन चुके हैं, जिनकी रक्षा करना बेहद जरूरी है। ऐसे में नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं, उद्यमियों, प्रौद्योगिकीविदों और साइबर पेशेवरों को जागरूक व लचीला रहने की जरूरत है ताकि वे अपनी क्षमता के अनुसार देश की सुरक्षा में योगदान दे सकें। उन्होंने जटिल चुनौतियों पर काबू पाने के लिए टीम वर्क और नवाचार के महत्व पर भी जोर दिया। ब्रिगेडियर ग्रेवाल ने देश की विकास यात्रा को मजबूत करने में शैक्षणिक संस्थानों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसके युवा और बुद्धिमान मानव संसाधन हैं, जो आने वाले वर्षों में देश की रक्षा में एक निर्णायक भूमिका निभाएंगे। नये जमाने की तकनीकों की मदद से भारत अब पिछले तीन दशकों की तुलना में अधिक सुरक्षित है, लेकिन देश की सुरक्षा के लिए हमें हमेशा सतर्क रहने की आवश्यकता है।

सीएम विजिलेंस के घेरे में सर्कल अधिकारी

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। चुनाव के लिए आए सरकारी धन के कथित गबन के मामले में मुख्यमंत्री विशेष निगरानी प्रकोष्ठ ने एक सर्कल अधिकारी को जांच के दायरे में लिया है। आरोप है कि कामपुर में सर्कल अधिकारी रहते हुए संगीता बरठाकुर ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए जारी सरकारी राशि में अनियमितता की थी। जानकारी के अनुसार इस मामले में वर्ष 2025 में एक पीड़ित ने कामपुर थाने में शिकायत दर्ज करायी थी। यह मामला कामपुर थाना केस नंबर 46/25 के रूप में दर्ज हुआ था। बाद में संगीता बरठाकुर को इस मामले में जमानत मिल गयी थी। अब मुख्यमंत्री के विशेष निगरानी प्रकोष्ठ ने इस फाइल को फिर से खोलते हुए जांच तेज कर दी है। इसी सिलसिले में आज अधिकारी को रूपनगर स्थित विजिलेंस कार्यालय में पेश होने का निर्देश दिया गया था। पूछताछ के बाद आज उन्हें जाने की अनुमति दे दी गयी। हालांकि इस पूरे मामले को गंभीर मानते हुए राज्य सरकार ने पहले ही उन्हें पदावनत कर निचले पद पर भेज दिया है। फिलहाल मामले की आगे की जांच जारी है और विजिलेंस विभाग पूरे प्रकरण से जुड़े दस्तावेजों और अन्य तथ्यों की पड़ताल कर रहा है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गुवाहाटी ने आज ट्रॉमा जागरूकता माह के हिस्से के रूप में एक सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। स्टे फोकस्ड, स्टे सेफ थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली चोटों, दुर्घटनाओं की रोकथाम और समय पर आपातकालीन प्रतिक्रिया के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इसके साथ ही इस आयोजन में सड़क पर जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देने और ट्रॉमा केयर में प्राथमिक उपचारकर्ताओं की भूमिका को मजबूत करने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। सड़क दुर्घटनाएं हर साल बड़ी संख्या में लोगों की जान जाने और गंभीर चोटों का कारण बनती हैं, जो स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। इसी संदर्भ में प्रतिभागियों को यातायात नियमों के पालन, सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं और त्वरित आपातकालीन सहायता के महत्व के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित एक साइकिल रैली के साथ हुई। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा जागरूकता पर आधारित एक ज्ञानवर्द्धक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इसके अलावा टीम मूक ने एक मूक अभिनय की शानदार प्रस्तुति दी, जिसके माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं के कारणों और उनके दर्दनाक परिणामों को बेहद सजीव रूप में प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में एम्स गुवाहाटी के कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर (कर्नल) अशोक पुराणिक, श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (एसएसयूएचएस) के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) अनुप कुमार बर्मन, कामरूप के जिला आयुक्त देब कुमार मिश्रा, कामरूप के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुभाशीष बरुआ और कामरूप के जिला परिवहन अधिकारी मनोज कुमार चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इन सभी गणमान्य हस्तियों ने सभा को संबोधित करते हुए सड़क सुरक्षा और दुर्घटना निवारण पर अपने महत्वपूर्ण विचार व दृष्टिकोण साझा किए। इस जागरूकता कार्यक्रम में स्कूली छात्रों, ड्राइवरों, पुलिस कर्मियों और प्राथमिक उपचारकर्ताओं सहित लगभग 400 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। गुवाहाटी के बाइसीकल मेयर अर्शेल अख्तर ने भी साइकिलिंग समुदाय के सदस्यों के साथ इस कार्यक्रम के तहत आयोजित साइकिल रैली में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

असम लोक भवन में मनाया गया गोवा राज्य स्थापना दिवस

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना और भारत सरकार की देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य स्थापना दिवस मनाने की पहल के अनुरूप असम लोक भवन ने आज अपने परिसर में आयोजित एक समारोह में गोवा राज्य स्थापना दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में गोवा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर, जीवंत परंपराओं और भारत की प्रगति एवं एकता में इसके महत्वपूर्ण योगदान को उजागर किया गया। यह उत्सव उन विशिष्ट सांस्कृतिक पहचानों की व्यापक समझ और सराहना को बढ़ावा देने का एक मंच था, जो सामूहिक रूप से राष्ट्र के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती हैं। इस अवसर पर बोलते हुए लोक भवन के संयुक्त सचिव अरिंदम बरुवा ने राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने और विभिन्न राज्यों के लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने में ऐसे आयोजनों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने देश के विविध क्षेत्रों को जोड़ने वाले ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर बोलते हुए महानगर के पामोही स्थित सेंट जेवियर्स स्कूल के फादर जोस्ली फर्नांडिस ने गोवा के इतिहास, संस्कृति और पर्यटन क्षमता का एक ज्ञानवर्द्धक अवलोकन प्रस्तुत किया।

अभियांत्रिकी कार्य

ई-निविदा सूचना सं. 08-ENGG-RNY-2026-27 [illegible] निविदा सं. 1: [illegible] विवरण:- (1) [illegible] (2) [illegible] (3) [illegible] (4) [illegible] ई-निविदाएं 17-06-2026 को 15:00 बजे बंद होंगी [illegible] खुलेंगी। [illegible] www.ireps.gov.in [illegible]

[illegible] (कार्य), रंगिया

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

एपीडीसीएल की ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष में दान देने पर एएईसी ने उठाये सवाल

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। असम विद्युत उपभोक्ता संघ (एएईसी) की असम राज्य समिति ने असम ऊर्जा वितरण कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष में दस करोड़ रुपये का अनुदान दियेए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। आज यहां जारी किये गये एक अधिकृत बयान में संगठन ने कहा कि जब भी जनता को अतिरिक्त बिजली शुल्क से राहत देने की मांग उठायी जाती है तो एपीडीसीएल हमेशा घाटे का रोना रोती है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये गये दस करोड़ रुपये आखिर कहां से आये। संगठन का आरोप है कि यह इस बात का साफ सबूत है कि पिछले कुछ समय में एपीडीसीएल ने आम जनता से अन्यायपूर्ण तरीके से अतिरिक्त बिजली शुल्क वसूला है। एपीडीसीएल कोई विशुद्ध व्यावसायिक संस्था नहीं है, बल्कि यह जनता के पैसे से बनी और जनता को सेवा प्रदान करने वाली संस्था है। इसलिए मुनाफा कमाने के उद्देश्य से यह बिजली की दरों में मनमानी बढ़ोतरी नहीं कर सकती। बयान में आगे कहा गया है कि असम की जनता लंबे समय से बिजली शुल्क कम करने की मांग कर रही है। साथ ही लोग अन्य राज्यों की तर्ज पर असम में भी कम से कम सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने की मांग उठा रहे हैं। इसके बावजूद आम जनता को राहत देने का कोई प्रयास किये बिना मुख्यमंत्री राहत कोष में दस करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि देना केवल चापलूसी के अलावा और कुछ नहीं है। इसके साथ ही संगठन ने राज्य में खुद का बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए कोई नया प्रोजेक्ट शुरू न कर पाने वाली असम ऊर्जा उत्पादन कंपनी (एपीजीसीएल) द्वारा भी पांच करोड़ रुपये का अनुदान दिये जाने पर गहरा आश्चर्य व्यक्त किया है। संगठन ने राज्य सरकार से दृढ़ मांग की है कि आवश्यक वस्तुओं की बेतहाशा महंगाई की मार झेल रही आम जनता को तुरंत राहत दी जाए और हर महीने कम से कम सौ यूनिट बिजली मुफ्त उपलब्ध करायी जाए।

नानी बाई का मायरा भरने उमड़ा भक्तों का सैलाब

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। सेठ सांवरिया सत्संग समिति के तत्वावधान में चल रहे आठ दिवसीय नानी बाई रो मायरो संग भक्तमाल कथा के सातवें दिवस नानी बाई का मायरा भरने भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। वृन्दावन गार्डन में खचाखच भरे पंडाल में गाजे बाजे के साथ नानी बाई का मायरो भरा गया। इस दौरान जीवंत झांकी देख श्रद्धाल भाव भिवोर हो उठे। वहीं आठ दिवसीय आयोजन के अंतिम दिन रविवार को प्रातः राधा सहस्त्रार्चन पश्चात सुबह 10 बजे से श्री सत्यनारायण कथा का विशेष आयोजन किया जाएगा। इस दौरान मुख्य कथा वाचक गौरव व्यास के मुखारवृन्द से संगीतमय श्री सत्यनारायण कथा का वाचन किया जाएगा। इससे पूर्व आज नानी बाई रो मायरो संग भक्तमाल कथा के विश्राम दिवस के मौके पर व्यासपीठ से गौरव व्यास ने नानी बाई रो मायरा की कथा प्रसंग का मार्मिक वर्णन करते हुए बताया कि भक्त शिरोमणि नरसी मेहता ने विपरीत परिस्थितियों और आर्थिक अभाव के बावजूद भगवान श्रीकृष्ण पर अटूट विश्वास बनाये रखा। जब पुत्री नानी बाई के मायरे का समय आया और कोई सहारा दिखायी नहीं दिया, तब भक्त की लाज रखने स्वयं भगवान श्रीकृष्ण सांवरिया सेठ के रूप में प्रकट हुए तथा भव्य मायरा भरकर भक्त और भगवान के अटूट प्रेम का परिचय दिया। मायरा प्रसंग के दौरान आकर्षक झांकियों का मंचन किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। भगवान श्रीकृष्ण, रुक्मिणी एवं नरसी मेहता के दिव्य स्वरूपों ने उपस्थित भक्तों का मन मोह लिया। कथा स्थल पर पुष्पवर्षा, भजन-कीर्तन एवं जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बन गया। कथा वाचक ने अपने संदेश में कहा कि नानी बाई रो मायरो केवल एक धार्मिक कथा नहीं, बल्कि विश्वास, समर्पण, सेवा और भक्ति का जीवंत उदाहरण है। यह कथा सिखाती है कि जो व्यक्ति सच्चे मन से भगवान का स्मरण करता है, उसकी हर परिस्थिति में भगवान स्वयं सहायता करते हैं। आयोजन समिति के सुरेंद्र लाठ ने बताया कि कथा के छठे दिवस पंडित प्रकाश शास्त्री की देखरेख में समिति के सदस्य संतोष-रेनु चौधरी, बाबूलाल-बिमला मोर, संतोष कुमार-रश्मि बजाज, अरविंद-बबीता सरावगी, मनोज-पूजा द्वारा दैनिक पूजा करायी गयी। पुरुषोत्तममास के अवसर पर सेठ सांवरियां सत्संग समिति द्वारा आयोजित धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में समिति के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

आपूर्ति का कार्य

[illegible] कार्य के लिए [illegible] द्वारा ई-निविदा आमंत्रित किया गया है।
क्रमिक संख्या. 1. निविदा संख्या: DB265346। पीएल कोड (ग्रुप): 331615010017 कार्य का नाम: [illegible] धरोहर राशि: ₹1,36,270/-। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 24-06-2026 तारीख के 11.30 बजे में।
[illegible] www.ireps.gov.in [illegible]

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, डिब्रुगढ़

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

तिनसुकिया मंडल में पे एंड यूज़ टॉयलेट का व्यवस्था

तिनसुकिया मंडल के [illegible] रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज़ टॉयलेट अनुबंध के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। कैटलॉग सं.: PnU-TSK-Toi-05. [illegible] नीलामी शुरू होने की तिथि और समय: 19-06-2026 को 11:00 बजे;

क्र.सं.	लॉट नं./श्रेणी	दिन
AA/1	PnU-TSK-FKG-Toi-1-25-1 (पे एंड यूज़ - टॉयलेट)	1095

ई-नीलामी के बंद करने की तिथि और समय: 19-06-2026 को 11:30 बजे। प्रारंभिक [illegible] 30 मिनट। [illegible] अंतराल 10 मिनट। अधिकतम [illegible] 10 बार। नोट: [illegible] अधिक जानकारी के लिए आइआरईपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ई-नीलामी [illegible] देखें।

सीनियर डीसीएम, तिनसुकिया

पूर्वोत्तर सीमा रेल

प्रातःखबर
रविवार, 31 मई 2026

कांग्रेस में फिर खुलकर सामने आया गुटीय संघर्ष

पर्यवेक्षक अमीनुल हक लस्कर के खिलाफ प्रदर्शन

हैलाकांदी, 30 मई (ख.सं.)। चुनाव समाप्त होने के बाद भी हैलाकांदी जिला कांग्रेस में आंतरिक मतभेद और गुटीय संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। बल्कि पार्टी के भीतर असंतोष विचारों में मतभेद तथा एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप एक बार फिर खुलकर सामने आ गये हैं। आज हैलाकांदी कांग्रेस भवन में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गयी। जानकारी के अनुसार हैलाकांदी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की चुनावी हार के कारणों की समीक्षा करने के लिए असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक एवं सोनाई के विधायक अमीनुल हक लस्कर कांग्रेस भवन पहुंचे थे। उनके साथ एपीसीसी के सचिव ध्रुवज्योति पुरकायस्थ भी मौजूद थे। बैठक में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ चुनावी परिणामों, संगठनात्मक कमजोरियों तथा भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की जा रही थी। इसी दौरान बैठक का माहौल अचानक गर्म हो गया। उपस्थित कुछ कार्यकर्ताओं ने अमीनुल हक लस्कर पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाते हुए तीव्र नाराज़गी व्यक्त की। आरोप लगाने वाले कार्यकर्ताओं का कहना था कि पार्टी हितों के विपरीत कुछ गतिविधियों के कारण लंबे समय से कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष व्याप्त है। स्थिति धीरे धीरे अधिक तनावपूर्ण होती गयी और नाराज कार्यकर्ताओं ने अमीनुल हक लस्कर के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। सूत्रों के अनुसार उनसे कांग्रेस भवन छोड़ने की मांग भी की गयी। इस घटना के साथ ही जिला कांग्रेस के भीतर लंबे समय से चल रहे गुटीय संघर्ष और मतभेद एक बार फिर सार्वजनिक रूप से उजागर हो गये। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष सईदुल इस्लाम बड़भुइयां ने कहा कि कांग्रेस से निर्वाचित एक विधायक का भाजपा कार्यालय जाकर विधानसभा अध्यक्ष रंजीत दास से मुलाकात करना कार्यकर्ताओं के बीच कई सवाल और नाराजगी पैदा करता है। उन्होंने कहा कि आज वही नाराजगी खुलकर सामने आयी है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व लंबे समय से जमीनी स्तर के वास्तविक कार्यकर्ताओं को महत्व देने के बजाय बाहरी लोगों को पार्टी में शामिल कर उन्हें टिकट दे रहा है। उनके अनुसार चुनाव जीतने के बाद कई नेता पार्टी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा कर व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देने लगते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि चुनावी हार के बाद संगठन को मजबूत करने के बजाय नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच आपसी आरोप-प्रत्यारोप तथा विभाजन बढ़ता रहा तो यह कांग्रेस के लिए एक नए संकट का संकेत हो सकता है। हालांकि इस घटना को लेकर समाचार लिखे जाने तक जिला कांग्रेस नेतृत्व अथवा एपीसीसी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आयी थी। घटना के बाद जिले के राजनीतिक हलकों में व्यापक चर्चा शुरू हो गयी है। साथ ही हैलाकांदी जिले में कांग्रेस के संगठनात्मक भविष्य और नेतृत्व की भूमिका को लेकर भी कई प्रश्न उठने लगे हैं।

चुनाव व्यय की खाता मिलान बैठक आयोजित

रंगिया, 30 मई (ख.सं.)। असम विधानसभा आम चुनाव, 2026 के लिए व्यय पर्यवेक्षक उमेश कुमार अग्रवाल और कपिल कुमार सिंह की उपस्थिति में कामरूप जिले के तहत आने वाले छह विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव में लड़ने वाले उम्मीदवारों/चुनाव एजेंटों की खाता मिलान बैठक आज जिला आयुक्त कार्यालय, अमीनगांव के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गयी। यह बैठक भारत निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित की गयी थी। बैठक के दौरान चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और उनके चुनाव एजेंटों ने अपने चुनाव व्यय रजिस्टरों का मिलान सेल द्वारा बनाये गये शैडो ऑब्जर्वेशन रजिस्टरों और वीडियो निगरानी टीमों द्वारा तैयार किये गये रिकॉर्ड के साथ किया। यह प्रक्रिया चुनाव व्यय की रिपोर्टिंग और निगरानी में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने में मदद करती है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चुनाव व्यय खातों को जमा करने और उनका समाधान करने का काम परिणाम घोषित होने के बाद 30वें दिन या उससे पहले, यानी 4 जून, 2026 या उससे पहले पूरा किया जाना अनिवार्य है। इस बैठक में अतिरिक्त जिला आयुक्त तथा चुनाव व्यय निगरानी सेल की प्रभारी मोनिका बरगोहाईं, चुनाव व्यय निगरानी सेल से जुड़े अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

उद्घाटन के तीन माह के भीतर क्षतिग्रस्त हुआ हाथीखुली पुल का संपर्क मार्ग

लमडिंग, 30 मई (ख.सं.)। होजाई जिले के लमडिंग स्थित नंबर-1 हाथीखुली क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित पुल के संपर्क मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय लोगों में चिंता और असंतोष का माहौल व्याप्त है। चुनाव पूर्व जनता को समर्पित किये गये इस महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना का संपर्क मार्ग उद्घाटन के तीन माह के भीतर ही कई स्थानों पर धंसने और क्षरण का शिकार हो गया है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर गंभीर प्रश्न उठने लगे हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार पुल के समीप स्थित संपर्क सड़क का एक हिस्सा हाल के दिनों में खिसक गया है, जबकि कुछ स्थानों पर मिट्टी का कटाव भी देखा गया है। प्रभावित हिस्से के कारण प्रतिदिन आवागमन करने वाले लोगों, दोपहिया चालकों तथा अन्य वाहन चालकों को असुविधा के साथ-साथ संभावित दुर्घटना की आशंका का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जिस परियोजना को ग्रामीण संपर्क व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से निर्मित किया गया था, उसकी वर्तमान स्थिति चिंताजनक है। लोगों ने संबंधित विभाग से तकनीकी निरीक्षण कराकर क्षति के वास्तविक कारणों का पता लगाने तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है। स्थानीय नागरिकों ने यह भी कहा कि सार्वजनिक धन से निर्मित परियोजनाओं में गुणवत्ता और टिकाऊपन सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उनका मत है कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप हुआ है, तो इतनी कम अवधि में इस प्रकार की क्षति का कारण स्पष्ट किया जाना आवश्यक है। इस बीच क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन एवं संबंधित विभागों से क्षतिग्रस्त मार्ग की तत्काल मरम्मत, सुरक्षा उपायों की व्यवस्था तथा परियोजना की गुणवत्ता संबंधी पहलुओं की निष्पक्ष जांच कराने का अनुरोध किया है।

एनटीपीसी बंगाईगांव युवाओं को कर रहा प्रेरित

कोकराझाड़, 30 मई (ख.सं.)। स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के तहत चल रहे समारोहों के एक भाग के रूप में एनटीपीसी बंगाईगांव ने बार्डवी शिकला लेडीज क्लब के सहयोग से अपनी सीएसआर पहल के तहत बिजली स्टेशन और आसपास के समुदायों में 400 से अधिक युवाओं को लाभान्वित करने वाली जागरूकता और आउटरीच पहलों की एक श्रृंखला शुरू की है। इस कार्यक्रम के तहत, बिजली स्टेशन के बार्डवी शिकला लेडीज क्लब के सहयोग से सालकाटी एमई स्कूल की 100 छात्राओं को स्वच्छता और साफ-सफाई किट वितरित किये गये ताकि युवा छात्राओं में व्यक्तिगत स्वच्छता और साफ-सफाई की आदतों को बढ़ावा दिया जा सके। इससे पहले एनटीपीसी बंगाईगांव ने भी स्कूल में छात्रों के लिए स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया था, जिसमें स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया था। स्वच्छता और साफ-सफाई के प्रति जागरूकता को और मजबूत करने के लिए बिजली स्टेशन के आसपास स्थित स्कूलों में सेल्फी बूथ, हस्ताक्षर अभियान और स्वच्छता से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं, जिससे छात्रों को अपने समुदायों में स्वच्छता के राजदूत बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। एनटीपीसी बंगाईगांव अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. ओली मित्रा ने स्वच्छता जागरूकता सत्र का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, साफ-सफाई और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम में एनटीपीसी बंगाईगांव स्थित बार्डवी शिकला लेडीज क्लब की अध्यक्ष कस्तूरी मैत्रा, एनटीपीसी बंगाईगांव के अधिकारी, लेडीज क्लब के पदाधिकारी, स्कूल अधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

बरघाट इलाके से पांच डकैत गिरफ्तार

नगांव, 30 मई (ख.सं.)। कल रात नगांव पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर बरघाट बाइपास क्षेत्र में अभियान चलाकर पांच सदस्यीय सशस्त्र डकैत गिरोह को गिरफ्तार किया। डकैतों का यह गिरोह एक सफेद रंग की मारुति ऑल्टो कार से नगांव शहर की ओर जा रहा था तभी पुलिस ने उन्हें धर दबोचा।पुलिस ने वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से एक पीले रंग का लोहे का हाइड्रोलिक कटर, एक छोटा कटर, एक दाव (धारदार हथियार), भी आकार की लोहे की रॉड, एक अन्य लोहे की रॉड, दो काले रंग के मुखौटे, ब्लेड सहित एक हेक्सो, एक प्लास्टिक की रस्सी तथा दो काले रंग के हेलमेट बरामद किये। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रंगलू कलबारी निवासी साहिदुल इस्लाम (43), नरजुल इस्लाम (28), फैजुल हक (24), रंगलू सुतार गांव निवासी इस्माइल अली (24) तथा डबका वार्ड नंबर-1 निवासी अब्दुल खलील (25) के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ तथा बरामद सामानों के आकार को देखते हुए यह स्पष्ट हुआ है कि ये सभी नगांव की ओर डकैती करने के उद्देश्य से जा रहे थे। इसके बाद गवाहों के उपस्थिति में वाहन सहित सभी बरामद सामानों को जब्त कर लिया गया तथा गिरफ्तार आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बरघाट पुलिस चौकी लाया गया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है।

डंपर की चपेट में आने से महिला की मौत

सामागुड़ी, 30 मई (ख.सं.)। सामागुड़ी तीनआली क्षेत्र में आज एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार, महिला राष्ट्रीय राजमार्ग 127 पार कर रही थीं, तभी तेज रफ्तार से आ रहे एक डंपर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि महिला की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी। मृतक की पहचान सामागुड़ी बरमा निवासी आसमिना बेगम के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सामागुड़ी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में ले लिया। फिलहाल पुलिस ने मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल बना हुआ है।

कचुआ में जंगली हाथियों का आतंक महिला समेत दो की गयी जान

नगांव, 30 मई (ख.सं.)। नगांव जिले के कामपुर वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कचुआ इलाके में आज तड़के जंगली हाथियों के हमले में एक महिला सहित दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार कचुआ के कांदापाड़ा और रांगलूबस्ती क्षेत्रों में देर रात जंगली हाथियों के एक झुंड ने उत्पात मचाया। हाथियों के हमले में साहाज उद्दीन और हनुफा खातून की जान चली गयी। परिजनों का आरोप है कि जंगली हाथी ने हनुफा खातून को घर के अंदर से खींचकर बाहर निकाला और हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी। इस हमले में दो लोगों की मौत के अलावा कई अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार पूरी रात हाथियों का झुंड इलाके में घूमता रहा, जिससे भय का माहौल बना रहा। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे कचुआ क्षेत्र में गहरा शोक है। साथ ही वन क्षेत्र से सटे इलाकों में लगातार बढ़ रहे मानव-हाथी संघर्ष को रोकने के लिए स्थायी समाधान की मांग भी तेज हो गयी है।

हाजो में मनाया गया विश्व तंबाकू निषेध दिवस

रंगिया, 30 मई (नि.सं)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस-2026 के अवसर पर आज हाजो के दमदमा महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ, कामरूप तथा जिला स्वास्थ्य समिति, कामरूप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य तंबाकू और निकोटिन जनित लत के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा ने कहा कि तंबाकू का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से तंबाकू, गुटखा, जर्दा, खैनी और अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि तंबाकू नियंत्रण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी से ही स्वस्थ और सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है। जिला आयुक्त ने विद्यार्थियों को तंबाकू सेवन और अन्य हानिकारक नशे की आदतों से दूर रहने का संदेश देते हुए कहा कि ऐसे व्यसन न केवल स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, बल्कि युवाओं को उनके जीवन के लक्ष्यों और आकांक्षाओं से भी भटका सकते हैं। कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित डॉ. श्रावणा मिश्रा भगवती, प्रोफेसर एवं प्रभारी अधिकारी, मुख्य शोधकर्ता तथा निवारक कैंसर विभाग, नेशनल टोबैको क्विटलाइन सर्विसेज, डॉ. भुवनेश्वर बरुवा कैंसर संस्थान ने तंबाकू सेवन से होने वाले विभिन्न प्रकार के कैंसर,

हृदय रोग तथा अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, असम के राज्य सलाहकार डॉ. रमेश भट्टाचार्य ने तंबाकू नियंत्रण कानून, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम तथा तंबाकू छोड़ने के लिए उपलब्ध विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान गुवाहाटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रामदास रानसिंग ने स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के माध्यम से तंबाकू जनित रोगों को कम करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत कामरूप जिला सड़क सुरक्षा समिति के सहयोग से सड़क सुरक्षा विषयक एक जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर कामरूप के सहायक पुलिस अधीक्षक दीपक शर्मा तथा मोटर वाहन निरीक्षक जयसिंह रोंगफार ने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात नियमों के पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग तथा शराब पीकर वाहन न चलाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर उपस्थित लोगों को जानकारी दी। इस अवसर पर जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ, कामरूप के जिला नोडल अधिकारी डॉ. अरविंद दास, हाजो खंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के एसडीएम एवं एचओ डॉ. मसूद इकबाल, दमदमा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरंजन शर्मा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कामरूप की जिला मीडिया विशेषज्ञ नीलाक्षी मेधी, छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न सरकारी विभागों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मानव उत्थान सेवा समिति के नेतृत्व में संत समागम सत्संग समारोह आयोजित

तेजपुर, 30 मई (ख.सं.)। मानव उत्थान सेवा समिति, हंस नाम बोध आश्रम सोलंग के तत्वावधान में उत्तर बालीजुड़ी, आमगई पाम नामघर, जिला शोणितपुर में संत समागम सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए आश्रम प्रवक्ता जोगेंद्र साह ने बताया कि सत्संग समारोह में शिलापथार से पूर्वोत्तर क्षेत्र के उपाध्यक्ष पूज्य महात्मा अखिलानंद, सोलंग से आश्रम प्रभारी पूज्य महात्मा भक्ति बाई, महात्मा शिखा बाई, लखीमपुर से आश्रम प्रभारी पूज्य महात्मा गुणी बाई, महात्मा प्रगति बाई आदि संत महात्मागण उपस्थित रहे। खोनामुख, लखरा, टुभांगा, बालीजुड़ी आदि स्थानों से श्रद्धालु प्रेमी भक्तों ने भाग लिया तथा सत्संग, प्रवचन एवं सेवा का लाभ प्राप्त किया। सभी संत महात्माओं ने अपने-अपने संगीतमय सत्संग विचार प्रस्तुत किए और श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। पूर्वोत्तर क्षेत्र के उपाध्यक्ष पूज्य महात्मा अखिलानंद जी ने अपने संबोधन में कहा कि आज का युवा समाज अपनी संस्कृति को भूलता जा रहा है। मानव सेवा से दूर होता जा रहा है तथा नशे का शिकार बनता जा रहा है। इन बुराइयों से बचाने के लिए परमपूज्य सद्गुरुदेव सतपाल महाराज की प्रेरणा से मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वावधान में सत्संग समारोह एवं सद्भावना सम्मेलन के माध्यम से समाज को जागरूक किया जा रहा है तथा नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है।

तेतलीसरा में अग्निकांड, किराना दुकान जलकर खाक

रंगिया, 30 मई (ख.सं)। कामपुर के पूर्व तेतलीसरा इलाके में आज भीषण आग लगने की घटना सामने आयी। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में एक किराना दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गयी। यह दुकान स्थानीय महिला रीना भुइंया की बतायी जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार आग लगने के बाद दुकान में रखा सामान देखते ही देखते जल गया। शुरुआती अनुमान के मुताबिक इस हादसे में लाखों रुपये के सामान के नुकसान की आशंका जतायी जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फिलहाल आग लगने की असली वजह का पता नहीं चल पाया है। प्रशासन मामले की जांच में जुटा है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोग नुकसान को लेकर चिंता जता रहे हैं। वहीं प्रशासन आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है। मांग जल्दी पूरी हो सके। सेंट्रल कमेटी के प्रेसिडेंट संजीव रॉय, जनरल सेक्रेटरी (एडमिनिस्ट्रेशन) अहद लस्कर और जनरल सेक्रेटरी (ऑर्गनाइज़ेशन) प्रणय नाग ने बराक वैली के सभी सोशल, कल्चरल और मास ऑर्गनाइज़ेशन से इस मूवमेंट में आगे आने और हाई कोर्ट बेंच डिमांड इम्प्लीमेंटेशन कमेटी के साथ मिलकर मास मूवमेंट को मज़बूत करने की अपील की है।

शंकरदेव शिशु निकेतन में नवनिर्मित शिशु-वाटिका गृह का उद्घाटन

रंगिया, 30 मई (ख.सं)। रंगिया के बालीसत्र के लाचिस्थित शंकरदेव शिशु निकेतन में आज एक नया निर्मित शिशु-वाटिका गृह का उद्घाटन और विदाई-संवर्द्धना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत छात्रा जिज्ञासा गोस्वामी द्वारा गणेश स्तोत्र के पाठ से हुई और वरिष्ठ समाजसेवी उदय शंकर कलिता ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे तीन आचार्यों बसंत कुमार शर्मा, महेश दास और दीपक कलिता, तथा शिशुमातृ द्रुपदी कलिता सेहगल को फूलाम गामोछा, सराई, प्रशस्ति पत्र और श्रीकृष्णगीता की पुस्तक उपहार स्वरूप देकर औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया। यह सम्मान निकेतन संचालन

समिति के सचिव भवेश गोस्वामी तथा निकेतन प्रबंधन ने प्रदान किया। साथ ही निकेतन के कुछ छात्र-छात्राओं को इस सत्र की हायर सेकेंडरी परीक्षा में अच्छे परिणाम लाने पर बधाई दी गयी। बंगाईगांव तेल शोधनागार के सह गाणनिक अधिकारी शरत चंद्र वैश्य ने परिसर में पौधरोपण किया। विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष भुवनेश्वर कुमारे ने सभा की अध्यक्षता की और प्रधान आचार्य हिरेंद्र नाथ कलिता ने कार्यक्रम का संचालन किया।

श्री राजल बिंदल दादी का 44वां मासिक कीर्तन संपन्न

रंगिया, 30 मई (नि.सं)। मंगल गोत्री जाजोदिया परिवार की कुलदेवी श्री राजल बिंदल दादी का मासिक कीर्तन जगदीश प्रसाद जाजोदिया के निवास स्थान पर 29 मई को आयोजित किया गया, जिसमें रंगिया के लगभग सभी जाजोदिया मंगलगोत्री परिजनों ने विधि विधान के साथ भगवान श्री गणेश, बजरंग बली सहित श्री राजल बिंदल दादीजी तथा अपने कुल के पीतर पीतरानी की धोक लगाकर आर्शीर्वाद प्राप्त किया। यजमान जगदीश प्रसाद जाजोदिया सपत्नीक मीनु जाजोदिया द्वारा विधि विधान से श्री राजल बिंदल दादी दरबार की पूजा-अर्चना करवायी गयी। रंगिया श्री राजल बिंदल दादी परिवार के संयोजक पवन कुमार जाजोदिया, संजय कुमार जाजोदिया, मोहित जाजोदिया, जितेंद्र जाजोदिया, शुभम जाजोदिया के संचालन मे समाजबंधुओं के सहयोग से आयोजित 44वें मासिक कीर्तन उत्सव मे संध्या करीब 7.30 बजे से रात्रि 10 बजे तक संगीतमय भजन कीर्तन, दिव्य ज्योत प्रज्ज्वलन, श्री राजल बिंदल दादी चालीसा पाठ, आरती, पुष्पांजलि के बाद प्रसाद वितरण किया गया। जयकारे के साथ मासिक कीर्तन संपन्न किया गया।

मुनिश्री आनंद कुमार का तेजपुर में प्रवास संपन्न

तेजपुर, 30 मई (ख.सं)। जैन तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्य महाश्रमण के विद्वान सुशिष्य मुनिश्री आनंद कुमार कालू एवं सहवर्ती मुनिश्री विकास कुमार ने तेजपुर में अपना दिवसीय प्रभावशाली प्रवास संपन्न कर नगांव की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। तेरापंथ धर्मसंघ जैन श्वेतांबर तेरापंथ परंपरा का एक अनुशासित एवं आदर्श धर्मसंघ है, जिसकी स्थापना आचार्य भिक्षु स्वामी ने की थी। वर्तमान में आचार्य महाश्रमण के नेतृत्व में धर्मसंघ देश-विदेश में अहिंसा, नशामुक्ति, सद्भावना एवं नैतिक जीवन का संदेश प्रसारित कर रहा है। तेरापंथ धर्मसंघ के अंतर्गत अनेक संस्थाएं समाज एवं धर्म की सेवा में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं तेरापंथ धर्मसंघ की सर्वोच्च संस्था जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा जिनको आचार्य तुलसी,आचार्य महाप्रज्ञ, आचार्य महाश्रमण ने मां की उपमा दी, विभिन्न तेरापंथ सभाओं का समन्वय कर संगठनात्मक कार्यों को गति प्रदान करती है। महासभा धर्मसंघ की नीतियों एवं गतिविधियों को समाज तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाती है। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद सेवा, संस्कार, संगठन के तहत अपनी स्थानीय परिषद, युवाओं में नेतृत्व, सेवा, संस्कार एवं सामाजिक जागरूकता विकसित करने वाली अग्रणी संस्था है। रक्तदान, नेत्रदान, पर्यावरण संरक्षण एवं विभिन्न सेवा प्रकल्पों के माध्यम से परिषद में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल महिलाओं के व्यक्तित्व विकास, संस्कार निर्माण, सेवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य करता है।तत्व ज्ञान एवं तेरापंथ दर्शन का कार्य भी करती है । अणुव्रत समिति आचार्य तुलसी द्वारा प्रवर्तित अणुव्रत आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करती है। यह संस्था नैतिकता, नशामुक्ति, सद्भावना, मानवता के संदेश के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करती है। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम युवा प्रोफेशनल्स, व्यवसायियों एवं शिक्षित वर्ग को धर्मसंघ से जोड़ने वाली एक प्रभावशाली संस्था है। व्यक्तित्व विकास, नेटवर्किंग, सामाजिक सेवा, एवं आध्यात्मिक मूल्यों के साथ संतुलन स्थापित करने की दिशा में कार्यरत है। ज्ञानशाला परिवार जो आचार्य तुलसी का सपना था, पूरे देश भर में के ऊपर सुव्यवस्थित चल रही है ।भावी बच्चों में संस्कारों का निर्माण करना मुख्य उद्देश्य है । तेजपुर प्रवास के दौरान मुनिश्री के सान्निध्य में अनेक धार्मिक, आध्यात्मिक एवं नैतिक जागरण कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई। अपने प्रवचनों में मुनिश्री ने अहिंसा, संयम, सदाचार एवं मानव सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में आध्यात्मिकता ही जीवन को सही दिशा प्रदान कर सकती है। मुनि श्री ने जैन एकता की समाज के बीच रखी । मुनिश्री की प्रेरणा से तपस्या का क्रम बहुत सुंदर ढंग से चला। मुनिश्री का आगामी कार्यक्रम चातुर्मास गुवाहाटी में होना है।

जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी तीन से

नगांव, 30 मई (ख.सं)। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी नगांव जिले के सामागुड़ी स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आगामी 3 एवं 4 जून को दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत नगांव और होजाई जिलों के लिए जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। इस वर्ष प्रदर्शनी का मुख्य विषय अर्थात विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित रखा गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से दोनों जिलों के कक्षा 6 से कक्षा 12 तक अध्ययनरत सरकारी विद्यालयों/महाविद्यालयों तथा राज्य बोर्ड से संबद्ध निजी विद्यालयों/महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को एक वैज्ञानिक मंच पर एकत्रित करने का प्रयास किया गया है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों की नवाचार क्षमता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सृजनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के मार्गदर्शन में इस प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।दो दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन अर्थात 3 जून को प्रातः 10.30 बजे से बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी तथा दूसरे दिन अर्थात 4 जून को प्रातः 10.30 बजे से विज्ञान एवं गणित विषयों पर एक शैक्षिक परिचर्चा का आयोजन होगा।जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रभारी प्राचार्य अंजन बोरा ने दोनों जिलों के इच्छुक छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अभिभावकों से इन दोनों दिनों के कार्यक्रमों में उपस्थित होकर प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अपना योगदान देने का आग्रह किया है।

मणिपुर में मतदाता सूची-2026 का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू

बिना सुनवाई के किसी भी मतदाता का लिस्ट से नहीं कटेगा नाम : सीईओ

इंफाल, 30 मई (एजें)। भारत के चुनाव आयोग ने मणिपुर में मतदाता सूची, 2026 का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू किया है, जिसमें 1 जुलाई को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। इस अभ्यास का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अयोग्य प्रविष्टियों को बाहर करते हुए सभी पात्र नागरिकों को सूची में शामिल किया जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अरुण कुमार सिन्हा ने शनिवार को मतदाताओं को आश्वासन दिया कि सत्यापन प्रक्रिया के दौरान सुनवाई का अवसर दिए बिना किसी भी मतदाता को नामावली से नहीं हटाया जाएगा। सिन्हा ने कहा, 'चुनाव आयोग निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी मतदाता सूची बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना और सुनवाई का अवसर प्रदान किए बिना किसी भी मतदाता को सूची से नहीं हटाया जाएगा।' राज्यव्यापी पुनरीक्षण के लिए तैयारी का काम पहले ही पूरा हो चुका है, जिसमें चुनाव अधिकारियों का प्रशिक्षण, गणना प्रपत्रों की छपाई और राजनीतिक दलों और चुनाव पदाधिकारियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। अभ्यास के हिस्से के रूप में, 2,956 बूथ स्तर के अधिकारी सभी मौजूदा मतदाताओं को आंशिक रूप से पहले से भरे हुए गणना फॉर्म वितरित करने के लिए घर-घर सर्वेक्षण करेंगे। राज्य के 20,93,076 पंजीकृत मतदाताओं के लिए फॉर्म छपवाये गये हैं. मतदाताओं से अपने विवरण को सत्यापित करने, जहां भी उपलब्ध हो, पिछले एसआईआर रिकॉर्ड से संबंधित जानकारी प्रदान करने और भरे हुए

फॉर्म को अपने संबंधित बीएलओ को वापस करने के लिए कहा गया है। गणना चरण के दौरान कोई सहायक दस्तावेज एकत्र नहीं किए जाएंगे। पारदर्शिता और सार्वजनिक भागीदारी को मजबूत करने के लिए, चुनाव आयोग ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ परामर्श किया है और उनसे बीएलओ के साथ सत्यापन प्रक्रिया में सहायता के लिए बूथ स्तर के एजेंटों को नियुक्त करने का आग्रह किया है। इसी तरह की समन्वय बैठकें जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित की गई हैं। मतदाताओं को रिकॉर्ड ढूंढने और फॉर्म भरने में सहायता के लिए सभी 16 जिलों में हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। मतदाता आयोग के मतदाता पोर्टल और ईसीआईनेट मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंच सकते हैं, जहां वे गणना फॉर्म डाउनलोड, भर और अपलोड कर सकते हैं। पिछले रिकॉर्ड का पता लगाने में असमर्थ मतदाताओं के लिए, मतदाता पोर्टल और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, मणिपुर की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से एक ऑनलाइन खोज सुविधा सक्रिय की गई है। 2005 में किए गए अंतिम गहन पुनरीक्षण से मुद्रित मतदाता सूची भी बूथ स्तर के अधिकारियों के पास उपलब्ध हैं। जहां गणना फॉर्म वापस नहीं किए जाते हैं, बीएलओ यह निर्धारित करने के लिए स्थानीय पूछताछ करेंगे कि क्या निर्वाचक अनुपस्थित है, उसने निवास स्थान बदल लिया है, मृत हो गया है या उसके पास डुप्लिकेट प्रविष्टि है। ऐसे मामलों को सार्वजनिक रूप से निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाएगा और सीईओ की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। मसौदा मतदाता सूची 5 जुलाई, 2026 को प्रकाशित की जाएगी, जिसमें उन सभी मतदाताओं को शामिल किया जाएगा जिनके फॉर्म प्राप्त हो चुके हैं। जो लोग जमा करने की समय सीमा से चूक जाते हैं, वे अभी भी दावों और आपत्तियों के चरण के दौरान फॉर्म 6 दाखिल करके शामिल होने की मांग कर सकते हैं, जो 2 सितंबर तक चलता है।

उग्रवाद विरोधी विशेषज्ञ मुकेश सिंह नये डीजीपी के रूप में पहुंचे मणिपुर

इंफाल, 30 मई (एजें)। मणिपुर के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह शनिवार को इम्फाल पहुंचे और इम्फाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पुलिस अधीक्षक (इम्फाल पश्चिम) शिवकांत सिंह ने उनका स्वागत किया। सिंह ने राजीव सिंह से पदभार संभाला है, जिन्हें केंद्र द्वारा कैबिनेट सचिवालय में सचिव (सुरक्षा) नियुक्त किया गया है। गृह मंत्रालय ने हाल ही में जनहित में तीन साल की अवधि के लिए मणिपुर में मुकेश सिंह की अंतर-कैडर प्रतिनियुक्ति को मंजूरी दे दी है। एजीएमयूटी कैडर के 1996-बैच के आईपीएस अधिकारी, सिंह मणिपुर में अपने स्थानांतरण से पहले लद्दाख के पुलिस महानिदेशक के रूप में कार्यरत थे। अंतर-कैडर प्रतिनियुक्ति, अखिल भारतीय सेवा ढांचे के तहत एक प्रावधान जो एक अधिकारी को एक निर्दिष्ट कार्यकाल के लिए अपने मूल कैडर से दूसरे में स्थानांतरित करने की अनुमति देता है, आमतौर पर असाधारण परिस्थितियों में लागू किया जाता है जहां अनुभवी नेतृत्व को विशिष्ट शासन या सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए आवश्यक माना जाता है। आईआईटी दिल्ली के पूर्व छात्र, जहां उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की, मुकेश सिंह को व्यापक रूप से उग्रवाद विरोधी और आतंकवाद विरोधी अभियानों का विशेषज्ञ माना जाता है। लगभग तीन दशकों की सेवा में, उन्होंने पुलवामा, पुंछ, रियासी और जम्मू सहित जम्मू और कश्मीर के आतंकवाद प्रभावित जिलों में प्रमुख पदों पर कार्य किया है। उन्होंने राष्ट्रीय जांच एजेंसी, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस में वरिष्ठ पदों पर भी काम किया है, और खुफिया-आधारित संचालन, आंतरिक सुरक्षा प्रबंधन और सीमा सुरक्षा में व्यापक अनुभव प्राप्त किया है। सिंह की नियुक्ति मणिपुर के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो मई 2023 में भड़की जातीय हिंसा के सुरक्षा परिणामों से जूझ रहा है। आतंकवाद, उग्रवाद और जटिल कानून-व्यवस्था स्थितियों से निपटने में उनकी पृष्ठभूमि के साथ, उनसे सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करने और प्रयासों का समर्थन करने की उम्मीद है। राज्य में स्थायी शांति और सामान्य स्थिति बहाल करना। उनका आगमन मणिपुर के सुरक्षा प्रशासन में एक नए अध्याय की शुरुआत है क्योंकि अधिकारी सशस्त्र समूहों के खिलाफ अभियान, अवैध रूप से रखे गए हथियारों की बरामदगी और संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में विश्वास-निर्माण के उपायों को आगे बढ़ा रहे हैं।

उग्रवादी हमले के विरोध में मणिपुर में ट्रक सेवाएं ठप, राजमार्गों पर सुरक्षा बढ़ाने की मांग तेज

इंफाल, 30 मई (एजें)। मणिपुर में एक ट्रक चालक की उग्रवादी हमले में मौत के विरोध में शनिवार को सैकड़ों ट्रक चालकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-37 (इंफाल-जिरीबाम मार्ग) पर परिवहन सेवाएं ठप कर दीं। प्रदर्शनकारी चालकों ने राज्य के प्रमुख राजमार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और व्यावसायिक वाहनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने की मांग की। यह विरोध प्रदर्शन 29 मई को इंफाल-उखरूल मार्ग के टीएम कासोम क्षेत्र में हुए सशस्त्र हमले के बाद शुरू हुआ, जिसमें पश्चिम बंगाल के एक ट्रक चालक की मौत हो गई थी। घटना के बाद परिवहन क्षेत्र से जुड़े कर्मियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।आंदोलन के तहत एलपीजी बुलेट टैंकरों, तेल टैंकरों और मालवाहक ट्रकों सहित करीब 400 वाहन केइथेलमानबी क्षेत्र में खड़े रहे। इस दौरान चालक मृतक को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए और संवेदनशील मार्गों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की मांग उठाई।प्रदर्शनकारियों ने व्यावसायिक वाहनों और परिवहन कर्मियों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू करने के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग-102 (इंफाल-डिमापुर मार्ग) को पूरी तरह खोलने की मांग भी की। ट्रक चालक संगठनों का कहना है कि यह राजमार्ग राज्य की आपूर्ति व्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इसके सुचारु संचालन से परिवहन व्यवस्था को राहत मिलेगी।ट्रक चालक संगठनों के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि जब तक सुरक्षा के पर्याप्त उपाय लागू नहीं किए जाते और एनएच-102 पर सामान्य आवागमन बहाल नहीं होता, तब तक परिवहन सेवाएं बंद रहेंगी।परिवहन सेवाओं के ठप होने से राज्य में ईंधन, खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

सर्किल आफिसर से सीएम विजिलेंस की पूछताछ

इटानगर, 30 मई (एजें)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए आवंटित सरकारी धन के कथित गबन के मामले में पदोवनत सर्किल आफिसर संगीता बरठाकुर से मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ (सीएम विजिलेंस) ने शनिवार को पूछताछ की। आरोप है कि कामपुर में चक्र अधिकारी के रूप में कार्यरत रहने के दौरान संगीता बरठाकुर ने चुनावी कार्यों के लिए जारी सरकारी धन का दुरुपयोग किया था। यह राशि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के आयोजन हेतु उपलब्ध कराई गई थी। मामले को लेकर वर्ष 2025 में एक पीड़ित ने कामपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

गुवाहाटी रिफाइनरी में पौध रोपण अभियान

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। विश्व पर्यावरण दिवस को ध्यान में रखते हुए आज गुवाहाटी रिफाइनरी ने दस हजार पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी अभियान शुरू किया। विश्व पर्यावरण दिवस के एक हिस्से के रुप में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की गुवाहाटी रिफाइनरी ने आज अलग-अलग जगहों पर दस हजार पौधे लगाने के लक्ष्य के साथ एक महत्वाकांक्षी वृक्षारोपण अभियान शुरू किया है। इस पहल की औपचारिक शुरुआत आज नूनमाटी में एक हजार फलदार और देसी पौधे लगाकर की गयी । स्थानीय जैव विविधता को बढ़ाने और पक्षियों, बंदरों तथा अन्य वन्यजीवों के लिए एक स्थायी आवास बनाने के उद्देश्य से कई तरह के देसी फलदार पौधे लगाये गये। इस वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन सुनील कांति, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख ने किया। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि इंडियन ऑयल एक ज़िम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के तौर पर हमेशा से पर्यावरण संरक्षण की पहलों, खासकर वृक्षारोपण कार्यक्रमों में सबसे आगे रहा है । इस कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया, जो पर्यावरण की स्थिरता और पारिस्थिति की संरक्षण के प्रति इंडियन ऑयल समुदाय की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

त्रिपुरा को बाढ़ राहत के लिए केंद्र से मिली 75.6 करोड़ की पहली किस्त

अगरतला, 26 मई (एजें)। केंद्र सरकार ने अगस्त 2024 में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद त्रिपुरा के लिए मंजूर 252 करोड़ रुपये के रिकवरी और पुनर्निर्माण पैकेज की पहली किस्त के रूप में 75.60 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाढ़ से राज्य में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और आजीविका को व्यापक नुकसान पहुंचा था। सीएम ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि राज्य सरकार ने व्यापक पोस्ट डिजास्टर नीड्स असेसमेंट के बाद केंद्र को विस्तृत ज्ञापन सौंपा था और रिकवरी व पुनर्निर्माण के लिए मदद मांगी थी। साहा ने कहा, केंद्र ने अब त्रिपुरा में पुनर्निर्माण और पुनर्वास कार्यों के लिए 252 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। उनके मुताबिक, नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फंड के तहत 75.60 करोड़ रुपये की पहली किस्त 26 मई, 2026 को जारी की गई। मुख्यमंत्री ने संकट के समय राज्य को मदद देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया। अगस्त 2024 की बाढ़ से त्रिपुरा के कई जिले प्रभावित हुए थे। सड़कों, तटबंधों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और हजारों घरों को नुकसान पहुंचा था।

अनस्टॉपेबल 2.0 में ब्रेस्ट कैंसर सर्वाइवर्स को किया सम्मानित

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं)। महिला कैंसर सर्वाइवर्स के साहस और जज्बे को सलाम करने के लिए गुवाहाटी के अनिया एडिशन में 200 से अधिक लोग एक मंच पर जुटे। अनस्टॉपेबल 2.0 बोल्ड, ब्रेव, ब्यूटीफुल कार्यक्रम का आयोजन अनस्टॉपेबल वेलफेयर ट्रस्ट और इल्यूमिस एस्थेटिक प्राइवेट लिमिटेड ने किया। कार्यक्रम को डॉ. रीमा दास मलिक और नबीश आलम ने प्रस्तुत किया। यह शाम जागरूकता, सशक्तिकरण, उपचार और उत्सव का प्रतीक बनी। कार्यक्रम में ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता पर पैनल चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने कैंसर से जुड़े मिथकों, समय पर पहचान के महत्व, भावनात्मक उपचार और इलाज में नई तकनीकों पर विस्तार से बात की। इस सत्र ने लोगों को सर्वाइवर्स को सहानुभूति नहीं, बल्कि शक्ति और गरिमा के नजरिए से देखने के लिए प्रेरित किया। शाम का सबसे भावुक पल 20 से अधिक महिला कैंसर सर्वाइवर्स का सम्मान समारोह रहा। डॉ. उर्मिमाला महंत बरुवा, कादंबरी काश्यप, जूरी गोस्वामी, डॉ. अंजना गोस्वामी, डॉ. बिजू चौधरी, वर्षाश्री दास और रितिका लिम्बू समेत कई सर्वाइवर्स की कहानियों ने सभी को भावुक कर दिया। उनकी मौजूदगी ने कार्यक्रम को उम्मीद और हौसले के आंदोलन में बदल दिया। प्रसिद्ध असमिया अभिनेत्री बरषाराणी बिशया ने कार्यक्रम का संचालन किया। उनकी आत्मीयता ने आयोजन की गरिमा बढ़ा दी। आयोजकों ने कहा, अनस्टॉपेबल सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, उपचार, जागरूकता और भावनात्मक सहयोग पर संवाद बढ़ाने का निरंतर अभियान है। यह कैंसर सर्वाइवर्स के अटूट साहस को सम्मान देने का जरिया है।

पार्सल स्थान हेतु ई-नीलाम लीजिंग

अलीपुरद्वार मंडल के अंतर्गत विभिन्न ट्रेनों के एसएलआर [illegible] हेतु ई-नीलाम। विवरण: [illegible]

आक्सन कैटलॉग संख्या. C-AP-PCL-LEASE

एसईक्यू सं.	एसओटी संख्या/श्रेणी	ट्रिप्स
49/1	15183 [illegible]	1096
49/2	[illegible]	1096
49/3	15756 [illegible]	1096
एस/4	15733-एसएलआर-आर-[illegible]	1096
एस/5	15417-[illegible]	469
एस/6	13142-[illegible]	1096

नीलाम प्रारंभ होने की तारीख एवं समय. 08-06-2026 तारीख के 11.00 घंटे में एवं बंद होगी: 12.20 घंटे में

आक्सन कैटलॉग संख्या. C-AP-PCL-LEASE

एसईक्यू सं.	एसओटी संख्या/श्रेणी	ट्रिप्स
एस/1	15146-एसएलआर-[illegible]-26-1 (पार्सल-एसएलआर)	1096

नीलाम प्रारंभ होने की तारीख एवं समय 09-06-2026 तारीख के 11.00 घंटे में एवं बंद होगी: 11.30 घंटे में। [illegible]

नोट: विस्तृत जानकारी के लिए [illegible] वेबसाइट www.ireps.gov.in में ई-नीलाम लीजिंग [illegible]

मंडल रेलवे प्रबंधक (वी), अलीपुरद्वार जंक्शन

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

जेसीआई गुवाहाटी हुनर ने मनाया दसवां स्थापना दिवस

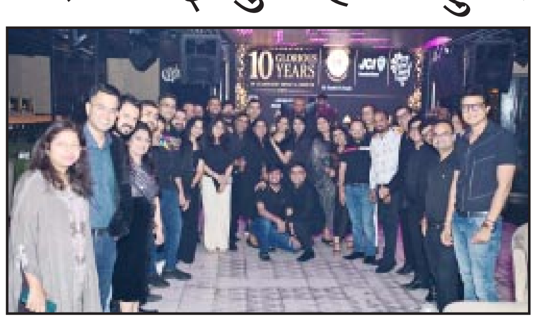

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। युवा नेतृत्व, समाज सेवा एवं व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र में सक्रिय संगठन जेसीआई हुनर ने अपने स्थापना के 10 गौरवशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जीएस रोड स्थित एक होटल में समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम उत्साह, गरिमा और भावनाओं से परिपूर्ण रहा, जिसमें संगठन की दस वर्षों की सफल यात्रा का उत्सव मनाया गया। समारोह में पिछले एक दशक के सभी सलाहकारों, अध्यक्षों, सचिवों एवं कोषाध्यक्षों की विशेष उपस्थिति रही। पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारियों तथा सदस्यों ने एक साथ मिलकर संगठन की उपलब्धियों को याद किया और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम की थीम एक साथ एक राह रही, जिसने संगठन की एकता, नेतृत्व क्षमता और पारिवारिक भावना को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। आकर्षक सजावट, मधुर संगीत, मनोरंजक गतिविधियों तथा स्वादिष्ट व्यंजनों ने आयोजन को और भी यादगार बना दिया। समारोह का मुख्य आकर्षण 10वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य केक कटिंग समारोह रहा। इस अवसर पर सभी पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारियों ने एक साथ केक काटकर संस्था की उपलब्धियों का जश्न मनाया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, खुशी और गर्व का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में संस्था के सभी पूर्व अध्यक्षों, पूर्व सचिवों एवं पूर्व कोषाध्यक्षों को उनके अमूल्य योगदान और समर्पण के लिए टोकन ऑफ लव प्रदान कर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन ने संगठन की सफलता की मजबूत नींव तैयार की है। पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले दस वर्षों में संस्था ने समाज सेवा, युवा सशक्तिकरण, नेतृत्व विकास तथा विभिन्न सामाजिक परियोजनाओं के माध्यम से समाज में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उपस्थित सदस्यों ने इस अवसर को प्रेरणादायक, यादगार और गर्व का क्षण बताया। समारोह के अंत में सभी सदस्यों ने संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। यह आयोजन केवल दस वर्षों की उपलब्धियों का उत्सव नहीं बल्कि उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ते संगठन के आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता का भी प्रतीक बनकर उभरा।

लायंस गुवाहाटी अर्पण ने जरूरतमदों को कराया भोजन

गुवाहाटी, 30 मई (ख.सं.)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी अर्पण ने फीड द हंगर एक आहार दिल से कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकमास में शराबभट्टी शीतला मंदिर और विष्णुपुर स्थित हाउस नंबर 30 के सम्मुख दो अलग-अलग दिन लोगों को भोजन कराया। इस कार्यक्रम में ममता सिकरिया, रितू सिकरिया, वंदना बगड़िया, साधना छावछरिया, सीता गोयनका, कुसम गोयल, माया अग्रवाल मौजूद थी। जनसंपर्क अधिकारी रेणु गग्गड़ ने जानकारी दी कि लगभग दोनो स्थानों पर मिलाकर 400 लोगों ने आहार लाभ प्राप्त किया। साथ ही भिन्न भिन्न स्थानों पर गाय को भी आहार प्रदान किया।

तिनसुकिया मंडल में स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट (एसटीबीए)

सूचना संख्या - C/STBA/Tender/02/2026 दिनांक -- 27-05-2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए और हेतु, मंडल वाणिज्य प्रबंधक (प्रभारी), पू. सी. रेल, तिनसुकिया ने नीचे उल्लिखित एनएसजी-6 और एनएसजी-5 श्रेणी के स्टेशनों के लिए 03 (तीन) वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर "स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट" (एसटीबीए) की नियुक्ति हेतु निर्धारित प्रारूप (अनुलग्नक-ए) में आवेदन आमंत्रित की जाती है.

स्थानों के साथ कार्य का नाम : स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट (एसटीबीए) हेतु कुल 09 (नौ) संख्या में, अर्थात् एनएसजी-6 (07 स्टेशन) जिनमें **पानीतोला, डिब्रुक, खराहल, भालुकमारा, कमारबन्धा आलि, लायमेकुरी, लीलाबाड़ी** तथा **एनएसजी-5 (02 स्टेशन)** जिनमें तेलेम और गोगामुख शामिल हैं।

आवेदन जमा करने की तिथि एवं कार्यालय समय **01.06.2026** को **12.00** बजे से किसी भी कार्य दिवस अर्थात सोमवार से शुक्रवार तक, मंडल वाणिज्य प्रबंधक (प्रभारी), तिनसुकिया के कार्यालय में रखे सीलबंद बॉक्स में। **आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 01.07.2026** (बुधवार) को **15.00** बजे तक, मंडल वाणिज्य प्रबंधक (प्रभारी), तिनसुकिया के कार्यालय में रखे सीलबंद बॉक्स में। **आवेदन बॉक्स खोलने की तिथि: 02.07.2026** (गुरुवार) को **11.00** बजे, मंडल वाणिज्य प्रबंधक (प्रभारी), तिनसुकिया के कार्यालय में।

आवेदन के साथ जमा की जाने वाली अग्रिम राशि: एनएसजी-**06** श्रेणी स्टेशन हेतु - ₹ 2000.00 (केवल दो हजार रुपये) डिमांड ड्राफ्ट के रूप में, जो एफए और सीएओ, एन.एफ. रेलवे, मालीगांव के पक्ष में देय होगा। एनएसजी-**05** श्रेणी स्टेशन हेतु - ₹ 5000.00 (केवल पांच हजार रुपये) डिमांड ड्राफ्ट के रूप में, जो एफए और सीएओ, एन.एफ. रेलवे, मालीगांव के पक्ष में देय होगा।

अनुबंध को अंतिम रूप दिए जाने पर जमा की जाने वाली सुरक्षा राशि: **एनएसजी-06** श्रेणी के स्टेशन के लिए - ₹ 10000.00 (दस हजार रुपये) मात्र, जिसे सफल आवेदक द्वारा एफए एंड सीएओ, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे, मालीगांव के पक्ष में मनी रसीद के रूप में जमा करनी होगी। **एनएसजी-05** श्रेणी के स्टेशन के लिए - ₹ 25000.00 (पच्चीस हजार रुपये) मात्र, जिसे सफल आवेदक द्वारा एफए एंड सीएओ, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे, मालीगांव के पक्ष में मनी रसीद के रूप में जमा करनी होगी।

नोट:- यदि आवेदन जमा करने अथवा बॉक्स खोलने की तिथि अवकाश, बंद या किसी अप्रत्याशित कारणवश प्रभावित होती है, तो आवेदन जमा करने/बॉक्स खोलने की प्रक्रिया उपर्युक्त समय एवं स्थान के अनुसार अगले कार्य दिवस में की जाएगी।

आवश्यक दस्तावेज/आवेदन पत्र पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे की वेबसाइट **www.nfr.indianrailways.gov.in** पर भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

मंडल वाणिज्य प्रबंधक (प्रभारी), तिनसुकिया

पूर्वोत्तर सीमा रेल

यात्रियों की सेवा में मुस्कान के साथ

मेघालय में बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास संपन्न, उग्रवाद से निपटने पर जोर

शिलांग, 30 मई (एजें)। मेघालय के उमरोई में पहले बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास प्रगति 2026 में 13 देशों की सेनाएं एक साथ शामिल हुईं। शनिवार को समाप्त हुए इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य उग्रवाद-रोधी अभियानों में सहयोग बढ़ाना और हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के बीच आपसी विश्वास को मजबूत करना था।अधिकारियों ने बताया कि दो सप्ताह तक चले इस अभ्यास में भारत, भूटान, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, मालदीव, म्यांमा, नेपाल, फिलीपीन, सेशेल्स, श्रीलंका और वियतनाम के 400 से अधिक सैनिकों ने भाग लिया, जिनमें लगभग 20 महिलाएं भी शामिल थीं। सैनिकों ने हेलीकॉप्टरों से रस्सी के सहारे उतरने, मार्गों पर आईईडी (विस्फोटक उपकरण) की पहचान करने और चट्टानी दीवारों से नीचे उतरने जैसे अभ्यास किए।इस अभ्यास के दौरान आधुनिक और विशेष तकनीकों को सैन्य अभियानों में शामिल करने तथा उनके प्रभाव को रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं (टीटीपी) में समाहित करने पर विस्तृत चर्चा की गई।कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक ब्रिगेडियर मयूर शेकटकर ने कहा, मेघालय के उमरोई के शांत वातावरण में प्रगति एक विशाल अभ्यास था। इसमें रॉक क्राफ्ट, विशेष हेलीबोर्न ऑपरेशन और सामरिक परिस्थितियों से जुड़े विभिन्न विशेष अभ्यास किए गए।अभ्यास के निदेशक कर्नल संदीप पुनिया ने बताया कि प्रगति का अर्थ है पार्टनरशिप ऑफ रीजनल आर्मीज फॉर ग्रोथ एंड ट्रांसफॉर्मेशन इन द इंडियन ओशन रीजन।उन्होंने कहा, इसका उद्देश्य मित्र देशों के बीच समन्वय, परस्पर संचालन क्षमता और आपसी विश्वास को बढ़ाना है। पिछले दो सप्ताह तक हमने साथ प्रशिक्षण लिया, जिसमें अर्ध-पहाड़ी और जंगल क्षेत्रों में उग्रवाद-रोधी अभियानों पर विशेष ध्यान दिया गया।ब्रिगेडियर शेकटकर ने कहा कि इस अभ्यास ने भाग लेने वाले देशों के बीच मित्रता और सौहार्द बढ़ाने का मंच प्रदान किया और सैनिक खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से एक-दूसरे के और करीब आए। उन्होंने कहा कि उन्हें योग के माध्यम से मानसिक शांति का अनुभव करने का अवसर भी मिला।कर्नल पुनिया ने बताया कि अत्याधुनिक और विशिष्ट तकनीकों को सैन्य अभियानों में शामिल करने तथा उनके प्रभावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।इस अभ्यास ने इंजीनियरिंग क्षेत्र में भी श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करने का अवसर प्रदान किया।इसमें भाग लेने वाले देशों ने इस तरह के अभ्यास के आयोजन के लिए भारतीय सेना का आभार व्यक्त किया।रॉयल भूटान आर्मी के लेफ्टिनेंट कर्नल सांगाय जांत्शो ने कहा, हम भारतीय सेना को इस अभ्यास के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद देते हैं। इससे हमें अन्य देशों के सैनिकों के साथ संवाद करने, सीखने और उग्रवाद-रोधी अभियानों के अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिला।उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के साथ मिलकर काम करने का यह एक महत्वपूर्ण अनुभव रहा।सेशेल्स के लेफ्टिनेंट कर्नल लुईस अगाथिन ने भारत और सेशेल्स के ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे अभ्यास हिंद महासागर क्षेत्र में मित्रता को और मजबूत करेंगे।उन्होंने कहा, हम विचारों का आदान-प्रदान करके खुश हैं और हमने यहां जो कुछ सीखा है, हम उसे अपने देश में लागू करेंगे।उनकी बातों से सहमति जताते हुए फिलीपीन की स्टाफ सार्जेंट मैरी सिमोंगो ने कहा, हम इस अभ्यास के लिए भारतीय सेना का हार्दिक धन्यवाद करते हैं। हमें यहां से बहुमूल्य ज्ञान और नए विचार मिले हैं, जिन्हें हम अपने देश लेकर जाएंगे।

फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स के अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक निहितार्थ

लचीली भूराजनीति यानी फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स का जन्मदाता भारत की देखा-देखी अब पूरी दुनिया में इसका प्रचलन बढ़ रहा है। इसे मोदी डॉक्ट्रिन कहना ज्यादा उचित होगा, जो गुटनिरपेक्षता का हाइब्रिड पालिसी संस्करण है। आम कहानी वाली भाषा में कहें तो खुल जा सिमसिम और बंद हो जा सिमसिम वाली वैश्विक कूटनीति ही अब लचीली भूराजनीतिक बन चुकी है।

दरअसल, फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स यानी लचीली भूराजनीति का अर्थ ऐसी अवसरवादी विदेश नीति से है, जिसमें देश अपने हित के अनुसार कभी दोस्ती का दरवाजा खोलते हैं और कभी तुरंत बंद कर लेते हैं। आज की दुनिया में यही फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स तेजी से बढ़ रही है।

जिसके सफल उपयोगकर्ता टीम पीएम मोदी हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ भारत जैसे उन देशों को होता है, जो आर्थिक रूप से शक्तिशाली हों, तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर हों, सैन्य रूप से सक्षम हों, और बहुध्रुवीय दुनिया में संतुलन साधना जानते हों। यही वजह है कि भारत इसे अपनाकर दुनिया के शीर्षस्थ देशों की कतार में शामिल होने की दिशा में बढ़ता जा रहा है।

सवाल है कि आखिर इससे किसका भला होगा? तो इसके कई जवाब होंगे, जिनमें पहला है महाशक्तियों का सबसे अधिक लाभ : संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और आंशिक रूप से रूस-भारत जैसी शक्तियाँ इस नीति से सबसे अधिक फायदा उठाती हैं। पूर्वक सवाल है क्यों? तो सीधा सा जवाब है कि वे परिस्थितियों के अनुसार गठबंधन बदल सकती हैं। आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और तकनीकी नियंत्रण का इस्तेमाल कर सकती हैं। मित्र और प्रतिद्वंद्वी दोनों से व्यापार जारी रख सकती हैं। उदाहरण : अमेरिका, चीन से प्रतिस्पर्धा भी करता है और व्यापार भी। चीन रूस का साझेदार है लेकिन पश्चिमी बाजार भी नहीं छोड़ना चाहता। वहीं, रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद एशियाई देशों से संबंध मजबूत कर रहा है।

दूसरा, मध्यम शक्तियों का भी फायदा: भारत, तुर्किये, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देश मल्टी-अलाइनमेंट नीति से लाभ उठा रहे हैं। भारत इसका बड़ा उदाहरण है, जो क्वाड में भी है, ब्रिक्स में भी, रूस से रक्षा सहयोग भी रखता है, और अमेरिका से तकनीकी साझेदारी भी बढ़ाता है। इससे रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहती है, निवेश कई दिशाओं से आता है, और वैश्विक मंचों पर प्रभाव बढ़ता है।

तीसरा, कॉर्पोरेट और टेक कंपनियों को बड़ा लाभ: एप्पल, टेस्ला, माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक कंपनियाँ देशों की प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाती हैं। क्योंकि देश उन्हें निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स छूट देते हैं, सप्लाई चेन अपने यहां लाने की कोशिश करते हैं, और टेक्नोलॉजी कंपनियों को रणनीतिक साझेदार मानते हैं।

सवाल है कि ऐसी मतलबी कूटनीति से नुकसान किसका? तो जवाब होगा कि-

पहला, छोटे और कमजोर देशों का: अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और छोटे एशियाई देशों पर दबाव बढ़ता है कि वे किसी एक खेमे का समर्थन करें। वे कर्ज जाल, प्रतिबंध, राजनीतिक दबाव, और सामरिक प्रतिस्पर्धा के बीच फंस जाते हैं।

दूसरा, वैश्विक स्थिरता का : ऐसी कूटनीति में भरोसा कम होता है। देश स्थायी मित्र नहीं बल्कि तात्कालिक हित देखते हैं। इससे युद्धों की आशंका बढ़ती है, व्यापारिक तनाव बढ़ता है, और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं कमजोर पड़ती हैं।

भारत के लिए क्या संदेश?

वहीं, भारत के लिए यह दौर अवसर भी है और चुनौती भी। यदि भारत नवाचार, निर्माण, रक्षा आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा, और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है, तो वह इस बदलती दुनिया में संतुलनकारी शक्ति बन सकता है। लेकिन यदि आर्थिक और तकनीकी शक्ति पर्याप्त न हो, तो ऐसी खुल जा सिमसिम कूटनीति में बड़े देश छोटे देशों को केवल रणनीतिक मोहरे की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

निष्कर्षत: यह कहा जा सकता है कि इस प्रकार की वैश्विक कूटनीति का सबसे बड़ा लाभ उन्हीं देशों और कंपनियों को मिलेगा जिनके पास शक्ति, पूंजी, तकनीक और विकल्प हैं। जबकि कमजोर देशों के लिए यह अनिश्चितता, दबाव और निर्भरता का नया युग भी बन सकता है।

- कमलेश पांडे

पत्रकारिता का सर्वकालिक कर्मपथ प्रदर्शक उदन्त मार्तंड

विजय श्रीधर

हिंदी पत्रकारिता बिरादरी के लिए आज गर्व और गौरव का दिन है। यह दो सौ साल का कालखंड हमारे पूर्वजों के अदम्य साहस, संघर्ष, सामाजिक बदलावों की प्रतिबद्धता और स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान का गवाह है। नयी पीढ़ी की पत्रकार बिरादरी के लिए यह आत्ममंथन का समय भी है ताकि आने वाली चुनौतियों का मुकाबला किया जा सके। आज से दो सौ साल पहले 30 मई, 1826 को पं. युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से उदन्त मार्तण्ड यानी समाचार-सूर्य शुरू किया था। वही हिन्दी का पहला समाचारपत्र था। इसी दिन को हर साल हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाते हैं। आज 30 मई, 2026 को 200 साल पूरे हो रहे हैं।

इस समाचार पत्र की आदि प्रतिज्ञा में सर्वकालिक पत्रकारिता का लक्ष्य निहित है। जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उदन्त मार्तण्ड के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था हिन्दुस्तानियों के हित के हेत...! इस प्रतिज्ञा का गहरे निहितार्थ यही है कि वक्त बदले पर पत्रकारिता का कर्म-पथ यही रहेगा।

निश्चिय ही यदि पत्रकारिता के इतिहास का प्रामाणिक शोधन न होता तो उदन्त मार्तण्ड गुमनामी के कालखंड में ही रह जाता। साल 1931 तक बनारस अखबार 1845 को ही हिंदी का पहला पत्र माना जाता था। इतिहास के शोधन के क्रम में ब्रजेंद्र नाथ बंद्योपाध्याय को राजा राधाकांत देव के पुस्तकालय में उदन्त मार्तण्ड की फाइल मिली। इससे प्रमाणित हुआ कि 30 मई, 1826 का उदन्त मार्तण्ड ही पहला हिंदी पत्र है। बनारसी दास चतुर्वेदी ने विशाल भारत 1931 में यह शोध छापा और तब ही देश की पत्रकार बिरादरी को इस महत्वपूर्ण तथ्य का पता चला।

जैसा कि हमारे पूर्वज निजी प्रचार से दूर रहते थे, वैसे ही ऋषिकर्म करने वाले पं. युगलकिशोर जी का कोई फोटो इस समाचार-पत्र के दस्तावेजों में नहीं मिला। इतिहास शोधन में भी पं. युगलकिशोर शुक्ल का कोई चित्र नहीं मिला है। केवल अंग्रेजी में उनका हस्ताक्षर मिला है। पर गूगल ने उनके स्थान पर आचार्य शिवपूजन सहाय का चित्र लगा रखा है।

पं. युगलकिशोर शुक्ल के प्रथम प्रयास में भी प्रतिरोध के स्वर नजर आए। निस्संदेह, हिंदी पत्रकारिता मूलतः प्रतिरोध की पत्रकारिता रही है। 14 मार्च, 1878 को लार्ड लिटन ने वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट लाते समय मालवा अखबार और बांग्ला पत्रों का हवाला दिया। लिटन ने कहा हर एक दरबार में और मध्यभारत के हर एक बाजार में समाचार पढ़ा जाता है।

इसी क्रम में जनवरी, 1900 में सरस्वती और छत्तीसगढ़ मित्र का प्रकाशन हुआ। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने भाषा, साहित्य और पत्रकारिता को संस्कारित किया। माधवराव सप्रे को हिंदी नवजागरण का पुरोधा माना जाता है। माखनलाल चतुर्वेदी ने कहा कि आज की हिंदी भाषा का तेज द्विवेदी जी और सप्रे जी का दिया हुआ है। हमारे पूर्वजों में सच को सामने लाने का जज्बा था। इसके लिए वे सब कुछ दांव पर लगाने को तत्पर रहते थे। खोजी पत्रकारिता आपातकाल के बाद नहीं, पहले से थी। प्रताप के 1915-16 के अंकों में निलहे गोरों के अत्याचार की रिपोर्ट छपी। मुंशीगंज और रायबरेली कांड की रिपोर्ट भी प्रताप में छपी। कर्मवीर संपादक माखनलाल चतुर्वेदी खुद घटनास्थल पर गये थे। सार्थक परिभाषा : जिसे छापने से रोका जाए, वही खबर है। बाकी सब प्रचार है।

ऐसा नहीं था कि हिंदी पत्रकारिता सिर्फ स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान तक ही सक्रिय रही। हिंदी पत्रकारिता ने सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वास, कूप-मंडूकता के खिलाफ भी बिगुल बजाया। प्रताप 9-11-1913 में गणेश शंकर विद्यार्थी ने लिखा कि हम प्राचीन सभ्यता की प्रशंसा करेंगे पर सामाजिक कुरीतियों को भी उजागर करेंगे, क्योंकि मिथ्याभिमान जातियों के सर्वनाश का कारण होता है। विद्यार्थी जी मानते थे कि पत्रकार की समाज के प्रति जिम्मेदारी है। वह प्रमाण और परिणाम का विचार रखकर लिखे और अपनी गति-मति में सदैव शुद्ध रहे।

कालांतर हिंदी के प्रबुद्ध संपादकों ने हिंदी की शब्द संपदा को समृद्ध किया। वर्ष 1920 में आज दैनिक शुरू हुआ। संपादक बाबूराव विष्णु पराडकर ने हिंदी पत्रकारिता का मानक रूप तय किया। वर्तनी की एकरूपता, अंग्रेजी शब्दों के लिए हिंदी शब्द गढ़े : मिस्टर-श्री, मिसेज-श्रीमती, ब्लैकआउट-अंधकूप, इंटरनेशनल-अंतर्राष्ट्रीय, डेमोक्रेसी-लोकतंत्र, प्राइम मिनिस्टर-प्रधानमंत्री आदि।

भारतीय चिंतन में आध्यात्मिक धारा की प्रबलता के चलते कालांतर आध्यात्मिक पत्रकारिता का भी विस्तार हुआ। अक्तूबर, 1926 में गीता प्रेस से कल्याण का प्रकाशन आरंभ हुआ। सही मायनों में संपादक हनुमान प्रसाद पोद्दार ने आध्यात्मिक पत्रकारिता का मानक रचा। कल्याण के दो नियम आज भी प्रासंगिक हैं। पहला प्रतिमाह निश्चित तिथि को प्रकाशन हो और दूसरा, अंक में अशुद्धि हो तो उसी अंक में शुद्धिपत्र का प्रकाशन किया जाए।

हमारे पूर्वजों ने पत्रकारिता के ऊंचे मूल्यों व गरिमा के लिए दायित्वों का भी उल्लेख किया। वर्ष 1927 में माखनलाल चतुर्वेदी ने कहा कि समाचारपत्र बड़ी ताकत हैं तो उनके सिर जोखिम भी कम नहीं। पर्वत की जो शिखरें हिम से चमकती हैं, उन्हें ऊंची होना पड़ता है।

निश्चित रूप से नीर-क्षीर विवेक पत्रकारिता का अपरिहार्य गुण माना जाता है। समालोचक पत्रिका के मुख्य पृष्ठ पर श्लोक छपता था नीर-क्षीर विवेके हंसा।ल़स्यं त्वमेव तनुषे चेत्। विश्वस्मिन्धुना।न्य: कुलव्रतं पालयिष्यतिकः अर्थ : हे हंस! जल-दूध अलग करने में यदि तू आलस्य करेगा तो संसार में कुलव्रत कौन निभाएगा?

जनाकांक्षाओं से जुड़ी किसी भी खबर को समाचार पत्र में पर्याप्त स्थान दिया जाना जरूरी होता है। वर्ष 1942 की दिवाली को जयप्रकाश नारायण हजारीबाग जेल से निकल भागे। प्रेस नोट में उनका नाम था पर ज्यादातर पत्रों ने सिंगल कॉलम में छोटी खबर छापी। विश्वमित्र के संपादक सत्यदेव विद्यालंकार ने पहले पेज पर मुख्य बैनर बनाया जयप्रकाश नारायण हजारीबाग जेल से भाग निकले! हिंदी पत्रकारिता की परंपरा में लोकचेतना का भरपूर विकास भी हुआ। हिंदी पत्रकारिता ने दो बड़े काम किएपहला, देश-दुनिया में दिलचस्पी लेने वाला एक बड़ा पाठक वर्ग तैयार किया। दूसरा भारतीय भाषाओं को साफ-सुथरी गद्य परंपरा दी। तब साहित्य और पत्रकारिता की सीमाएं मिली-जुली थीं। भाषा की कसौटी को लेकर भवानीप्रसाद मिश्र जी की टिप्पणी सारगर्भित व मार्गदर्शक है। मिश्र जी ने लिखा जिस तरह हम बोलते हैं, उस तरह तू लिख, और इसके बाद भी हमसे बड़ा तू दिख।

यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि हिंदी पत्रकारिता के विकास में हिंदीतर भाषी मनीषियों का महत्वपूर्ण अवदान रहा है। स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, माधवराव सप्रे, बंकिमचंद्र चटर्जी, अमृतलाल चक्रवर्ती जैसे गैर-हिंदी भाषियों का हिंदी पत्रकारिता में बड़ा योगदान है।

देश के जनमानस को सत्य व तथ्य से अवगत कराने के लिए पत्रकारों ने बड़ी कीमत भी चुकाई। प्रत्यक्ष और परोक्ष तौर पर आपातकाल और सेंसरशिप का डटकर मुकाबला किया। देश में 25/26 जून, 1975 की रात आपातकाल लगा। इंदौर की नई दुनिया, कानपुर के दैनिक जागरण, इंडियन एक्सप्रेस ने संपादकीय खाली छोड़ दिया। काशी के गांडीव ने पहले पेज पर 108 बार प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की जय लिखा। नीचे संपादक डॉ. भगवानदास अरोड़ा का नाम था। पुलिस ने धमकी दी। संपादक जी पूरे 19 माह जेल में रहे। हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पूरे होने के मौके पर जनसरोकारों के लिए अपना सर्वस्व अपर्ति करने वाले तमाम कलमकारों का सादर स्मरण।

अपनी शताब्दी से अनजान थी हिंदी पत्रकारिता

कृपा शंकर चौबे

हिंदी पत्रकारिता की द्विशतवार्षिकी मनायी जा रही है। इसके पहले 1976 में उसकी सार्ध शतवार्षिकी मनायी गयी थी। किंतु सौ साल पहले 1926 में हिंदी पत्रकारिता की शताब्दी नहीं मनायी जा सकी थी। इसका कारण यह है कि जनवरी, 1931 तक यह माना जाता रहा कि हिंदी पत्रकारिता का जन्म 1845 ई. में हुआ। बाबू राधाकृष्ण दास ने 1894 में नागरी प्रचारिणी सभा से प्रकाशित अपनी पुस्तक हिंदी भाषा के सामयिक पत्रों का इतिहास में 1845 में निकले बनारस अखबार को हिंदी का पहला समाचार पत्र बताया था, जिसके संचालक राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद और संपादक गोविंद रघुनाथ थत्ते थे। बाबू राधाकृष्ण दास की किताब हिंदी भाषा के सामयिक पत्रों का इतिहास को आधार मानते हुए बाल मुकुंद गुप्त ने भी संवाद पत्रों का इतिहास : हिंदी अखबार शीर्षक अपने निबंध में बनारस अखबार को ही हिंदी का पहला अखबार लिखा। भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता के गंभीर अध्येता ब्रजेंद्रनाथ बनर्जी ने बाबू राधाकृष्ण दास और बाल मुकुंद गुप्त के लेखन का हवाला देते हुए विशाल भारत के फरवरी, 1931 के अंक में हिंदी का प्रथम समाचार पत्र शीर्षक खोजपरक आलेख में लिखा, हिंदी का प्रथम समाचार पत्र 30 मई, 1826 को युगलकिशोर शुक्ल द्वारा कलकत्ता के कोल्हू टोला के आमड़ातला की 37 नंबर गली से प्रकाशित उदन्त मार्त्तण्ड है। ब्रजेंद्रनाथ बनर्जी ने विशाल भारत के मार्च, 1931 के अंक में हिंदी का प्रथम समाचार पत्र शीर्षक लेख की दूसरी किस्त में उदन्त मार्तण्ड के कुछ उद्धरण दिये, जिससे उस समय की पत्रकार कला और भाषा का पता चलता है। ब्रजेंद्रनाथ बनर्जी ने इस लेख में बताया कि उदन्त मार्तण्ड के प्रथम पृष्ठ पर अखबार के नाम के नीचे छोटे अक्षरों में लिखा होता था अर्थात् फिर उसके नीचे संस्कृत में लिखा रहता था -

दिवाकान्त कान्ति विनाध्वान्तमन्तं न चाप्लोति तद्वज्जगत्यज्ञ लोकः।
समाचार सेवामृते ज्ञत्वमाप्तुं न शक्नोति तस्मात् करोमीति यत्नं

संस्कृत के इस श्लोक का अर्थ है सूर्य के प्रकाश के बिना जिस तरह अंधेरा नहीं मिटता, उसी तरह समाचार सेवा के बिना अज्ञ जन जानकार नहीं बन सकते। इसलिए मैं यह प्रयत्न कर रहा हूं।

इससे स्पष्ट है कि युगल किशोर शुक्ल ने पाठकों के अज्ञान अंधकार को दूर करने और उन्हें जानकार बनाने यानी शिक्षित करने के ध्येय से उदन्त मार्तण्ड निकाला। इस तरह हिंदी पत्रकारिता का यह आदि संकल्प है कि वह अपने पाठकों-श्रोताओं-दर्शकों को शिक्षित करे और विवेकवान बनाये।

ब्रजेंद्रनाथ बनर्जी ने इस लेख में उदन्त मार्तण्ड के पहले अंक में प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित इस कागज के प्रकाशक का इश्तेहार को यथावत् प्रस्तुत किया है। उन्होंने अखबार के भीतर के पन्नों पर प्रकाशित इश्तेहार, श्री श्रीमान् गवरनर जेनरेल बहादुर का सभा वर्णन, वह उल्था, फरासीस देश की खबर, ठट्ठे की बात, बहुत मोटे ओ बड़े आदमी, अशुद्धता, और भी नयी अशुद्धियां तथा गवरनर बहादुर की खबर शीर्षक सामग्री भी जस की तस प्रस्तुत की है।

विशाल भारत के अप्रैल, 1931 के अंक में हिंदी का प्रथम समाचार-पत्र शीर्षक लेख की तीसरी किस्त में ब्रजेन्द्रनाथ बनर्जी ने लिखा - विशाल भारत के पिछले अंक में हिंदी के सर्व प्रथम समाचार-पत्र उदन्त मार्तण्ड के कुछ उद्धरण प्रकाशित किये गये थे। यहां और भी कुछ मनोरंजक उद्धरण प्रकाशित करता हूं। इस किस्त में ब्रजेंद्रनाथ बनर्जी ने उदन्त मार्तण्ड में प्रकाशित बिलायती कपड़ा, लूट की छूट, दालचीनी के पौधे, श्री बुद्धिप्रकाश रामायण अश्वमेध, सर्प दंशन विष उतारने की औषधि, कानूनी नोटिस और मध्य देशीय भाषा के बारे में शीर्षक सामग्री जस की तस प्रस्तुत की है। इसी किस्त में ब्रजेंद्रनाथ बनर्जी ने अखबार के बंद होने की सूचना दी है। कानूनी कारणों एवं ग्राहकों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिलने के कारण युगल किशोर शुक्ल ने उदन्त मार्तण्ड के 4 दिसंबर, 1827 के अंक में उसे बंद करने की घोषणा इस प्रकार की थी -

आज दिवस लौ उग चुक्यों मार्तण्ड उदन्त।
अस्ताचल को जात है दिनकर दिन अब अन्त।

ब्रजेंद्रनाथ बनर्जी ने विशाल भारत के मई, 1931 के अंक में एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखी है, जिसका शीर्षक है उदन्त-मार्तण्ड के संबंध में। इसमें उन्होंने लिखा है हिंदी के सर्वप्रथम समाचार-पत्र उदन्त मार्तण्ड के संपादक कानपुर निवासी पंडित युगलकिशोर शुक्ल थे। युगल किशोरजी पहले कलकत्ते की सदर दीवानी अदालत में प्रोसिडिंग रीडर थे। फिर उसी अदालत में वकालत करने लगे थे। उदन्त मार्तण्ड के अस्त होने के कई वर्ष बाद युगलकिशोर शुक्ल ने एक दूसरे हिंदी पत्र को जन्म दिया था, जिसका नाम सामदंड मार्तण्ड था; परंतु वह भी अधिक दिन तक न चल सका।

यह खोज देश के समक्ष आयी तब तक हिंदी पत्रकारिता की शताब्दी बीत चुकी थी। हिंदी पत्रकारिता की शताब्दी तो नहीं मनी, उसकी द्विशताब्दी उसकी आदि प्रतिज्ञा के स्मरण का अवसर है। युगल किशोर शुक्ल ने उदन्त मार्तण्ड के प्रवेशांक में प्रथम पृष्ठ पर इस कागज के प्रकाशक का इश्तेहार की पहली ही पंक्ति में लिखा था हिंदुस्तानियों के हित के हेत। यह हिंदी पत्रकारिता की आदि प्रतिज्ञा है। ध्यान देने योग्य है कि साप्ताहिक उदन्त मार्तण्ड हिंदी का अखबार था किंतु वह केवल हिंदी समाज की नहीं, वरन समूचे हिंदुस्तान के हित की चिंता कर रहा था। वह अखबार पत्रकारिता की एक परिभाषा भी दे गया कि पत्रकारिता वह है जो देश हित से बंधी हो।

रील्समय सब जग जानी

उमेश चतुर्वेदी

सियाराम मय सब जग जानी... तुलसी के लिए समूचा विश्व ही श्रीराम और सीता की तरह रहा। आज की पत्रकारिता पर जिधर भी नजर फिराएं, कुछ उसी तरह टीवी मय ही लगती है। लगता नहीं कि मीडिया की की दुनिया में अखबार भी हैं, पत्रिकाएं भी हैं, रेडियो भी है और सबसे अहम इंटरनेट भी है। दो सौ साल की हिंदी पत्रकारिता का इतिहास गरिमा के सोपानों से भरा हुआ है। नवजागरण को बढ़ावा देने, राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक जीवन मूल्यों की स्थापना में हिंदी पत्रकारिता ने महती भूमिका निभायी है। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से उपजी हिंदी पत्रकारिता ने स्वाधीनता की लड़ाई भी लड़ी, हिंदी भाषा और साहित्य के उत्थान का माध्यम भी बनी, लेकिन दो सौ साल की यात्रा के उपरांत बाद के वर्षों के उसके इतिहास को देखते हैं तो वह सिर्फ टीवीमय नजर आती है, टीवी से भी आगे बढ़कर वह रीलमय नजर आती है। छापे से शुरू हिंदी पत्रकारिता का यह रूप छापे और रेडियो की उपस्थिति के बावजूद आज वह रील्स के इर्द-गिर्द घूमती नजर आ रही है। टेलीविजन तक तो स्थिति ठीक थी, लेकिन उसके बाद की जब तकनीक के सहारे टीवी की दुनिया में चुपके से रील्स ने दखल देनी शुरू की तो स्थितियां बदलने लगीं। हर नयी तकनीक की अपनी कुछ खासियत होती है और इसके साथ ही वह अपना चरित्र भी विकसित करती है। रील्स का जो चरित्र विकसित हुआ है, उसमें उथलापन ज्यादा है, गंभीरता कम है।

इसे समझने के लिए छापा यानी प्रेस से मीडिया तक की यात्रा को गंभीरता से देखना और समझना होगा। रेडियो के आविष्कार और फिर टेलीविजन के विस्तार के पहले तक पत्रकारिता की बुनियाद में छापेखाने ही रहे। शुरूआती दौर में पत्रकारिता को प्रेस इसी वजह से कहा गया। जब तक उसकी पहचान के साथ प्रेस जुड़ा रहा, उसके प्रति विशिष्टताबोध बना रहा। टेलीविजन के विस्तार और बजरिये इंटरनेट माध्यमों की आवाजाही ने इस विशिष्टाबोध युक्त पहचान को मीडिया में रूपांतरित कर दिया है। इस यात्रा में मोटे तौर पर पत्रकारिता के दो रूप दिखते हैं। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से जन्मे छापे की पत्रकारिता कोख में मिले संस्कारों को अब तक कमोबेश अपनाये रखा है। बाद में आये रेडियो और टीवी में तकनीक भले ही प्रधान रहा, लेकिन उनके मूल में भी छापे की ही पत्रकारिता रही। इसके बावजूद तकनीक प्रधान और अत्याधुनिक माध्यम टीवी छापे की बुनियादी मूल्यों से काफी दूर दिखता है।

उदंत मार्तंड के प्रकाशक और संपादक जुगल किशोर शुक्ल हों या बंगाल गजट निकालने वाले जेम्स ऑगस्टस हिक्की, उन्हें अखबार निकालने का गहरा युगबोध था। लेकिन उन्हें पता था कि वह जो कार्य करने जा रहे हैं, वह बेहद दुष्कर है। उनके सामने संसाधनों की ही चुनौतियां ही नहीं थी, पाठक जुटाना और अपने छापे की बात उन तक पहुंचाना भी आसान नहीं था। उन्हें आभास था कि उनकी खरी बातों को तत्कालीन विदेशी सत्ता स्वीकार नहीं करेगी। संसाधनों के अभाव और सरकारी सहयोग नहीं मिलने की वजह से ही उदंत मार्तंड असमय कालकवलित हो गया। उसे संसाधन या सरकारी सहयोग इसलिए नहीं मिले, क्योंकि उसका स्वर भारतोन्मुखी था, वह हिंदी समाज के हित के हेत निकल रहा था, उसे भारतीय मूल्यों की चिंता थी और भारतीय समाज के नवजागरण में वह भागीदार बनना चाहता था। यह कहानी उदंत मार्तंड तक ही सीमित नहीं रही। बाद के दिनों में भी हिंदी में तमाम समाचार पत्र निकले और बंद होते रहे। इस लिहाज से कह सकते हैं कि हिंदी पत्रकारिता का इतिहास नवजागरण का ही इतिहास नहीं है, अखबारों के निकलने और बंद बंद होने के सिलसिले का भी इतिहास है। लेकिन इस सिलसिले में भी समानता दिखती है, पत्रों का मूल उद्देश्य भारतीय मूल्यों, स्वाधीन सोच के लिए जागरण पैदा करना और राष्ट्र हित पर खुद को तिरोहित करना ज्यादातर पत्रों के प्रकाशन के मूल में दिखता है। कह सकते हैं कि हिंदी पत्रकारिता के जीन यानी गुणसूत्र में तिरोहित होने का ही भाव रहा है। यही वजह है कि हिंदी पत्र खतरा उठाते हुए भारतीयता की बात करना और सार्वजनिक हित का सवाल उठाना अपना पुनीत कर्तव्य मानते रहे।

बेशक आज के समाचार पत्र भी सवालों के घेरे में हैं, लेकिन सवालों में आना सिर्फ अखबारी संस्थानों और उनके कर्ताधर्ताओं की सोच का ही मसला नहीं है, बल्कि उदारीकरण के बाद बढ़ी अर्थप्रधानता और पूंजी के खेल से उपजी मजबूरी भी है। फिर भी जब तुलनात्मक रूप से देखते हैं कि स्वाधीनता आंदोलन के साथ जिन मूल्यों को भारतीय समाज ने स्वीकार किया और आत्मसात किया है, उन्हें अब भी अखबारों ने ही आत्मसात कर रखा है। इनकी तुलना में टीवी की पत्रकारिता कहीं ज्यादा चंचल और चलायमान नजर आती है।

पत्रकारिता के जब भी नये माध्यम सामने आये, पुराने माध्यम के खात्मे की आशंका जतायी जाती रही। हालांकि नये माध्यम के किंचित गुणों के साथ प्रतियोगिता और साम्यता बरतते हुए पुराने माध्यम ने जहां खुद को ज्यादा प्रतियोगी बनाया। हर नये माध्यम के अवतार और विकास के मूल में नयी तकनीक रही है। तकनीक की एक विशेषता है, हर नयी तकनीक हमेशा पुरानी के मुकाबले ज्यादा प्रभावी होती है। इस लिहाज से छापे के बाद आये रेडियो ने लोगों को ज्यादा लुभाया। लेकिन रेडियो के साथ प्रतियोगिता में छापे ने हार नहीं मानी और उसके बरक्स खुद को भी पहले तुलना में ज्यादा गतिमान बनाया, अपने कंटेंट और प्रस्तुति में विविधता और नवीनता की खोज की। इसके बाद अखबारों का प्रसार बढ़ा, रेडियो को तो वैसे ही अपनी नयी तकनीक के चलते आगे बढ़ना ही था।

जब टेलीविजन ने मीडिया की दुनिया में अगले चरण के रूप में कदम रखा, दोनों पुराने माध्यमों के खात्मे की आशंका जतायी जाने लगी। हालांकि कोई खत्म नहीं हुआ, रेडियो ने खुद के लिए नयी तकनीक यानी फ्रीक्वैंसी मॉड्युला यानी एफएम की ईजाद कर ली और अपने लिए जीवन की नयी राह खोज ली तो अखबारों ने अपने पन्ने टेलीविजन के पर्दे की तरह चमकादार और दृश्यवान बनाने लगे। अखबारों पर विजुअल का प्रभाव फोटो और चित्रों के विस्तार के रूप में दिखा। इसके असर से अखबार अब भी बचे हुए हैं, रेडियो भी जिंदा है और टेलीविजन भी विस्तृत हो चुका है। लेकिन जिसे हम टेलीविजन कहते हैं, जिसमें एक पर्दा होता है, उसे चुनौती रील्स और ऐसे ही शॉर्ट वीडियो माध्यमों से मिल रही है। टेलीविजन को पहले इंटरनेट से चुनौती मिली, लेकिन बाद के दिनों इंटरनेट ने खुद में मीडिया के हर फॉर्मेट को समाहित कर लिया। इसी बीच रील्स और टिकटैक जैसे शॉर्ट फॉर्मेट आ गये और टेलीविजन को भी चुनौती मिलने लगी।

मीडिया के शुरूआती दोनों माध्यम जहां मूल्यों और संघर्ष की कशमकश वाले दौर में पैदा हुए, पले और बढ़े, इसलिए उनके चरित्र पर मूल्यों और संघर्ष का असर दिखता है। लेकिन टेलीविजन का वैश्विक प्रसार आर्थिक उदारीकरण के दौर में हुआ है। इसलिए उसने उदारीकरण की विशेषताओं को भी आत्मसात कर लिया है। उदारीकरण की पहली शर्त चमक-दमक और शोशेबाजी है। भारतीय परिदृश्य में जब टेलीविजन माध्यम विकसित हो रहा था, तब हिंदी के गंभीर पत्रकारों ने इससे दूरी बनाये रखी। उन्होंने तब इसे दोयम दर्जे का माध्यम माना और उसकी उपेक्षा की। उन्हें ऐसा लगा कि यह गंभीर पत्रकारिता का माध्यम नहीं हो सकता।

विज्ञान में निर्वात का सिद्धांत है। यानी कोई भी जगह निर्वात नहीं रह सकती, उसकी जगह भरने के लिए नयी हवा आ ही जाती है। यह सिद्धांत हर जगह लागू होता है। टीवी की दुनिया से गंभीर लोगों ने दूरी बनायी तो उनकी जगह भरने के लिए वे सारे लोग आ गये, जिन्हें मुख्यधारा की पत्रकारिता स्वीकार नहीं कर रही थी। इसका असर यह हुआ कि उन्होंने गंभीरता की बजाय दृश्यों के लिए माकूल नाटकीयता को अपनाया, उन्होंने पत्रकारिता के बुनियादी मूल्यों की बजाय पारसी नौटंकी शैली की संवाद अदायगी और नाटकीयता पर जोर दिया। आज यह नाटकीयता ही भारतीय टेलीविजन की मुख्यधारा है। हालांकि जिन देशों में टीवी भारत की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित हुआ, जहां उसका आविष्कार हुआ, वहां टेलीविजन की पत्रकारिता पर छापे की पत्रकारिता जैसी गंभीरता दिखती है, वहां के खबरिया टीवी के पर्दे नाटकीयता से युक्त नहीं हैं। भारतीय परिदृश्य में एक और तथ्य को भी याद रखा जाना चाहिए। टीवी में बड़ी पूंजी लगती है, इसलिए इस पूंजी की वापसी की गारंटी भी चाहिए होती है, नाटकीयता इस वापसी की गारंटी देती प्रतीत होती है। इसलिए यह नाटकीयता बढ़ी हुई है। इस विकास के मूल में आर्थिक उदारीकरण के साथ आये जीवन मूल्य भी हैं। आर्थिक फायदे के चलते इस माध्यम ने सनसनी को भी हथियार बना लिया है। चूंकि यह दृश्य प्रधान माध्यम है, इसलिए यहां गंभीरता और गुणों पर नहीं, खूबसूरत और प्रभावी दृश्यों पर जोर है। रील्स ने इसे और बढ़ावा ही दिया है। जहां लटके-झटके भी हैं और हल्की सोच भी।

विजुअल छापे की तुलना में हमेशा ज्यादा प्रभावी होते हैं, अगर वे चलायमान हैं तो उनकी प्रभावोत्पादकता की गति भी बढ़ जाती है। इन गुणों के चलते इस माध्यम का प्रभाव ज्यादा है, उसमें त्वरा है, इसलिए सिनेमा से लेकर खेल और राजनीति तक की दुनिया इसकी ओर खिंची जा रही है। जब तक भारतीय राजनीति पर स्वाधीनता आंदोलन की कोख से निकली सियासी ताकतों का दबदबा था, उथलापन उसे अस्वीकार्य था। तब दिखावे के लिए ही सही, राजनीति को गंभीर, विचारवान और संजीदा कारक पसंद थे। राजनीति के लिए शोशेबाजी और नाटकीयता त्याज्य विषय थे। लेकिन उदारीकरण के बाद राजनीति ने भी नये मूल्यों को ग्रहण कर लिया है। इसका असर उसकी मीडिया समझ और उसके इस्तेमाल पर भी दिखता है। टेलीविजन की पत्रकारिता ने शब्दों का आडंबर रचने में महारत हासिल कर ली है, शोर-शराबा उसकी विशेषता बन चुकी है और इस शोर में मुद्दे कहीं खो चुके हैं।

इसीलिए आज राजनीति की भी पहली पसंद, शोशेबाज, नाटकीय और त्वरा वाला टेलीविजन माध्यम और उसका विस्तार रील्स बन चुका है। एक कहावत है, नाचे गावे तूरे ताने, वाके दुनिया राखे मान। तो इस दौर में इस तान छेड़ने वाले माध्यम का चहुंओर बोलबाला है। आज मीडिया का मतलब टीवी तक सिमट गया है। राजनीति इसे खूब बढ़ावा भी दे रही है। लेकिन यह भी सच है कि जब राजनीति को गंभीर बात कहनी होती है तो उसे अखबार ही याद आते हैं, विशेषकर उसके संपादकीय पृष्ठ। आजकल यह खूब दिख रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बिहार कृषि विश्वविद्यालय में हुआ 35 करोड़ का घोटाला

भागलपुर, 30 मई (एजें.)। बिहार में भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति का दावा करने वाली सरकार अब बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर में सामने आए कथित भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों को लेकर सवालों के घेरे में है। बक्सर से सांसद सुधाकर सिंह ने प्रधानमंत्री को विस्तृत पत्र लिखकर बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर में नियुक्ति, खरीद, निविदा, प्रोन्नति, निर्माण कार्य एवं छात्र नामांकन में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। सांसद ने अपने पत्र में कहा है कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) द्वारा प्रस्तुत विस्तृत जांच प्रतिवेदन में बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर के वर्तमान कुलपति डॉ. दुनिया राम सिंह एवं उनके सहयोगी अधिकारियों पर गंभीर आरोप प्रमाणित पाए गये हैं। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होना अत्यंत चिंताजनक है। आपको बता दें कि सांसद सुधाकर सिंह इससे पूर्व बिहार के राज्यपाल से मिलकर भी इस पूरे मामले का विस्तृत परिवाद एवं दस्तावेज सौंप चुके हैं। राजभवन को कई बार शिकायतें एवं साक्ष्य उपलब्ध कराए गये, लेकिन अब तक किसी प्रकार की निर्णायक कार्रवाई नहीं होने से विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यशैली एवं सरकारी तंत्र की निष्क्रियता पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, राजभवन द्वारा विश्वविद्यालय से कई मामलों में जवाब भी मांगा गया था, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा समय पर जवाब नहीं दिये जाने के बावजूद आगे की कार्रवाई लंबित रही। इसे लेकर अब विपक्षी दलों एवं सामाजिक संगठनों ने भी सवाल उठाने शुरू कर दिये हैं।

मथुरा में आंधी-तूफान के बीच खंभा गिरने से श्रद्धालु की मौत

मथुरा, 30 मई (भा.)। मथुरा जिले के महावन क्षेत्र में आंधी-तूफान के बीच बिजली का खंभा गिर जाने से परिक्रमा कर रहे एक श्रद्धालु की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी श्वेता वर्मा ने शनिवार को बताया कि पलवल के दोघोट गांव निवासी शेर सिंह (57) अधिक मास में शुक्रवार को महावन के निकट ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा कर रहे थे, तभी रमण रेती स्थित श्री उदासीन कार्ष्णि आश्रम के निकट तेज आंधी के कारण उनके सिर पर खंभा गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये। उन्होंने बताया कि शेर सिंह को वृंदावन के संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने नये उन्हें मृत घोषित कर दिया। वर्मा ने बताया कि सिंह का शव पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजन को सौंप दिया गया।

हमीरपुर में श्रमिकों की मौत का मामला : कार्यदायी संस्था के मालिक समेत दो लोगों पर मुकदमा दर्ज

हमीरपुर, 30 मई (भा.)। हमीरपुर जिले में शुक्रवार तड़के तेज आंधी के दौरान बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरने से छह श्रमिकों की मौत के मामले में कार्यदायी संस्था के मालिक समेत दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार तड़के लगभग तीन बजे लालपुरा थाना क्षेत्र के परसानी और कंदौर गांवों के बीच तेज आंधी के दौरान बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरने से छह श्रमिकों की मौत के मामले में बीती रात मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि कुरारा थाने में यह मुकदमा राज्य सेतु निगम के उप परियोजना प्रबंधक दिलीप कुमार की तहरीर पर कार्यदायी संस्था के मालिक पवन प्रताप सिंह और ठेकेदार नितीश कुमार के खिलाफ सरकारी काम में लापरवाही और ढिलाई बरतने के आरोप में दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी प्रिन्स दीक्षित ने बताया कि मुकदमा दर्ज करके विवेचना की जा रही है। इस संबंध में लापरवाही बरतने के आरोप में सहायक अभियंता गजेंद्र चौधरी को शुक्रवार को ही निलंबित कर दिया गया था। हमीरपुर जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर लालपुरा थाना क्षेत्र के परसानी और कंदौर गांवों के बीच बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरने से छह श्रमिकों की मौत हो गयी थी जबकि तीन अन्य घायल हो गये थे। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान लोकेन्द्र (22), कुलदीप निषाद (19), सावंत यादव (28), सभाजीत (30), पुष्पेंद्र चौहान (34) और राजेश पाल (42) के रूप में हुई है। वहीं, अवधेश निषाद, कल्लू यादव और राजेश निषाद घायल हुए हैं, जिन्हें मलबे से निकालकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

पत्नी के गहने लेकर पति हुआ फरार थाने पहुंची महिला, एफआईआर दर्ज

हाजीपुर, 30 मई (एजें.)। हाजीपुर के नगर थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति पर करीब 40 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर लेकर फरार होने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला का कहना है कि उसके पति ने घर से कीमती आभूषण निकाल लिए और उसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल सका है। वैशाली जिले में अक्सर यह सुनने को मिलता है कि कोई महिला अपने बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ घर के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गयी। ऐसी घटनाओं के बाद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई जाती है। हालांकि, पहली बार एक युवक द्वारा अपनी पत्नी के जेवर लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। पत्नी ने युवक के विरुद्ध नगर थाने में करीब 40 लाख रुपये के जेवर लेकर फरार होने की प्राथमिकी दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत मीठा कुआं वार्ड संख्या-15 में एक व्यक्ति अपनी पत्नी के करीब 40 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर लेकर फरार हो गया। पत्नी ने काफी खोजबीन के बाद नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई है। थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, रजनी कुमारी, पति रोशन कुमार, ग्राम वीरपुर, थाना जुड़ावनपुर, वर्तमान पता मीठा कुआं वार्ड संख्या-15, थाना नगर ने बताया कि बीते 25 मई की शाम करीब 7 बजे वह अपने घर की छत पर बैठी थीं। इसी दौरान उनके पति रोशन कुमार ने बक्सा खोलकर गले का सोने का हार (करीब 5 भर), सोने की चेन, मंगलसूत्र, बड़ी अंगूठी, बाला (दो पीस), कान की बाली, झुमका, पायल, पान का पत्ता, चांदी की कसेली सहित अन्य सोने-चांदी के जेवर चुपके से निकाल लिए और फरार हो गया। महिला ने बताया कि काफी खोजबीन के बाद भी पति का कोई पता नहीं चल सका।

पुलिस हिरासत से भागा आरोपी तालाब में डूबा मौत के बाद थाने पर ग्रामीणों का हंगामा

खगड़ियाखगड़िया की मोरकाही थाना क्षेत्र में पुलिस हिरासत से भागने के दौरान एक आरोपी की तालाब में डूबने से मौत हो गयी। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गयी और ग्रामीणों ने शव को मोरकाही थाना परिसर में रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार, मोरकाही थाना कांड संख्या 61/26 में विधि-व्यवस्था भंग करने और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए 29 मई को पुलिस टीम सबलपुर गांव में छापेमारी करने पहुंची थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों सौरव कुमार और अंशु कुमार उर्फ दुखो कुमार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस दोनों आरोपियों को लेकर थाने लौट रही थी। इसी दौरान सौरव कुमार पुलिसकर्मियों से हाथ छुड़ाकर भाग निकला। भागते हुए वह गांव के मंदिर के पीछे स्थित मालती धार तालाब में कूद गया। आरोपी के तालाब में कूदने के बाद पुलिस ने तत्काल उसकी तलाश शुरू कर दी। हालांकि अंधेरा होने के कारण काफी खोजबीन के बावजूद उसका पता नहीं चल सका। इसके बाद पुलिस दूसरे आरोपी को लेकर वापस थाने लौट आई। निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की।

पूरी तरह आत्मनिर्भर होने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है भारत का रक्षा क्षेत्र : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

लखनऊ, 30 मई (भा.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत का रक्षा क्षेत्र पूरी तरह से आत्मनिर्भर होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा रक्षा उत्पादन 2014 के 46 हजार करोड़ रुपये के मुकाबले अगले महीने पौने दो लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा। सिंह ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण करने के बाद अपने सम्बोधन में रक्षा क्षेत्र में भारत की तीव्र प्रगति और रक्षा निर्यात में हुई बढ़ोत्तरी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले भारत में छोटे-मोटे हथियारों के कलपुर्जों का निर्यात केवल एक हजार करोड़ रुपये का था लेकिन अब भारत का रक्षा क्षेत्र पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी तब से ही इस बात पर विशेष बल दिया गया कि भारत सही मायनों में सबसे ताकतवर कहलाए ताकि देश की सेनाओं को हथियार के लिए अन्य देशों पर निर्भर नहीं रहना पड़े। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया और डिफेंस कॉरिडोर समेत कई कदमों से यह सुनिश्चित किया गया कि भारतीय सेना के लिए अत्याधुनिक हथियार भारत में ही निर्मित किये जाएं और अगर संभव हो तो हम उन्हें दूसरे देशों को बेच सके। सिंह ने कहा, जब हमने रक्षा क्षेत्र में निर्यात की ओर ध्यान देने की बात कही थी तो कई लोगों ने हमारी इस योजना को बड़ी शंका की

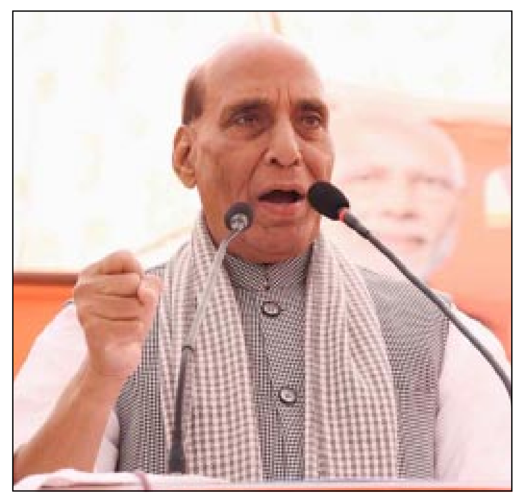

नजर से देखा था, क्योंकि भारत का रक्षा क्षेत्र कभी अपने निर्यात के लिए नहीं जाना जाता था, आयात के लिए जाना जाता था। सिंह ने कहा, पिछले 10 वर्षों में हम सभी ने मिलकर जो मेहनत की है उसका परिणाम आज हमें मिल रहा है। 2014 में हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन मात्र 46 हजार करोड रुपये था, लेकिन आज वही बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ से अधिक हो चुका है । मैं बताना चाहता हूं कि जून समाप्त होते-होते आपको यह जानकारी मिलेगी कि यह डेढ़ लाख करोड़ रुपये नहीं, बल्कि पौने दो लाख करोड रुपये हो गया है। उन्होंने भारत के रक्षा निर्यात का जिक्र करते हुए कहा कि भारत हमेशा रक्षा उपकरणों के आयात के लिये ही जाना जाता था। उन्होंने कहा कि 2014 में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार बनने से पहले तक भारत का रक्षा उपकरणों का निर्यात एक हजार करोड़ रुपये से भी कम था लेकिन आज वह बढ़कर 40 हजार करोड़ रुपये हो गया है। रक्षा मंत्री ने कहा, इस उपलब्धि में उत्तर प्रदेश और विशेषकर लखनऊ का भी योगदान रहा है। उत्तर प्रदेश की धरती पहले से ही भारत की सेवा में अपनी भागीदारी के लिए जानी जाती है और यहां के जवानों ने हर युद्ध में बढ़-चढ़कर कंधे से कंधा मिलाकर देश की रक्षा भी की है लेकिन हमने इसे और आगे बढ़ने का संकल्प लिया है और इसी सोच के साथ हमने यहां पर लखनऊ में डीआरडीओ की प्रयोगशालाएं भी शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि डिफेंस कॉरिडोर के माध्यम से उत्तर प्रदेश भारत के रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बना रहा है और लखनऊ में ब्रह्मोस का भी निर्माण हो रहा है एवं यह राज्य कई तरह से उत्तर प्रदेश के रक्षा उपकरण उत्पादन को मजबूत कर रहा है।

मंदिर परिसर के पास हड्डी मिलने से मचा हड़कंप

गया, 30 मई (एजें.)। गया जिले के इमामगंज थाना क्षेत्र के मैरा गांव में स्थित हनुमान मंदिर परिसर के पास एक छोटी हड्डी मिलने की सूचना से शनिवार को इलाके में कुछ समय के लिए हलचल मच गयी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गया और मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की असामाजिक गतिविधि, सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश या सुनियोजित साजिश के कोई प्रमाण नहीं मिले। पुलिस ने दोनों समुदायों के लोगों के साथ बैठक कर शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। सूचना मिलते ही मामले की जानकारी वरीय पुलिस अधिकारियों को दी गयी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मामले को लेकर किसी तरह की अफवाह फैलाने की आवश्यकता नहीं है।

तेज रफ्तार ट्रक ने टेंपो को मारी टक्कर, दो की मौत, तीन घायल

पूर्णिया, 30 मई (एजें.)। पूर्णिया जिले में सरसी थाना क्षेत्र के बख्तियारपुर स्थित फुचयाही पुल और बुढ़िया गोला कॉलेज के पास रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार ट्रक ने सवारियों से भरी टेंपो को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गये। इस हादसे में जदयू वार्ड अध्यक्ष की बेटी (लैब टेक्नीशियन) और एक इंटर पास छात्र की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों का इलाज पूर्णिया जीएमसीएच में जारी है। हादसे में मृतकों की पहचान सरसी के बुढ़िया गोला निवासी सह जदयू वार्ड अध्यक्ष गमक लाल मंडल की 22 वर्षीय पुत्री कृष्णा कुमारी मंडल और के.नगर थाना क्षेत्र निवासी अशोक मिश्र के 18 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे इलाके में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय चश्मदीदों के अनुसार, एक टेंपो में लगभग 6 सवारियां बैठकर सरसी की ओर से आ रहा था। इसी दौरान रानीगंज की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक के सामने टेंपो चालक ने आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश की। रफ्तार अधिक होने के कारण टेंपो सीधे सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराया। टक्कर इतनी भयानक थी कि कुछ ही सेकंड में टेंपो पूरी तरह पिचक गया और मौके पर चीख-पुकार मच गयी। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों ने सूझबूझ दिखाते हुए उसे घेर लिया और पकड़ लिया। इसके बाद उसे मौके पर पहुंची सरसी थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। प्रिंस कुमार के पिता ने बताया कि उनका बेटा इसी साल अच्छे अंकों से इंटर पास हुआ था और अपने भाई के साथ बुढ़िया गोला कॉलेज में आगे की पढ़ाई के लिए नामांकन कराने घर से निकला था। परिवार को उम्मीद थी कि वह आगे बढ़कर नाम रोशन करेगा, लेकिन कॉलेज पहुंचने से पहले ही हादसे में उसकी जान चली गयी। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं कृष्णा कुमारी मंडल के पिता गमक लाल मंडल ने रोते हुए बताया कि उनकी बेटी ने लैब टेक्नीशियन की पढ़ाई पूरी कर ली थी। आत्मनिर्भर बनने के सपने के साथ उसने करीब एक महीने पहले बुढ़िया गोला स्थित मदरसा चौक पर अपनी पैथोलॉजी लैब शुरू की थी। वह रोज की तरह ऑटो से अपने लैब जा रही थी, तभी यह दर्दनाक हादसा हो गया। सूचना मिलने के बाद जब पिता मौके पर पहुंचे तो बेटी का शव देखकर उनका दिल दहल गया। इस हादसे में बुढ़िया गोला निवासी रेखा देवी समेत तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच पूर्णिया भेज दिया है और पूरे मामले की कानूनी जांच शुरू कर दी है।

राबड़ी देवी की चुनौती को सीएम सम्राट चौधरी ने किया स्वीकार, बंगला खाली कराने के लिए भेजी पुलिस

पटना, 30 मई (एजें.)। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी बंगला खाली कराने के लिए पटना पुलिस की टीम पहुंची है। सचिवालय डीएसपी डॉ. अनु राबड़ी आवास पहुंचीं और बंगला खाली करने को लेकर बातचीत की। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी को सरकारी आवास को खाली कराने के लिए पटना पुलिस की टीम पहुंच गयी है। शनिवार शाम को सचिवालय डीएसपी डॉ. अनु राबड़ी आवास पहुंचीं। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने आवास खाली करने से जुड़े मामले पर बातचीत की और विभागीय निर्देशों की जानकारी दी। उन्होंने फिर से राबड़ी देवी को भवन निर्माण विभाग का नोटिस दिया। इसमें लिखा हुआ अब यह आवास मंत्री नंदकिशोर राम को आवंटित कर दिया गया है। इसलिए जल्द से जल्द इस बंगले को खाली करें। यह कार्रवाई तब की गयी है जब पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने सरकार को खुली चुनौती देते हुए कहा कि सम्राट चौधरी अपने पुलिस फोर्स को बुलाकर बंगला खाली करवा लें, लेकिन मैं अपना आवास खाली नहीं करूंगी। उनके इस बयान के बाद सियासी घमासान मच गया। राबड़ी देवी की चुनौती के महज कुछ घंटों बाद आवास खाली कराने के लिए पुलिस पहुंच गयी। भवन निर्माण विभाग की

ओर से बताया गया कि 25 नवंबर 2025 को विधान परिषद् में नेता प्रतिपक्ष होने के नाते राबड़ी देवी को दूसरा सरकारी आवास नया, 39 हार्डिंग रोड में आवंटित कर दिया था। सर्कुलर रोड स्थित बंगला संख्या-10 को मंत्री नंद किशोर राम के नाम आवंटित किया जा चुका है। विभाग का कहना है कि नये आवंटन के बावजूद बंगला अब तक खाली नहीं किया गया है। इसी को लेकर भवन निर्माण विभाग की ओर से राबड़ी देवी को तीन बार नोटिस भेजा जा चुका है। लेकिन, अब तक उन्होंने आवास खाली नहीं किया है। इस मामले पर सियासत गरमा गयी है। राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि राबड़ी देवी के साथ लालू प्रसाद भी 10 सर्कुलर रोड आवास में रहते हैं। दोनों पूर्व मुख्यमंत्री हैं। सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता की हनक दिखाना चाहती हैं। राबड़ी देवी को अपमानित करने के लिए बंगला दूसरे मंत्री को आवंटित किया गया है। यह ओछी राजनीति है। वहीं प्रवक्ता एजाज ने कहा कि यह लालू प्रसाद के परिवार को झुकाने की राजनीति चल रही है। सबको पता है राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो हेल्थ चेकअप के लिए सिंगापुर गये हैं। इसके बावजूद भी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अपनी मानवीय संवेदना खो चुकी है। राबड़ी देवी इस आवास में पिछले 20 साल से रह रही हैं। लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव भी यहीं रहते हैं। इसके बावजूद सरकार ने आज आवास पर पुलिस भेजी। यह अन्याय है। बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग के उपाध्यक्ष सह भाजपा नेता अरविंद कुमार सिंह ने राजद और लालू परिवार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकारी संपत्ति पर कब्जा जमाने की मानसिकता लोकतंत्र और संविधान दोनों के खिलाफ है।

नयी नवेली दुल्हन रातों-रात प्रेमी संग फरार

दरभंगा, 30 मई (एजें.)। दरभंगा के सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र में 17 दिन पहले ब्याही गयी नवविवाहिता अंजली अपने ससुराल से प्रेमी के साथ फरार हो गयी है। वह अपने साथ गहने-जेवर और करीब 45 हजार रुपये नकद भी ले गयी है। इस मामले को लेकर पीड़ित सूरज कुमार के पिता बृज चौपाल ने प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने बहू के अपने प्रेमी

पति के साथ दुल्हन

चंद्रकिशोर चौपाल के साथ चले जाने की बात कही है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि नयी नवेली दुल्हन अपने पति के साथ कमरे में सो रही थी, लेकिन रात में पति को सोता छोड़कर फरार हो गयी। काफी खोजबीन के बाद पता चला कि वह जाले थाना क्षेत्र के देवरा गांव में अपने प्रेमी चंद्रकिशोर चौपाल के साथ रह रही है। घटना के संबंध में बृज चौपाल ने बताया कि उनके बेटे सूरज कुमार की शादी 13 मई को मधुबनी जिले के पतौना औसराही गांव निवासी अंजली के साथ हुई थी। शादी के बाद सब कुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन 28 मई की रात अचानक अंजली अपने पति के साथ कमरे में सोने के बाद देर रात गहने-जेवर और 45 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गयी। परिजनों के अनुसार, रात में जब सूरज कुमार की नींद खुली तो अंजली घर में कहीं नहीं मिली। इसके बाद परिवार के लोगों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। बाद में जानकारी मिली कि वह दरभंगा जिले के जाले थाना क्षेत्र के देवरा गांव निवासी अपने प्रेमी चंद्रकिशोर चौपाल के साथ चली गयी है। सूरज कुमार की दादी ने बताया कि अंजली की शादी पहले चंद्रकिशोर चौपाल के साथ तय हुई थी। हालांकि किसी कारणवश वह रिश्ता टूट गया था। इसके बाद परिवार वालों ने 13 मई को रीति-रिवाज के साथ उसकी शादी सूरज कुमार से कर दी। उनका दावा है कि शादी के बाद भी अंजली का अपने पूर्व प्रेमी से संपर्क बना हुआ था। परिजनों का आरोप है कि अंजली अपने प्रेमी के बहकावे में आकर घर छोड़कर चली गयी। साथ ही वह घर में रखे गहने-जेवर और नकद रुपये भी अपने साथ ले गयी है। इस घटना के बाद परिवार में मायूसी का माहौल है। इस संबंध में सिंहवाड़ा थानाध्यक्ष बसंत कुमार झा ने बताया कि पीड़ित पक्ष की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में सरकारी कर्मचारियों के साथ पेंशनर को भी कैशलेस मेडिकल फैसिलिटी

पटना, 30 मई (एजें.)। बिहार के सरकारी अधिकारी-कर्मियों और पेंशनभोगियों के लिए स्वास्थ्य विभाग ने कैशलेस चिकित्सा योजना का खाका पूरी तरह तैयार कर लिया है, जिस पर कैबिनेट की मुहर पहले ही लग चुकी है। 'बिहार राज्य स्वास्थ्य योजना' नाम से शुरू होने वाली ये सेवा पूरी तरह ऐच्छिक (वैकल्पिक) होगी। हालांकि, इस कैशलेस सुविधा का लाभ लेने वाले राज्य के करीब 7.23 लाख नियमित कर्मचारियों को मिलने वाले मासिक चिकित्सा भत्ते में 90 फीसदी की भारी कटौती की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग जल्द ही वित्त विभाग की सलाह से इस योजना को लागू करने की तारीख और विस्तृत एसओपी जारी करने जा रहा है। इस योजना के नियमों के अनुसार, जो भी कार्यरत कर्मचारी इस कैशलेस सिस्टम को चुनेंगे, उन्हें हर महीने मिलने वाले 1000 रुपए के चिकित्सा भत्ते के स्थान पर केवल 10 प्रतिशत यानी 100 रुपए ही मिलेंगे। वहीं दूसरी ओर, राज्य के करीब 4.24 लाख सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों (पेंशनर्स) को इस कैशलेस योजना का सदस्य बनने

के लिए अपनी एक महीने की पेंशन राशि एकमुश्त (एक साथ) फंड में जमा करानी होगी। इस पूरी योजना का संचालन स्वास्थ्य विभाग के अधीन आने वाली बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के भीतर एक अलग विंग बनाकर किया जाएगा। योजना को सुचारू रूप से शुरू और संचालित करने के लिए इस कॉर्पस फंड में 100 करोड़ रुपए की एकमुश्त प्रारंभिक राशि का योगदान देगी। बिहार सरकार ने साफ कर दिया है कि ये योजना बाध्यकारी नहीं है, जो कर्मी पुरानी व्यवस्था में रहना चाहते हैं, वे रह सकते हैं। वर्तमान व्यवस्था के तहत नियमित कर्मियों को बीमारी के इलाज का खर्च पहले खुद अस्पताल को देना पड़ता है, जिसके बाद सीजीएचएस दरों के आधार पर उनके मेडिकल बिल की प्रतिपूर्ति (रीइंबर्समेंट) की जाती है। अब इस कागजी प्रक्रिया और भागदौड़ को खत्म करने के लिए एक विशेष डिजिटल पोर्टल विकसित किया जा रहा है। इसी पोर्टल के माध्यम से योजना के सदस्यों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होगा, राज्य और बाहर के अस्पतालों को सूचीबद्ध (एम्पैनल) किया जाएगा, और कर्मियों के लिए कैशलेस कार्ड जारी होंगे। डिजिटल पोर्टल के निर्माण के बाद कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती होते समय जेब से पैसे देने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

मुख्तार अंसारी गैंग के सदस्य जफर उर्फ चंदा को झटका, कोर्ट ने 4 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने पर लगायी मुहर

बाराबंकी, 30 मई (एजें.)। माफिया मुख्तार अंसारी गैंग के सक्रिय सदस्य रहे जफर उर्फ चंदा को बाराबंकी गैंगस्टर कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अपराध से अर्जित बताकर जिला प्रशासन द्वारा कुर्क की गयी करीब 4 करोड़ रुपये की संपत्ति को मुक्त कराने की उसकी कोशिश नाकाम हो गयी। गैंगस्टर अपर जिला जज गैंगस्टर एक्ट न्यायाधीश विनय आर्या ने उसकी अपील खारिज करते हुए जिला प्रशासन की कार्रवाई को शुक्रवार को सही ठहराया है। पुलिस के अनुसार, कोतवाली नगर में वर्ष 2021 के एंबुलेस मामले में दर्ज मुकदमे में मुख्तार अंसारी समेत गैंग के अन्य सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की गयी थी। पुलिस जांच के दौरान जफर उर्फ चंदा की भूमिका सामने आई। पुलिस का दावा है कि वह मुख्तार अंसारी की सुरक्षा में हथियारों से लैस एंबुलेंस के साथ चलता था और गैंग की आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहता था। साक्ष्यों के आधार पर उसके और अन्य आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि जफर उर्फ चंदा ने पिछले एक दशक से अधिक समय में गैंग के जरिए अवैध तरीके से धन अर्जित कर अपने नाम पर बड़ी मात्रा में भूमि और अन्य संपत्तियां खरीदीं। जांच में उसकी संपत्तियों का वर्तमान बाजार मूल्य करीब 4 करोड़ रुपये आंका गया। इसके बाद जिला मजिस्ट्रेट बाराबंकी ने गैंगस्टर एक्ट की धारा 14 (1) के तहत सुनवाई पूरी कर संपत्तियों को राज्य के पक्ष में कुर्क करने का आदेश दिया था। जिला मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ जफर उर्फ चंदा ने गैंगस्टर न्यायालय में याचिका दाखिल कर कुर्की आदेश निरस्त करने और संपत्तियों को मुक्त कराने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने उसके पक्ष में प्रस्तुत तर्कों और साक्ष्यों को पर्याप्त नहीं माना। शासकीय अधिवक्ता प्रभाकर राय और रमेश चंद्र वर्मा ने बताया कि मऊ जिले में संजीवनी हॉस्पिटल के एम्बुलेंस पंजीकरण में फर्जी नाम पता और आईडी लगाई गयी थी। मुख्तार अंसारी को पंजाब जेल से कोर्ट पेशी के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। मामले में जफर उर्फ चंदा को नामजद किया गया था। कोर्ट ने याचिका को बलहीन बताते हुए खारिज कर दिया। इस फैसले के बाद जफर उर्फ चंदा की करीब 4 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियों पर जिला प्रशासन की कुर्की कार्रवाई करेगी।

शुभेंदु ने गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान की शुरुआत की

कोलकाता, 30 मई (भा.)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने किशोरियों को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से बचाने के लिए राज्यव्यापी ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान शनिवार को शुरू किया, जिसके तहत 14 वर्ष की आयु की लगभग 7.65 लाख लड़कियों का टीकाकरण किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल इस वर्ष की शुरुआत में एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम की राष्ट्रीय स्तर पर शुरुआत के बाद की गयी है और इसका उद्देश्य गर्भाशय ग्रीवा कैंसर को जनस्वास्थ्य के लिए खतरे के रूप में समाप्त करने में योगदान देना है। अधिकारी ने कहा, हम आज मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों, अनुमंडलीय अस्पतालों, ग्रामीण अस्पतालों तथा ब्लॉक अस्पतालों सहित 235 स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं। अभियान के तहत 14 वर्ष की आयु पूरी कर चुकीं और 15 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों को निर्धारित सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर गार्डासिल-4 टीके की एक खुराक निःशुल्क दी जाएगी। यह टीका एचपीवी के चार प्रकारों से सुरक्षा प्रदान करता है। अधिकारी ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 28 फरवरी को शुरू किये गये देशव्यापी एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं बंगाल को 7,72,650 टीके की खुराक निशुल्क उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा को धन्यवाद देना चाहता हूं। इससे हमें यह कार्यक्रम शुरू

करने में मदद मिली है। आने वाले दिनों में हम 880 केंद्रों पर यह अभियान चलाएंगे और मैं सभी से सहयोग की अपील करता हूं। राज्य सरकार द्वारा जारी बयान के अनुसार, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है। वर्ष 2024 में इसके अनुमानित 78,499 नये मामले सामने आए और इससे 42,392 महिलाओं की मौत हुई। बयान में कहा गया कि लगातार एचपीवी संक्रमण रहना गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लगभग सभी मामलों के लिए जिम्मेदार है और यह टीका बीमारी से लगभग पूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है। इसकी प्रभावशीलता दर 93 से 100 प्रतिशत है। बयान के अनुसार, यह टीका एचपीवी के उन 16 और 18 प्रकारों से सुरक्षा देता है, जो गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के अधिकतर मामलों के लिए जिम्मेदार होते हैं। यह एचपीवी के उन छह और 11 प्रकारों से भी बचाव करता है, जिनसे मस्से होते हैं। बयान में बताया गया कि 2022 तक दुनियाभर में इस टीके की 50 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी थीं और सुरक्षा को लेकर कोई बड़ी चिंता सामने नहीं आयी। इसमें बताया गया कि राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम शुरू होने के बाद भारत में 36 लाख से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं और किसी गंभीर प्रतिकूल प्रभाव की सूचना नहीं है। बयान में कहा गया, टीकाकरण के बाद हल्का बुखार या टीका लगने की जगह पर हल्की सूजन जैसी मामूली दिक्कतें आमतौर पर 48 से 72 घंटे में ठीक हो जाती हैं।

रामबन में खाई में गिरने से ट्रक में आग लगी दो लोग मरे

बनिहाल/जम्मू, 30 मई (भा.)। जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में शनिवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ट्रक के गहरी खाई में गिरने के बाद उसमें आग लग गयी, जिससे दो लोगों की मौत हो गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना रामसू इलाके में गंगरू के पास हुई। उसने बताया कि ट्रक में चूना पत्थर लदा था और ट्रक जम्मू से श्रीनगर की ओर जा रहा था, तभी गंगरू के पास चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन खाई में गिर गया और उसमें आग लग गयी। उसने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर रामसू थाना पुलिस, हिमालयन त्वरित प्रतिक्रिया दल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा की टीम मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि जब बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचा, तब तक वाहन पूरी तरह से आग की लपटों में घिर चुका था। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान के दौरान ट्रक के जले हुए केबिन से चालक और उसके सहायक के शव बरामद किये गये।

केरल में जंगली हाथी के हमले में बुजुर्ग की मौत

त्रिशूर, 30 मई (भा.)। केरल के त्रिशूर जिले में अथिराप्पल्ली के पास शुक्रवार देर रात एक जंगली हाथी के हमले में 62 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गयी। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना व्यक्ति के घर के पास हुई। मृतक की पहचान मोहनन के रूप में हुई है। वन मंत्री शिबू बेबी जॉन ने पत्रकारों को बताया कि एक सप्ताह में यह तीसरी ऐसी घटना है। उन्होंने कहा कि वन्यजीव हमलों की समस्या का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। जॉन ने बताया कि सरकार इस समस्या के दीर्घकालिक समाधान के लिए एक योजना पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इसके तहत पिछले छह महीनों में वन्यजीव हमलों से हुई मौतों की तथ्यान्वेषी जांच के आदेश दिये गये हैं। अधिकारी के अनुसार, यह घटना देर रात करीब 2.45 बजे हुई, जब मोहनन और उनके दो रिश्तेदार जंगल के करीब स्थित उनके इलाके में आए एक हाथी को भगाने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारी के अनुसार, हमले के बाद हाथी वापस जंगल में लौट गया। अधिकारी ने बताया कि हाथी के हमले में मोहनन गंभीर रूप से घायल हो गये और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद वन विभाग के अधिकारी इलाके में मौजूद हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हाथी जंगल में लौट चुका है और दोबारा न आए। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि वे लंबे समय से हाथियों के हमलों के डर में जी रहे हैं और सरकार की ओर से ठोस कदम नहीं उठाए गये हैं। वन मंत्री ने बताया कि मृतक के परिवार को 14 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मंजूर की गयी है, जिसकी पहली किस्त तुरंत दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अब से किसी भी वन्यजीव हमले की जिम्मेदारी वन विभाग की होगी और पीड़ित परिवारों के लिए सभी औपचारिक प्रक्रियाएं आसान की जाएंगी तथा उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

बस और मोटरसाइकिल की टक्कर, चार लोगों की मृत्यु

मुंबई, 30 मई (भा.)। महाराष्ट्र के परभणी जिले में एक निजी बस और मोटरसाइकिल की टक्कर हो जाने से दोपहिया वाहन पर सवार चार लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि मानवथ कस्बे के पास शुक्रवार रात हुए हादसे के बाद गुस्सायी भीड़ ने निजी बस में तोड़फोड़ की। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पुणे जा रही निजी बस की विपरीत दिशा से आ रही मोटरसाइकिल से टक्कर हो गयी जिससे दोपहिया वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारी ने बताया कि हादसे में शुभम अप्पाराव दाहे (30), विष्णु गोरे (28), प्रह्लाद अशोकराव कुटे (29) और नवनाथ शामराव जाधव (38) की मौके पर ही मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि कुछ शवों की हालत इतनी खराब थी कि शुरुआत में उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारी ने बताया कि जोरदार टक्कर की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गये और गुस्सायी भीड़ द्वारा निजी बस में कथित रूप से तोड़फोड़ किये जाने के बाद तनाव बढ़ गया जिससे परभणी-पाथरी राजमार्ग पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हुआ। उन्होंने बताया कि निजी बस के चालक को भारतीय न्याय संहिता (बीएनयेस) की धारा 106 (लापरवाही से मौत का कारण बनना) के तहत गिरफ्तार किया गया है।

महाराष्ट्र में एफडीए के तीन-दिवसीय अभियान में 33 लोग गिरफ्तार, 27 प्रतिष्ठान सील

मुंबई, 30 मई (भा.)। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अपने तीन दिवसीय राज्यव्यापी अभियान के दौरान 33 लोगों को गिरफ्तार किया है और 27 प्रतिष्ठानों को सील कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। एफडीए के आयुक्त तुकाराम मुंढे के अनुसार, यह विशेष अभियान 25 मई से 27 मई के बीच राज्य के छह प्रशासनिक मंडलों में चलाया गया। इस दौरान 20.67 लाख रुपये से अधिक मूल्य का सामान भी जब्त किया गया। इस संबंध में जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रतिबंधित उत्पादों और मिलावटी खाद्य सामग्री की बिक्री पर रोक लगाना, असुरक्षित खाद्य निर्माण इकाइयों के संचालन को बंद कराना तथा खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघनों पर कार्रवाई करना था। इसके तहत एफडीए ने गुटखा, पान मसाला और अन्य प्रतिबंधित उत्पादों के साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण और पैकेङ्गजग इकाइयों का भी निरीक्षण किया। मुंढे ने कहा कि हम बार-बार अपराध करने वालों के खिलाफ चैप्टर केस (एहतियातन कार्रवाई) दर्ज करेंगे और जो लोग जन-स्वास्थ्य से समझौता करते हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। केवल मुंबई महानगर क्षेत्र में ही 19 आरोपियों को हिरासत में लिया गया और 19 प्रतिष्ठानों को सील किया गया। एफडीए ने बताया कि यह कार्रवाई केवल प्रतिबंधित उत्पादों तक सीमित नहीं थी, बल्कि गुणवत्ता जांच के लिए पैकेटबंद पीने का पानी, दूध, जूस, कार्बोनेटेड पेय, खाने का तेल, मिठाइयां, आइसक्रीम, ताड़ी, मसाले, खोया, पनीर, घी, बेसन और बेकरी उत्पादों के नमूने भी एकत्र किये गये। इस अभियान के दौरान जलगांव के अधिकारियों ने दूध में खाने का तेल मिलाने वाले एक कथित गिरोह का भंडाफोड़ किया। वहीं पुणे के इंदापुर क्षेत्र में आमों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए रासायनिक पदार्थों के इस्तेमाल का पता चलने पर लगभग 20,000 रुपये के आम जब्त किये गये। धारावी स्थित एक नूडल बनाने वाली इकाई के खिलाफ लेबलिंग नियमों और खाद्य सुरक्षा कानूनों के कथित उल्लंघन के मामले में कार्रवाई की गयी। वहीं नासिक और पालघर में भी कई प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को लेकर कार्रवाई की गयी।

झारखंड में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पांच लोग मरे

रांची, 30 मई (भा.)। झारखंड के चार जिलों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पिछले 24 घंटों में एक लड़की और दो महिलाओं सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को गढ़वा जिले से दो लोगों की मौत तथा रांची, धनबाद और बोकारो से एक-एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली। एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को रांची के इटकी थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुल्ली गांव में अपने माता-पिता के साथ पेड़ से आम तोड़ रही 12 वर्षीय लड़की आश्रिता की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि उसके माता-पिता घायल हो गये और उन्हें स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि गढ़वा में कंडी थाना अंतर्गत गराखुर्द गांव में आकाशीय बिजली गिरने से 45 वर्षीय महिला की मौत हो गयी, जबकि बनजंघा गांव में 32 वर्षीय व्यक्ति की जान चली गयी। उन्होंने बताया कि धनबाद के राजगंज थाना क्षेत्र के चुंगी गांव में 44 वर्षीय महिला की मौत हो गयी जबकि बोकारो के पिंडराजोरा थाना क्षेत्र के बाबूडीह गांव में बिजली गिरने से 21 वर्षीय युवक की मृत्यु हो गयी। शुक्रवार को झारखंड के अधिकतर हिस्सों में भारी बारिश और बिजली गिरने की घटनाएं हुईं जो शनिवार सुबह भी जारी रही। इससे राज्य भर में अधिकतम तापमान में गिरावट आयी।

पृष्ठ 1 का शेष

तमिलनाडु में ...

ने सोशल मीडिया पर लिखा कि असम की मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था अब एक नये दौर में प्रवेश कर रही है। किसानों, मछुआरों, दुग्ध उत्पादकों और आत्मनिर्भर गांवों को सशक्त बनाकर विकास की मजबूत नींव तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि व्यवस्था, फसल बीमा, न्यूनतम समर्थन मूल्य और उत्पादन बढ़ाने के लक्ष्य के साथ राज्य का कृषि क्षेत्र आगे बढ़ रहा है। साथ ही मछली पालन, दुग्ध उत्पादन, पोल्ट्री और गांवों के छोटे उद्योग अब केवल रोजगार का साधन नहीं रहेंगे, बल्कि आत्मनिर्भर असम की आर्थिक ताकत के रूप में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। राज्य सरकार के इस एलान के बाद किसानों के बीच उम्मीद बढ़ी है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि सरकार इस योजना को जमीन पर कब और किस प्रक्रिया के तहत लागू करती है।

खेत्री में सड़क...

लिए कमरे भी बुक किये गये थे। हादसे के वक्त बोलेरो डॉ. बासार ही चला रहे थे। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सड़क पर ब्रेक लगाने के निशान नहीं मिले हैं। ऐसे में आशंका जतायी जा रही है कि लंबी यात्रा के दौरान चालक को झपकी आ गयी होगी, जिसके कारण वाहन सीधे ट्रक से जा टकराया। हालांकि सड़क किनारे ट्रक खड़ा होने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और यातायात विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। क्षतिग्रस्त बोलेरो को क्रेन की मदद से ट्रक के नीचे से बाहर निकाला गया। चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजन अरुणाचल प्रदेश से गुवाहाटी पहुंच गये हैं। लगातार दो दिनों में गुवाहाटी के आसपास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए अलग-अलग सड़क हादसों में सात लोगों की मौत ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

मुख्यमंत्री हिमंत...

कार्यक्रमों और आर्थिक विकास पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करते हुए अपने नए कार्यकाल की शुरुआत कर रही है। यह बातचीत विशेष रूप से असम और समग्र रूप से पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में विकास के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में राज्य सरकार और केंद्र के बीच घनिष्ठ समन्वय को भी दर्शाती है। राजनीतिक विश्लेषक इस बैठक को केंद्र-राज्य सहयोग को मजबूत करने और राजग नेतृत्व में असम के विकास एजेंडे के लिए निरंतर समर्थन सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम मान रहे हैं।

बंगाल में ....

करता। आप देख सकते हैं कि यहां कोई अधिकारी मौजूद नहीं है। पूरी घटना वीडियो में रिकॉर्ड हुई है। मैं इस मामले को राज्यपाल और हाईकोर्ट के संज्ञान में लाऊंगा। उन्होंने अपने साथ मौजूद लोगों को अधिकारियों को फोन करने, व्हाट्सएप संदेश भेजने और जवाब न मिलने पर उसके स्क्रीनशॉट सुरक्षित रखने के निर्देश दिये। टीएमसी सांसद ने कहा कि अगर मेरे साथ तैनात दो सुरक्षा अधिकारी यह घटना अपने वरिष्ठ अधिकारियों को बता रहे हैं, फिर भी कोई बल मौके पर नहीं पहुंच रहा है, तो साफ है कि उच्च अधिकारी इस पूरी घटना को जारी रखना चाहते हैं और राज्य सरकार की ओर से इसे रोकने की कोई कोशिश नहीं हो रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि जैसे यहां एक मौत हुई है, वैसे ही 2-4 और मौतें हों, तभी उन्हें चैन मिलेगा। उन्हें जो करना है करने दो। हमारे पास सब कुछ रिकॉर्ड है। हम अदालत जाएंगे। मैं इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक जाऊंगा। उन्होंने आगे कहा, उन्होंने ईंट फेंकी, अंडे फेंके और पत्थरबाजी की। मुझे बताइए यह क्या है। आसपास खड़े सभी लोग, इलाके के लोग वे अभी भी हमसे मिल रहे हैं और प्यार व सम्मान से हमारा स्वागत कर रहे हैं। जाकर पूछिए कि यहां हंगामा कौन कर रहा है। हमारे पास पूरे वीडियो सबूत हैं। पास में एक सामुदायिक भवन है, जहां सुबह 11 बजे से गुंडों को रखा गया था, ताकि वे पत्थरबाजी कर सकें। देखिये मेरे चश्मे की हालत क्या हो गयी है। उन्होंने ईंट से मेरी आंख पर वार किया, जिससे मैं आंख नहीं खोल पा रहा हूं। उन्होंने मेरी पीठ, छाती, हाथ और पैर पर मुक्के मारे। मैं हेलमेट पहने था, नहीं तो मेरे सिर के दो टुकड़े हो जाते। वे मेरे शरीर को गिरा सकते हैं। लेकिन मेरा हौसला मजबूत है। जुनून और उत्साह अभी भी है और यह सिर झुकेगा नहीं।

भतीजे पर...

आयी। वीडियो में प्रदर्शनकारी तृणमूल महासचिव को निशाना बनाते दिख रहे हैं। तृणमूल नेताओं ने आरोप लगाया कि यह घटना राजनीतिक रूप से प्रेरित थी। उन्होंने भाजपा पर अभिषेक बनर्जी की यात्रा को बाधित करने के लिए इस हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया।

ऊपरी असम...

अलावा गुवाहाटी से देरगांव के लिए गैर वातानुकूलित बस का किराया 520 रुपये और वातानुकूलित का 620 रुपये कर दिया गया है। गुवाहाटी से जोरहाट, टीयक, जांजी और गौरीसागर के लिए गैर वातानुकूलित बस का किराया 550 रुपये तथा वातानुकूलित बस का किराया 650 रुपये तय किया गया है। वहीं गुवाहाटी से शिवसागर जाने वाले यात्रियों को अब गैर वातानुकूलित बस के लिए 700 रुपये का भुगतान करना होगा। ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण बसों के किराए में हुई इस बढ़ोतरी से आम यात्रियों को अब अपनी यात्रा के लिए पहले से अधिक पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं।

दिल्ली तक...

की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी अभिषेक बनर्जी के प्रति एकजुटता दिखाते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बंगाल की वर्तमान अराजक भाजपा सरकार ने साबित कर दिया है कि वे नफरत और हिंसा के सिवा कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने इसे विपक्षी आवाज को दबाने की कोशिश बताया और कहा कि जनता इस तरह के हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगी। विपक्ष अब इस मुद्दे को संसद से लेकर सड़क तक उठाने की तैयारी में है। खड़गे और अखिलेश के बयानों ने साफ कर दिया है कि बंगाल की हिंसा अब सिर्फ राज्य का मुद्दा नहीं रह गयी है। अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के बाद तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। जगह-जगह विरोध प्रदर्शन शुरू हो गये हैं। वहीं, विपक्ष के इन बड़े बयानों के बाद प्रशासन पर हमलावरों की पहचान करने और सख्त कार्रवाई करने का दबाव दोगुना हो गया है।

असम साहित्य...

भी गुवाहाटी विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने साहित्य सभा से बिना किसी संपर्क या समन्वय के वहां पार्क निर्माण और बड़े भवनों का निर्माण कर अतिक्रमण किया है। हाल ही में जीएमडीए ने इस आवंटित भूमि पर एक बड़ा जलाशय भी खोदा है। गंभीर चिंता का विषय यह रहा कि आगामी असम विधानसभा चुनाव के मतगणना के दिन 4 मई को जीएमडीए के ठेकेदारों ने बिना किसी पूर्व सूचना या तालमेल के वहां स्थित असम साहित्य सभा के कार्यालय भवन और डॉ. भूपेन हजारिका सांस्कृतिक विश्वविद्यालय परियोजना के भवन को ध्वस्त कर दिया। साहित्य सभा ने इस पूरे मामले में मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। इस पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सचल के बजाय डॉ. भूपेन हजारिका सांस्कृतिक विश्वविद्यालय परियोजना के लिए किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर भूमि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा असम साहित्य सभा ने चंद्रकांत संदिकै भवन के शताब्दी महोत्सव की स्मृति को संजोए रखने के लिए राज्य की सभी 33 जिला सभाओं के कार्यालयों को चंद्रकांत संदिकै भवन के मॉडल पर बनाने, गुवाहाटी के भगवती प्रसाद बरुवा भवन की हीरा जयंती मनाने और वहां एक अतिथि गृह का निर्माण करने के लिए मुख्यमंत्री से वित्तीय सहयोग का अनुरोध किया। साथ ही लखीमपुर जिले में स्थित जातीय बाड़ी परियोजना की चौहद्दी के निर्माण की सुरक्षा का मुद्दा भी मुख्यमंत्री के सामने रखा गया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को ध्यानपूर्वक सुना और इन सभी समस्याओं व मांगों के त्वरित और सकारात्मक समाधान का पूरा आश्वासन दिया।

कर्नाटक में...

डीके शिवकुमार ने आज दोपहर राजभवन में राज्यपाल थावर चंद गहलोत से मुलाकात की। यह मुलाकात आज शाम को कांग्रेस विधायक दल के नेता के रूप में उनके औपचारिक चुनाव से पहले हुई। सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार ने राज्यपाल के साथ नये मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण के संबंध में अनौपचारिक चर्चा की, क्योंकि राज्यपाल के रविवार को उपराष्ट्रपति से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल जाने की संभावना है। कल दिल्ली में, सिद्धारमैया और शिवकुमार दोनों ने नये मंत्रिमंडल के गठन और सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया के संबंध में कांग्रेस नेतृत्व के साथ चर्चा की। मंत्री पद के इच्छुक उम्मीदवारों ने नयी दिल्ली में पार्टी के आलाकमान के सामने अपनी लॉबिंग के प्रयास तेज कर दिये हैं। जहां भंग मंत्रिपरिषद के कुछ मंत्री नये मंत्रिमंडल में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं इस बार मंत्रिमंडल में जगह पाने की उम्मीद रखने वाले विधायक भी राजधानी पहुंच गये हैं। वहीं ये ऐसी अटकलें जोरों पर हैं कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में इस बार एक से ज्यादा उपमुख्यमंत्री हो सकते हैं। चर्चा ये भी है कि सिद्धारमैया के मंत्रिमंडल के कई मंत्रियों को शायद दोबारा शामिल न किया जाए। सूत्रों के अनुसार, मंत्रिमंडल के गठन को लेकर पार्टी नेतृत्व के साथ चर्चा अभी भी जारी है। हालांकि अभी तक तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं हो पायी है।

मंगोलिया में...

पड़ोसी माना जाता है। आचार्य आज पूर्ण औपचारिक सम्मान के साथ पवित्र अवशेषों को लेकर इस यात्रा की शुरुआत की। इन अवशेषों को मंगोलिया में 9 जून तक भक्तों के दर्शन और श्रद्धा के लिए रखा जाएगा। इस ऐतिहासिक आध्यात्मिक प्रदर्शनी के दौरान मंगोलिया के कोने-कोने से बौद्ध भिक्षु, विद्वान, श्रद्धालु और आध्यात्मिक अनुयायी इन पवित्र अवशेषों के दर्शन और नमन करने के लिए जुटेंगे। इस यात्रा को दोनों देशों के बीच गहरी दोस्ती और साझी बौद्ध विरासत के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। पवित्र अवशेषों को सौंपने और प्रदर्शनी की शुरुआत कराने के बाद राज्यपाल आचार्य 3 जून को भारत लौट आएंगे, जबकि पवित्र अवशेष 9 जून तक वहीं रहेंगे।

दिल्ली पुलिस...

ये शहजाद भट्टी से जुड़े हैं जो दिल्ली समेत कई शहरों में साजिश को अंजाम देने की फिराक में लगे थे। ऐसी ही कार्रवाई महाराष्ट्र में भी की गयी, जहां से दो और पकड़े संदिग्धों को पकड़ा गया है। इसके अलावा पंजाब से तीन और संदिग्ध पकड़े गये हैं, जो दिल्ली में छतरपुर की तरफ जा रहे थे। प्रेस ब्रीफिंग में अनिल शुक्ला ने बताया कि इन्हें दिल्ली में सिक्योरिटी पर्सनल्स पर गोली चलानी थी। इनसे पूछताछ के बाद मुन्ना जगाड़ा के बारे में पता चला जिसने पहले छोटा राजन पर हमला किया था। ये सभी बदमाश मुन्ना के संपर्क में थे, वहीं इन बदमाशों को एक नेपाली से फाइनेंशियल सपोर्ट मिल रहा था। पकड़े गये संदिग्ध लोकेशन्स की वीडियोग्राफी कर रहे थे। इनके पास से दादर रेलवे स्टेशन के ब्रिज के वीडियो मिले, दिल्ली में भी इन्होंने कुछ वीडियो बनाये थे। जगाड़ा ने साल 2000 में अटैक किया था और वह पाकिस्तान भी गया था, जहां अपना नाम सलीम बताया था। इनके निशाने पर कई मुंबई की बिल्डिंग और वाइटल एस्टेब्लिशमेंट टारगेट थे। समय पर इनके पकड़े जाने से देश में बड़ी आतंकी साजिश का पर्दाफाश हो गया है। इनके पास से 4 ग्रेनेड, जिन्हें एनएसजी ने ब्लास्ट कर दिया और 25 जिंदा कारतूस बरामद हुए। करतूसों को पाकिस्तान का बताया जा रहा है। वहीं 2 ग्लॉक पिस्टल भी बरामद हुई हैं। ये सभी हथियार ड्रोन ड्रॉपिंग से भारत आये हैं। मुन्ना जगाड़ा अभी पाकिस्तान के कराची में है। बता दें पिछले साल में कई बार पाक सीमा पर ड्रोन देखें गये हैं, जो ड्रग्स के साथ-साथ हथियार ड्रॉप करने की कोशिश में थे।

सीयूईटी यूजी...

इसके लिए खेद जताया है। एनटीए ने तकनीकी सेवा देने वाली कंपनी टीसीएस आईओएन को इस गड़बड़ी की पूरी जांच करने और जल्द रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। एजेंसी के मुताबिक, लगभग 95 प्रतिशत उम्मीदवारों ने तकनीकी समस्या दूर होने के बाद अपनी परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी कर ली। हालांकि, 3,765 ऐसे उम्मीदवार थे, जिन्होंने बायोमेट्रिक सत्यापन करा लिया था और परीक्षा केंद्र पर मौजूद भी थे, लेकिन परीक्षा दोबारा शुरू होने से पहले ही केंद्र छोड़कर चले गये। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने माना कि इस तकनीकी रुकावट से छात्रों को परेशानी हुई है। एनटीए के अनुसार प्रभावित उम्मीदवारों के लिए जल्द ही नयी परीक्षा तिथि और अन्य जरूरी जानकारी जारी की जाएगी। इससे उन छात्रों को राहत मिलेगी जिनका पेपर बीच में प्रभावित हो गया था। सीयूईटी परीक्षा के तकनीकी संचालन की जिम्मेदारी संभाल रही कंपनी टीसीएस ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक के कृतिवासन ने बताया कि सुबह की शिफ्ट में एक संक्षिप्त तकनीकी समस्या सामने आयी थी। उनके मुताबिक इस समस्या की वजह से परीक्षा शुरू होने में करीब दो घंटे की देरी हुई। जैसे ही समस्या की जानकारी मिली, तकनीकी टीमों ने तुरंत काम शुरू किया और उसे ठीक कर दिया। इसके बाद परीक्षा सामान्य रूप से फिर शुरू कर दी गयी।

भारत ऑपरेशन...

दायरे में रहकर मदद की जरूरत पड़ती है, ताकि तेजी से फैसले ले सकें। बहुत सारी तकनीकों और संसाधनों को संभालने के लिए, ऑटोमेशन की जरूरत होती है, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इसमें बहुत अहम रोल निभाता है। भविष्य की लड़ाइयां केवल पारंपरिक तरीके से नहीं लड़ी जाएंगी, बल्कि ये कई मोर्चों पर होंगी। इनमें जमीन, हवा, समुद्र, अंतरिक्ष, साइबर, इलेक्ट्रोमैग्रेटिक, लोगों के दिमाग और सोच पर असर डालना शामिल होंगे। जब से मैंने कमान संभाली है, तब से 'ईगल ऑन द आर्म' (हाथ में बाज) की बात की है। मतलब हर सैनिक के हाथ में एक बाज होना चाहिए, हर सैनिक में ड्रोन उड़ाने की काबिलियत होनी चाहिए। हमारी अकादमियों और दूसरी जगहों पर इसके लिए ट्रेनिंग चल रही है। थिएटर कमांड व्यवस्था पर बोलते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि यह प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इससे जुड़ी पूरी रिपोर्ट रक्षा मंत्री को सौंप दी गयी है। इसका अलग-अलग लेवल पर रिव्यू भी चल रहा है। उन्होंने बताया कि नयी व्यवस्था में सेना, नौसेना और वायुसेना चीफ अपनी-अपनी सेनाओं की तैयारी और संसाधनों की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि थिएटर कमांडर जॉइंट मिलिट्री ऑपरेशन देखेंगे। सेना प्रमुख ने उम्मीद जतायी कि अगले 2 से 3 साल में यह व्यवस्था जमीनी स्तर पर लागू होती दिखायी दे सकती है, इसके लिए तीनों सेनाओं के प्रमुख हितों का ध्यान रखा जाए। अभी भारत में तीनों सेनाओं के अलग-अलग कुल 17 कमांड हैं। किसी सैन्य अभियान के दौरान तीनों सेनाएं मिलकर काम तो करती हैं, लेकिन उनकी कमान अलग-अलग रहती है। थिएटर कमांड व्यवस्था में किसी क्षेत्र या मिशन के लिए एक ही कमांडर होगा। इसके सेना की तीनों यूनिट्स एक साथ काम करेंगी। जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारतीय सेना युद्ध के बदलते रूप को समझते हुए खुद को भविष्य के लिए तैयार कर रही है। सेना डिकेड ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन (बदलाव के दस साल) पहल के तहत आधुनिक और तकनीक-सक्षम बल में बदलने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि सेना के भीतर मौजूदा संसाधनों से ही फर्स्ट रेजिमेंट बटालियन, दिव्यास्त्र बैटरियां, शक्तिमान रेजिमेंट, भारत बटालियन और दूसरी तकनीक-आधारित सैन्य संरचनाएं विकसित की जा रही हैं। इसमें युवा पीढ़ी की भूमिका को सेंटर में रखा गया है। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने यह कार्रवाई की थी। आतंकी हमले में 26 लोग मारे गये थे। इसके बाद भारतीय सेना ने 6-7 मई की रात केवल 24 मिनट में पीओके से ऑपरेट हो रहे 9 प्रमुख आतंकी लॉन्चपैड और ठिकानों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया था। सैटेलाइट इमेजेस के मुताबिक, भारत ने पाकिस्तान के सरगोधा, नूर खान, भोलारी और सुक्कुर एयरबेस को भी निशाना बनाया था, जिससे उन्हें भारी नुकसान पहुंचा था। सेना के अनुसार, इस ऑपरेशन में 100 से ज्यादा पाकिस्तानी जवान और कई कुख्यात आतंकवादी मारे गये थे। लेकिन 10 मई को दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा कर दी गयी।आर्मी चीफ बोले- भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तैयार : अभी केवल संघर्ष विराम; हमने बेंचमार्क बनाया कि भारत उकसावे पर कैसा जवाब देता है।

ट्रंप 80...

भी किया। पिछले साल उनके कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम की अतिरिक्त जांच हुई थी और उन्हें क्रॉनिक वेनस इनसफिशिएंसी नाम की बीमारी बतार्यी गयी थी। इस स्थिति में पैरों की नसों को खून वापस दिल तक पहुंचाने में दिक्कत होती है। रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रंप का कॉग्निटिव (याद रखने और फैसले लेने की क्षमता) और फिजिकल परफॉर्मेंस एक्सीलेंट है। डॉक्टर ने लिखा कि ट्रंप के व्यस्त शेड्यूल, लगातार मीटिंग्स, पब्लिक इवेंट्स और शारीरिक गतिविधियां उनकी ओवरऑल हेल्थ को सपोर्ट करती हैं। ट्रंप का वजन अब 238 पाउंड यानी करीब 108 किलो है। यह मेडिकल तौर पर मोटेपे के करीब है। अप्रैल 2025 की पिछली मेडिकल जांच में उनका वजन 224 पाउंड यानी करीब 101.6 किलो था। ट्रंप पहले सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं कि उन्होंने वजन घटाने वाली दवाएं नहीं ली हैं, हालांकि उन्होंने मजाक में यह भी कहा था कि शायद उन्हें लेनी चाहिए। जांच में शामिल डॉक्टर बारबाबेला ने ट्रंप को वजन कम करने, हेल्दी डाइट अपनाने और ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी की सलाह दी है। उन्हें कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ और वेट लॉस को लेकर काउंसलिंग भी दी गयी। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप इस समय कॉलेस्ट्रॉल और हार्ट की तीन दवाएं ले रहे हैं। इनमें दो दवाएं, रोसुवास्टैटिन और एजेटिमिब कॉलेस्ट्रॉल कंट्रोल के लिए है। वहीं एक लो-डोज एस्पिरिन हार्ट संबंधी बीमारियों से बचाव के लिए दी जा रही है। ट्रंप की सेहत को लेकर पिछले कुछ समय से सवाल उठते रहे हैं। लोगों ने उनके हाथों पर बार-बार नीले निशान देखे हैं। पहले व्हाइट हाउस ने कहा था कि ये लगातार हाथ मिलाने की वजह से हुए हैं। बाद में ट्रंप ने कहा कि बाएं हाथ का निशान मेज से टकराने और एस्पिरिन लेने की वजह से पड़ा। डॉक्टर बारबाबेला ने रिपोर्ट में दोनों वजहों का जिक्र करते हुए कहा कि एस्पिरिन लेने वालों में ऐसे निशान पड़ना आम और नुकसानरहित बात है। रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रंप के पैरों के निचले हिस्से में हल्की सूजन थी, जो पिछले साल की तुलना में बेहतर हुई है। हालांकि, इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गयी। ट्रंप और उनके डॉक्टरों पर लंबे समय से यह आरोप लगता रहा है कि वे उनकी सेहत को लेकर बहुत सीमित या जरूरत से ज्यादा सकारात्मक जानकारी सार्वजनिक करते हैं। 2015 में उनके निजी डॉक्टर हैरोल्ड बॉर्नस्टीन ने कहा था कि ट्रंप राष्ट्रपति चुने जाने वाले सबसे स्वस्थ व्यक्ति होंगे। वहीं 2018 में व्हाइट हाउस के डॉक्टर रॉनी जैक्सन ने कहा था कि अगर ट्रंप अपना खानपान सुधार लें तो वे 200 साल तक जी सकते हैं। 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान भी ट्रंप के डॉक्टर ने सिर्फ एक पन्ने की संक्षिप्त रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें वजन, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल स्तर और दवाओं जैसी बुनियादी जानकारियां भी शामिल नहीं थीं। चुनाव से पहले ट्रंप ने अपने कई स्वास्थ्य रिकॉर्ड सार्वजनिक करने से भी इनकार कर दिया था।

अदब का कोहिनूर थे बशीर बद्र......

मनोज चांडक नायाब
मो.न.-9859913535

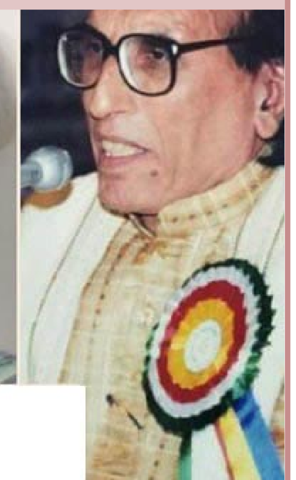

उनके इंतकाल की खबर सुनकर सबसे पहले ज़ेहन में यही शेर आया था, मानो उन्होंने खास अपने मरने के बाद गुनगुनाने के लिए लिखा था.....*उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में ज़िंदगी की शाम हो जाए।*

अट्ठाईस मई 2026 की अल सुबह जब आफताब मशरिक से निकला तो किसी ने नहीं सोचा था कि एक सुखन का चमकता सितारा हमेशा के लिए मग़रिब में डूब जाएगा। यह दिन अदब की दुनिया के लिए हैरान कर देने वाला दिन साबित हुआ, जैसे ही ख़बर मिली कि बशीर साहब का इंतकाल हो गया, पूरे भारत में और उर्दू अदब की दुनिया में मानों अंधेरा-सा छा गया।

उर्दू अदब के आसमान पर चमकता हुआ आफताब मानों अचानक दर्द के गहरे समंदर में समा गया हो। बशीर साहब का मासूम चेहरा सभी के जेहन में घूमने लगा और इस बात से सभी परेशान होने लगे कि रुमानियत और मोहब्बत का दरिया बहाने वाली कलम अब हमेशा-हमेशा के लिए खामोश हो चली है, वो पहाड़ जहां से हर्फ़ों के झरने निकलते थे, वो दरिया जिसमें ग़ज़लों की लहरें मचलती थी, अब सूख गई हैं, वो गुलिस्तां जहां नज़्मों के फूल खिला करते थे, अब उजड़ गए हैं, वो साज़ जिसमें से ज़िंदगी के तराने निकलते थे, अब टूट गए, वो आवाज़ जो बेसाख़्ता से कानों में पड़ती तो शुकुन दे जाती थी, अब खामोशी की चादर ओढ़ चुकी है।

अब इश्क़ के तराने कौन सुनाएगा, अब तुजुर्बा-ए-ज़िंदगी का सबक कौन देगा मगर यही इस दुनिया की रीत है। हर एक की सांसें मुकर्रर है, खुदा के बही खातों में, हर एक की धड़कनों का हिसाब रहता है। बशीर साहब के हिस्से में बस इतनी ही सांसें थी और उन्होंने अपने हिस्से की आखिरी सांस 26 मई को ली और 91 वर्ष में दुनिया को अलविदा कह दिया।

हालांकि उन्होंने एक लंबी ज़िंदगी जी है मगर कुछ शख़्सियतें होती ही ऐसी है कि वो जितना जिये कम ही लगता है, उनसे कभी दिल नहीं भरता। मरहूम बशीर बद्र फैजाबाद के एक गांव में 15 फरवरी 1935 को पैदा हुए थे। उनके पिता सैयद नाज़िर पुलिस महकमे में मुलाज़िम थे। उनके वालिद सैयद नज़ीर के इंतकाल होते ही पूरी जिम्मेदारी बशीर साहब पर आ गई और उनको अपनी तालीम बीच में ही छोड़नी पड़ी और अपने मरहूम वालिद की जगह पुलिस में नौकरी करनी पड़ी।

इन सबके बावजूद भी उन्होंने फिर से तालीम शुरू की और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से बीए व एमए और पीएचडी भी की। बशीर साहब मुश्किल उर्दू की जगह आम बोलचाल की जबान में शायरी करते थे, मगर उनके शेरों में बड़े गहरे मायने छुपे होते थे, इसीलिए वो जल्दी ही लोगों की जबान पर चढ़ गए।

उस वक्त के उर्दू अदब के नामचीन और परंपरावादी लोग इस पर तनकीद (आलोचना) किया करते थे कि ये भी कोई सब्जेक्ट है शायरी करने के, शायरी करनी है तो गुल-ओ-बुलबुल, *मीना-ओ-साक़ी,* महबूब की जुल्फें पर शायरी करें, ये कमरा-छत-गिलास-मकान, ये भी कोई लिखने की चीज़ है, मगर बशीर साहब ने मुश्किल और भारी-भरकम उर्दू की जगह आसान लफ्जों का इस्तेमाल किया, जिससे गैर उर्दू लोग भी उनकी शायरी समझने लगे और उनके मुरीद हो चले। जगजीत सिंह साहब ने भी उनकी ग़ज़लों को सुरों में ढाला है। कुछ शेर तो आज भी बच्चे-बच्चे की जबान पर है जैसे कि *हम भी दरिया हैं, हमें अपना हुनर मालूम है, जिस तरफ़ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा।* इस तरह के शेर बड़ा हौसला देते हैं।

कुछ शेर तो मानों ज़रब-उल-मिसल (कहावतें) बन गई जो बात-बात पर कहे जाते हैं और कुछ लोगों को तो यह भी नहीं मालूम कि ये बशीर साहब का एक शेर है *जैसे कुछ तो मजबूरियां रही होंगी, यूं कोई बेवफ़ा नहीं होता।*

कुछ शेरों में तो बड़ी गहरी और तुजुर्बे वाली बात होती है जैसे *कोई हाथ भी न मिलाएगा, जो गले मिलोगे, तपाक से, ये नए मिज़ाज का शहर है, ज़रा फ़ासले से मिला करो* और उनके इंतकाल की खबर सुनकर सबसे पहले ज़ेहन में यही शेर आया था मानो उन्होंने खास अपने मरने के बाद गुनगुनाने के लिए लिखा था.....*उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में ज़िंदगी की शाम हो जाए।*

1999 में भारत सरकार ने उनकी अदब में खिदमात को देखते हुए पद्मश्री से नवाजा था। उनकी शायरी में बनावटीपन नहीं होता था, ज़िंदगी के मुश्किल लम्हों में खाई चोटें हर्फ बन जाती थी और जब दर्द की इंतहा होती है तो शायरी के ज़रिए दर्द के नासूर से रिसकर ग़ज़लें फूटती है।

1987 के मेरठ दंगों में बशीर साहब का बेहद खूबसूरत आशियाना जला दिया जाता है जिसमें उनकी बेशकीमती डायरियां जिनमें न जाने कितनी ही ग़ैर-शायआ (अप्रकाशित) ग़ज़लें थी, बेशकीमती कागज़ात, कितनी यादें, सब जलकर खाक हो गया और इस घटना से बशीर साहब अंदर से पूरी तरह टूट चुके थे, तब उन्होंने अपने सबसे पसंदीदा शहर मेरठ शहर को हमेशा-हमेशा के लिए अलविदा कह दिया और भोपाल जा बसे और भोपाल में जब उनको अपने जले हुए घर की याद आई तो अपना दर्द इस शेर के ज़रिए बयां किया कि *लोग टूट जाते है एक घर बनाने में तुम तरस नहीं खाते बस्तियां जलाने में।* यह शेर आज भी दंगाइयों और आगजनी करने वाले नामाकूल लोगों की लानत-मलानत करने के लिए काफी है।

एक बड़ा ही दिलचस्प वाकया हुआ, बशीर साहब एमए की परीक्षा दे रहे थे और उनके हाथ में जो प्रश्न-पत्र था उसमें बशीर साहब के ही एक शेर की बाबत प्रश्न था। यह देख बशीर साहब भी बड़े हैरान थे की उनको उन्ही के शेर की समीक्षा करनी है।

उस वक्त तक बशीर साहब हिंदुस्तान में काफी नामचीन हो चुके थे। सच ही है, जब किसी शायर के शेर को परीक्षा-पत्र में सवाल के रूप में पूछा जाए तो फक्र तो होता ही है। बशीर साहब की दास्तान बड़ी लंबी है, उनकी शायरी के बारे में लिखो तो कागज़ कम पड़ जाएंगे। बशीर साहब के शेर अब आम बोलचाल में इस्तेमाल होते हैं, यही एक शायर की अजमत (महानता) का सुबूत है।

उनको आखिरी दिनों में *डिमेंशिया* (भूलने की) नाम की बीमारी हो गई थी, वो जानते थे कि लोगों की भी भूलने की बीमारी रहती है, मौत के कुछ ही सालों में लोग उनके इमदाद और खिदमात को भूल जाएंगे, इसका पक्का सुबूत ये है कि उनके जनाजे में 20 से 25 लोग ही शामिल थे, इतनी बड़ी शख्सियत के जनाजे में लोगों का न पहुंचना दिल को कचोटता है, इसी-लिए उन्होंने ऐसे उम्दा कलाम वक्त की पेशानी पर लिख छोड़े हैं कि हर कदम, हर मोड़, हर वाक़ये पर, उनके शेर याद आते रहेंगे, पढ़े और सुने जाते रहेंगे।

धूप की काव्य-छवियां

डॉ. मृदुल शर्मा

ऋतुएं हमारे जीवन को बहुत गहराई से प्रभावित करती हैं। अतः ऋतु-विषयक काव्य सृजन स्वाभाविक ही है। यहां उल्लेख है कि षट्-ऋतुओं में बसंत, पावस और शरद ऋतु विषयक काव्य हमारे साहित्य में बहुतायत में मिलता है, शिशिर, हेमंत और ग्रीष्म पर अपेक्षाकृत कम काव्य-सृजन हुआ है। यों भी वसंत सर्वाधिक मादक और मनभावन ऋतु है। इसके सापेक्ष पावस, शरद, शिशिर, ग्रीष्म और हेमंत ऋतुएं। क्रमवार मानव-मन को आकृष्ट करने की क्षमता से परिपूर्ण प्रतीत होती है। हमारे प्राचीन कवियों ने षड-ऋतु वर्णन और बारहमासा लिखकर कविता प्रेमियों को अपने-अपने ढंग से रसाभिसिक्त किया है। विभिन्न ऋतुओं पर अलग-अलग भी काव्य-सृजन बहुतायत में हुआ है और अद्यतन हो रहा है।

वसंत-वर्णन में तो कवि की लेखनी स्वयमेव गतिमान दिखाई देती है। पावस पर भी हिंदी काव्य में अत्यंत सरस रचनाओं का सृजन हुआ है। शरद की चांदनी और शिशिर की भोर के कहने ही क्या? इन विषयों पर बड़ी जानदार और रससिक्त रचनायें हमारे साहित्य-सागर में उपलब्ध हैं।

संभवतः हेमंत और ग्रीष्म दो ऐसी ऋतुएं हैं जिनमें अन्य ऋतुओं की अपेक्षा कम काव्य-सृष्टि हुई है। किंतु इन ऋतुओं पर भी प्रातिभ कवियों ने बड़े मनोहारी काव्य-दृश्य उपस्थित किए हैं-*कहलाने एकत बसत अहि-मयूर, मृग-वाघ। जगत तपोवन सो कियो, दीरघ दाघ निदाघ।।-बिहारी*

गर्मी की भयावहता का भरपूर वर्णन और वह भी इतने कम शब्दों में विरल ही है। ऐसा मनमोहक और प्रभातपूर्ण वर्णन बिहारी जैसे महाकवि द्वारा ही संभव है। रीतिकाल के ही एक अन्य सिद्ध कवि ने गर्मी की भीषणता का वर्णन करते हुए हवा के न चलने का अद्भुत कारण अपनी कल्पना शक्ति से खोज निकाला है-*मैरी जान मौनी सीरी ठौर को पकरि कौनौ घरी एक बैठि कहूं घामै बितवति है।।-सेनापति*

ऐसी कड़ी धूप, जिसे पवन भी बर्दाश्त न कर सके और कहीं छाया में बैठ धूप के जाने की प्रतीक्षा करे, उसका ताप किसे बेहाल नहीं कर देगा? प्राचीन काल के कवियों के समान ही वर्तमान काल के कवियों ने भी अपने-अपने ढंग से ग्रीष्म की विभीषिका का चित्रण किया है-*चाबूक लू लपटों की चला रहा ग्रीष्म थपेडों के मारता कोड़े। सोख लिए नद-नाले सभी, गढ़ई-गढ़े पोखर-ताल न छोड़े।।-सरस कपूर* तथा *ताप का उत्ताप नख-शिख व्याप्त होता जब, चिंतन-विचार क्रम भग्न कर देता है। मौत से भी अधिक भयावह ये आतप जो, जीवन उमंग से विपन्न कर देता है।।-कृष्ण मुरारी विकल*

दाह के कटाह में निमग्न इस भीषण ग्रीष्म में संपूर्ण पृथ्वी तप्त तवे के समान प्रतीत होती है, *उठत लपाके खूब झोंकन बयारि डोले, विहग समाज बन बीच में पियासो है। दुपहर बीच मारतंड की प्रचंडता सों देखो हरि भूतल ये तपत तवा सो है।।-हरनारायण दीक्षित हरि*

कुछ इसी प्रकार ग्रीष्म-चित्रण बद्री प्रसाद पाल जी ने भी किया है-*आंवा सी अवनी तैसै लावा सो बिछौना भयो, चंदन उसीर घनसार ताप ताए देत। शेष फुफकार लौ लगत बात, जारै गात, वारि परै मानौ तप्त तेल ढरकाए देत।।-बद्री प्रसाद पाल*

श्री अशोक कुमार पांडेय *अशोक* की अभिनव कल्पना भी दृष्टव्य है-*मृग-मृगराज हांफते है सिमटी है छांव, चूनर तरंगिणी की तार-तार हो गई। भस्म हुआ देख ऋतुनायक सहायक को कूद अग्नि कुंड में बहार क्षार हो गई।।*

उफ! यह गर्मी तो स्नेह-संबंधों पर भी भारी पड़ रही है-*शेखर कहां लौ कहौ करनी कठिन तेरी, मोह को, भया को महा प्रेम-तार तूरी तै। कीन्हो है बिलग मां सों पूत, पतिनी सों पति, नीरस निठुर ऐसो ग्रीषम गरूरी तै।।-शेखर भट्टाचार्य*

अब गर्मी को जो कवि जैसे अनुभव करेगा वैसे ही तो उसे अभिव्यक्त भी करेगा। पहाड़ के कवि को मारतंड की प्रचंडता का भान कहां? उसे तो रवि मक्खन के गोले जैसा ही लगेगा-*हंसता निदाघ रवि अंबर में माखन के कंदुक सा उज्ज्वल, हिम वाष्पों का मृदु पट बुनती, सुर धनु वितरित किरणें शीतल।।-पंत* और यदि मैदान में रह कर भी ग्रीष्म के दारुण ताप से स्वयं को बचाना है तो उसके पीछे-पीछे चलने में ही कुशल है-*तूती उसकी बोलती जो गर्मी के साथ।*
मीठा खरबूजा हुआ, खिन्नी हुई सनाथ। कह भुशुंडि भन्नाय सुधा रस्सी से चूती कुलफी है मुंह लगी, बोलती उसकी तूती।।-शारदा प्रसाद भुशुंडि

इधर नई कविता के समक्ष टिके रहने के लिए छंदकारों, विशेष रूप से गीतकारों और दोहाकारों ने अपनी अभिव्यक्ति की नए-नए अंदाज़ देकर अपने काव्य की रुचिकर बनाने का सफर प्रयास किया है-*गिरवी है नथ गंध की बंदी है मकरंद। उपवन में है इन दिनों सिर्फ़ शूल स्वच्छंद।।-शिव ओम अंबर*

नवगीतकार उत्तप्त मौसम में पागल सांड का अक्स देखता है-*आज मौसम सांड सा पागल हुआ है। लाल आंखें, गर्म सांसे छोड़ता है। बैठ कर कांधे, हवा के दौड़ता है। जल रहा धू! धू!, जले जैसे धुआं है।।-दिवाकर वर्मा*

ग्रीष्म-जन्य बेचैनी का यह अंदाज़े-बयां भी काबिले-गौर है-*बंटवारे हो रहे धूप में छांव के। प्यास जी रहे कुएं हमारे गांव के।।-यश मालवीय*

यह गर्मी, जिससे सारा जग बेहाल है, वह किसी-किसी को रास भी तो आ रही है-*बेहया फूले फले है, धैर्य-धन के दिन फिरे हैं, और कौओं को पके है आम। जंगलों से छांह भागी, ज़िंदगी हो गई बागी, एक वट का वृक्ष-चारों धाम।।*

कल्पना की यह अभिनव उड़ान भी दृष्टव्य है-*दोपहरी लौट रही। धूप की कड़ाही में दिन को फिर औट रही। गर्मी ने खेतों के तन दिए उधार, कोंच रही तन-मन को लू भरी बयार, कुइयां का उतर गया पानी, क्या खोट रही।।-बृजनाथ श्रीवास्तव*

अब पानी ऐसे ही तो उतरता नहीं। ज़रूर कोई न कोई खोट होती है, तभी किसी का पानी उतरता है। साधन-सुलभता के कारण नगरीय जीवन ग्रीष्म के दारुण ताप से अधिक प्रभावित नहीं होता। किंतु कभी-कभी जब व्यवस्था दांव दे जाती है तो स्थिति कुछ यों बनती है-*बिना चले ही, गर्म रेत पर चलने का अहसास। बंद हवा, बिजली का संकट, यत्न हुए सब फेल। मौसम और प्रशासन अपने दिखा रहे है खेल। बिना सूचना, नल का पानी, मना रहा अवकाश।।-नरेंद्र कुमार विजय*

गर्मी का चित्र खींचते-खींचते कवि कहां-कहां तक हमें ले जाता है-*सूर्य खुद अन्याय पर होता उतारू जब, चांद तक से आग की लपटें निकलती। चिनगियों का डर समूचे गांव को डसता, खौलते जल में बिचारी मछलियां मरती।-बुद्धि नाथ मिश्र*

यह भी ध्रुव-सत्य जैसा ही है कि जहां-जहां तन, कमज़ोर पड़ता है, वहां-वहां मन की ताकत ही परिस्थितियों से जूझने में काम आती है-*हर यात्रा खो गई तपन में सड़कें काया हीन हो गई। बस्ती-बस्ती लू से झुलसी, गलियां सब गमगीन हो गईं।-राधे श्याम बंधु*

इस दहकती धूप में भी अमलतास के बहाने कवि की स्वर्ण-पंखी कल्पना अपने नन्हें-नन्हें पंखों से असीम आकाश बांधती दिखाई देती हैं-*खिली सुनहरी सुबह ग्रीष्म की बिखरे दाने धूप के। कंचन पीकर मचले बेसुध, अमलतास के गात। ओस हो गई पानी-पानी, जब तक समझे बात। रही बांचती कुल अभियोजन, अनजाने प्रारूप के।।-निर्मल शुक्ल*

एक और मनोहारी दृश्य उपस्थित करते हुए नीलम श्रीवास्तव जी गुलमोहर के अप्रतिम सौंदर्य पर रीझते हुए कहते हैं-*यह समारोह सौंदर्य का, एक आभा घिरी मोहिनी, दाह के पल पिघलने लगे, बह चली एक मंदाकिनी, ज़िंदगी में कठिन ताप सह, दर्द में भी जिएं किस तरह, ये सिखाने लगा गुलमुहर, मन लुभाने लगा गुलमुहर।-नीलम श्रीवास्तव*

ऐसे ही और न जाने कितने ही उदाहरण एकत्र किए जा सकते हैं जो यह सिद्ध कर सकें कि एक ही दृश्य को देख कर भिन्न-भिन्न मानस-पटलों पर भिन्न-भिन्न छवियां बनती हैं और उनकी अभिव्यक्ति का ढंग भी एक-दूसरे से नितांत भिन्न होता है। जिसके मन में रसोदेक होता है वह कहीं भी, किसी भी परिस्थिति में और किसी को भी रसाभिसिक्त कर सकता है, फिर चाहे वह ज्येष्ठ मास के प्रचंड मार्तंड से उत्तप्त अंतहीन मरुथल ही क्यों न हो।

एक बात और कविता की केमिस्ट्री में विभिन्न रसायनों की स्वाभाविक क्रिया-प्रक्रिया को नवीनता, अनुपम गति प्रदान करती है। अतः कल्पना और अभिव्यक्ति में भी नवता के प्रति जो जितना अधिक सचेष्ट रहेगा, उस काव्य का रस कलश उतना ही अधिक समृद्ध होगा, जैसा कि उपरोक्त उदाहरणों से भी स्वतः स्पष्ट है।

काव्य-धारा

ऐसी-वैसी औरत

अंकिता जैन

कभी तिराहे पर, कभी आंगन में टांगा,
कभी किसी खटिया तो खूंटी से बांधा,
कभी मतलब से तो कभी यु हीं नकारा
कभी जी चाहा तो, खूब दिल से पुकारा
कभी पैसों से तो कभी बेमोल ही खरीदा,
मुझे पा लेने का बस यही तो है तरीक़ा,
नाम था मेरा भी पर किसे थी ज़रुरत,
कहते हैं लोग मुझे ऐसी-वैसी औरत।

अमलतास का फूल का रूप बड़ा ही सजीला होता है। प्रत्येक फूल में समान आकार की पांच पंखुड़ियाँ होती हैं। वनस्पति विज्ञान में फूलों की इस प्रकार की व्यवस्था को *पेंडुलस रेसीम* कहते हैं। अप्रैल, मई, जून में जब भीषण गर्मी होती है तब अमलतास के फलने का समय होता है। इसे अधिकांशतः सजावट की दृष्टि से पार्क में व सड़क के किनारे उगाया जाता है।

अमलतास-सा मन मेरा

अमर शर्मा

अमलतास मूल रूप से दक्षिण एशिया, दक्षिणी पाकिस्तान और भारत का वृक्ष है पर अमेरिका, म्यामार, श्रीलंका, बर्मा, वेस्ट इंडीज़ में भी बहुतायत से पाया जाता है। यह सूर्य प्रिय वृक्ष है जो लवण तथा आकाल की स्थिति को भी सह सकता है। अमलतास को उगाना ज़्यादा मेहनत वाला नहीं है हालांकि बीजों को उगाना थोड़ा मुश्किल होता है। बस एक बार जड़ पकड़ ले तो फिर यह परेशान नहीं करता और इसे फिर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत नहीं होती है।

रूखा मौसम यह बहुत पसंद करता है परंतु ज़रा-सी भी सर्दी अमलतास को पसंद नहीं। *गरमाल, राजवृक्ष, स्वर्णांश, बहावा, कोनराई* कितने ही नामों से पहचाने जाने वाले इस वृक्ष को अंग्रेज़ी में *गोल्डन शावर* या *गोल्डन ट्री* भी कहा जाता है।

वनस्पति विज्ञान में अमलतास को *कैसिया फिस्टुला* कहते हैं और आयुर्वेद में इसे स्वर्ण वृक्षा। वाल्मीकि ऋषि ने इसकी स्वर्णिम आभा को देखते हुए *कंचन वृक्ष* नाम दिया। इसके सौंदर्य के कारण भिन्न-भिन्न नामों से इसे अलंकृत किया गया है। भारत में प्रायः हर प्रदेश में इसका नाम अलग है। कहीं माला के समान लटकते फूलों के कारण इसे *कृतमाल* कहा गया तो कहीं इसकी सुंदरता व प्रकृति के कारण सोनहली। परंतु प्यार से दिए गए अमलतास के सभी नाम बड़े ही प्यारे हैं।

अमलतास की पत्ते एक से डेढ़ फिट लंबे, बड़े व संयुक्त होते हैं तथा चार से आठ पत्ते मिल कर जोड़े बनाते हैं। यों तो पत्ते बारहमासी होते हैं परंतु मार्च, अप्रैल के आसपास इसकी पत्तियां झड़ जाती हैं यानी कि जब अमलतास के पेड़ पर फूलों के आगमन का समय होता है तब यह अपनी पत्तियों को त्याग देता है।

अमलतास का फूल का रूप बड़ा ही सजीला होता है। प्रत्येक फूल में समान आकार की पांच पंखुड़ियाँ होती हैं। वनस्पति विज्ञान में फूलों की इस प्रकार की व्यवस्था को *पेंडुलस रेसीम* कहते हैं। अप्रैल, मई, जून में जब भीषण गर्मी होती है तब अमलतास के फलने का समय होता है। इसे अधिकांशतः सजावट की दृष्टि से पार्क में व सड़क के किनारे उगाया जाता है।

बारिश के मौसम में अमलतास पर फल आते हैं। इसके फल को *लेग्यूम* कहते हैं जो फली के आकार के होते हैं। लेग्यूम की गंध बड़ी ही तीखी होती है। एक फली में से तक भूरे रंग के बीज होते हैं। इसके बीज बहुत स्वादिष्ट होते हैं इसलिए इस पर कीड़े लगने का डर भी बना रहता है। फली के अंदर का गूदा काले रंग का होता है तथा बहुत ही मीठा भी होता है। बंदर इस फली के गूदे को बड़े ही चाव से खाते हैं। शायद इसीलिए अमलतास को *बंदर लाठी* नाम से भी जाना जाता है।

फली के अंदर पाए जाने वाले काले गूदे को गुजरात में *गरमाला नो गोल* यानी *अमलतास का गुड़* कहा जाता है। केरल की लोकभाषा मलयालम में अमलतास को *केनीकोन्ना* नाम से पहचाना जाता है। केरल के एक त्योहार *विशु* में केनीकोन्ना का खास महत्व है। विशु भगवान कृष्ण का ही एक और नाम है। विशु का त्योहार केरल के *मेदम* माह के पहले दिन मनाया जाता है। विशु में *विशुकन्नि* की पूजा, अर्चना होती है। पूजा में देवगृह में बाकी पूजा सामग्री के साथ अमलतास के फूलों को विशेष रूप से विशुकन्नि को अर्पित किया जाता है।

इस अवसर पर अमलतास की ऐसी धूम होती है कि सारे फूल तोड़ लिए जाते हैं। शायद ही कोई अमलतास ऐसा बचता हो जिस पर फूलों का चिह्न बचा दिखाई दे। अमलतास केरल का प्रांतीय पुष्प भी है।

अमलतास थाइलैंड का भी राष्ट्रीय फूल है। थाइलैंड की भाषा में इसे *डोक ख्यून* नाम से जाना जाता है। थाइलैंड में अमलतास कहीं भी आसानी से देखा जा सकता है। इसके फूलों का सुनहरी पीला रंग थाई राजसिकता व बौध धर्म के प्रतीक के रूप में माना जाता है। ऐसा भी माना जाता है कि पीला रंग सोमवार के दिन के लिए इंगित है और सोमवार के दिन ही थाइलैंड के राजा का जन्म हुआ था।

थाइलैंड में फूलों के एक समारोह में इसे शाही फूल *रेचाफ्रूइक* नाम दिया गया। रेचाफ्रूइक डोक ख्यून का ही एक और नाम है। अमलतास स्वास्थ्यवर्धक भी है जिसके कारण इसका प्रयोग अनेक दवाओं में होता है। मूलतः वनस्पति शास्त्र में अमलतास को औषधीय वृक्ष के नाम से जाना जाता है।

अमलतास का शाब्दिक अर्थ अम्लीय, क्षारीय प्रकृति वाला वृक्षा। क्षारीय प्रकृति होने के कारण अमलतास की छाल का उपयोग मुख्यतः चमड़ा-शोधन में किया जाता है। यूनानी दवाइयां बनाने के लिए अमलतास को बहुत उपयोग में लिया जाता है। इसका पाचन तंत्र पर बहुत ही अच्छा असर देखा गया है।

अमलतास के बीज के आसपास लगा गूदा पेट साफ़ करने के लिए दवा के रूप में प्रयोग में आता है। इसलिए जिन्हें कब्ज़ रहता है उन्हें इसके सेवन की सलाह दी जाती है। छोटे बच्चों को अमलतास के बीज पीस कर दिए जाते हैं जिससे उनके पेट में हवा बनने की समस्या नहीं होती तथा हाज़मा भी ठीक रहता है।

ऐसा भी माना जाता है कि यह शरीर में एकत्रित विषैले पदार्थों को निकालने में मदद करता है। यहां तक कि पेट के कीड़ों से निजात पाने के लिए भी अमलतास को उपयोग में लाया जाता है। यह मूत्र वर्धक के रूप में भी काम आता है।

अमलतास का गूदा पथरी, मधुमेह तथा दमे के लिए अचूक दवा के रूप में माना जाता है। यह एक अच्छा दर्द निवारक है साथ ही साथ रक्त शोधक के रूप में भी इसके सकारात्मक प्रभाव देखे गए हैं। त्वचा के लिए भी इसे उत्तम माना जाता है और त्वचा की जलन को कम करने के लिए इसका प्रयोग किया जाता हैं। यह गर्मी में त्वचा की देखभाल के लिए अच्छा साबित हो सकता है।

अमलतास की फलियों को चमत्कारिक गुणों से भरपूर माना जाता है। प्रायः अलसर, तेज़ बुखार, मलेरिया, पीलिया, कमज़ोरी एवं पेचिश जैसे रोगों में इनके प्रयोग गुणकारी सिद्ध हुए हैं। पुरानी मान्यता के अनुसार अमलतास की सूखी फली को यदि तकिए के नीचे रखकर सोया जाए तो बुरे, डरावने व दुखद स्वप्नों से मुक्ति मिलती है अतः भीरु प्रकृति के लोगों के लिए यह एक सफल टोटके की तरह सिद्ध हुआ है।

मैक्सिको में यह वृक्ष आग जलाने के स्रोत के रूप में जाना जाता है। इसकी लकड़ी लाल भूरा रंग लिए होती है तथा मज़बूत, भारी व स्थाई होने के कारण कहीं-कहीं फर्नीचर बनाने के काम में आती है। अमलतास के बीज में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट व वसा होता है। फूलों में भी विभिन्न प्रकार के कार्बनिक रसायन पाए जाते हैं।

व्यंग्य

श्श्श्श! किसी को मत बताना!

चंचला बोरा

दस-बारह साल पुरानी बात है। हमारे एक सहकर्मी की अकाल मृत्यु हो गई। एक सहकर्मी ने मुझे फोन करके इस दुखद घटना के बारे में बताया। उसने ज़ोर देकर कहा कि मैं किसी और को ना बताऊं क्योंकि मर्डर का केस है, बात अभी सीक्रेट है, और पुलिस का मामला है। सुबह 3 बजे, एक और सहकर्मी ने मुझे उसी जानकारी, उसी तत्परता, और उसे साझा न करने की उसी चेतावनी के साथ मैसेज भेजा। अगले दिन ऑफिस में एक तीसरे व्यक्ति ने वही कहानी सुनाई, और फिर नाटकीय ढंग से इधर-उधर देखने लगा मानो पुलिस ने गुप्तचर लगा रखे हो।

अब तक मेरे मन से दुख निकल चुका था और उसकी जगह झुंझलाहट ने ले ली थी। मैंने पूछा कि अगर खबर इतनी गोपनीय है तो हर दूसरा व्यक्ति इसे मुझे क्यों सुना रहा है? मेरी बात सुनकर वो निराश-सा दिखा और चला गया।

मुझे यह समझने में काफी समय लगा कि समाज प्राइवेसी या गोपनीयता को एक सामूहिक गतिविधि मानता है। सार्वजनिक स्थानों पर गौर कीजिए। अस्पताल के वेटिंग रूम में बैठा एक आदमी अजनबियों के बीच, तेज़ आवाज़ में कोलेस्ट्रॉल के स्तर, संपत्ति विवाद, और अपने बेटे के असफल विवाह प्रस्ताव के बारे में बात करता मिलेगा। ट्रेन में बैठी एक महिला ससुराल का पूरा राजनीतिक इतिहास तीन सीट दूर बैठे व्यक्ति तक को सुनाएगी। किराने की दुकानों में पारिवारिक झगड़े स्पीकर फोन पर ही होते हैं मानो प्याज़ और शैम्पू को भी जानकारी देनी हो। हम ओटीपी, पासवर्ड छुपाते हैं, कीपैड को ढकते हैं, एटीएम में धीमी आवाज़ में बात करते हैं। यह अंतर स्पष्ट है। वित्तीय डेटा संवेदनशील होता है। निजी जीवन बातचीत का विषय होता है।

डिजिटल जीवन ने इस विरोधाभास को और भी स्पष्ट कर दिया है। ऐप्स का हमारी बातें सुनना, डेटा ट्रैक करना, प्राइवेसी का उल्लंघन करना चिंता का विषय है। पर हम लाइव लोकेशन शेयर करते हैं, किस रेस्तरां में खाना खा रहे हैं, कौन-से पार्क में घूम रहे हैं, किस एयरपोर्ट से, कौन-सी फ्लाइट से कहां जा रहे हैं, किस होटल में ठहरे हैं, जैसी पर्सनल गतिविधियों को उपलब्धियों की तरह घोषित करते हैं।

परिवारों में प्राइवेसी की अवधारणा काल्पनिक बात है। एक आदमी की निजी जानकारी को सामूहिक ज्ञान माना जाता है, जो चर्चा, व्याख्या, और वितरण के लिए उपलब्ध होता है। किसी की बीमारी का पता चलता है तो ग्यारह रिश्तेदार व्हाट्सएप पर इलाज की योजनाओं पर ऐसे चर्चा करने लगते हैं मानो गठबंधन सरकार हो। चाचा-मामा आयकर अधि-कारियों की तरह वेतन का ब्यौरा पूछते हैं। चाची-मामी खोजी पत्रकारों की तरह प्रजनन संबंधी गतिविधियों की पड़ताल करती हैं। आपका जीवन रिश्तेदारों द्वारा सामूहिक रूप से संचालित एक सार्वजनिक ढांचा माना जाता है।

यह प्रसाद की तरह एक व्यक्ति से दूसरे तक सावधानीपूर्वक पहुंचाया जाने वाला रहस्य है। जानकारी लीक नहीं की जाती, बल्कि चिंता साझा की जाती है।

हम वास्तव में गोपनीयता नहीं चाहते। हम चुनिंदा पहुंच चाहते हैं। हम सूचना प्रसारित करने का अधिकार चाहते हैं, साथ ही यह भी नियंत्रित करना चाहते हैं कि इससे किसे ठेस पहुंचती है। इसलिए *केवल हमारे बीच* जैसे वाक्यांश, उनके विरुद्ध भारी सबूतों के बावजूद, आज भी प्रचलित हैं। ये रस्में हैं। खुलेआम घुसपैठ पर छिड़का गया सामाजिक परफ्यूम।

हम यह मानना पसंद करते हैं कि प्राइवेसी का मतलब यह तय करना है कि हमारे पास क्या रहेगा और दुनिया में क्या जाएगा। हम विवेक का प्रदर्शन करते हुए जानकारी का प्रसार करते हैं। *किसी को मत बताना* वक्ता को ज़िम्मेदार दिखाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। लहजा सतर्क रहता है। हम प्राइवेसी के प्रति लापरवाह नहीं हैं। हम इस बात को लेकर सतर्क हैं कि हम इसे किस तरह खोना चाहते हैं। *(नोट : उस सहकर्मी की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हुई थी। मर्डर और पुलिस की अफवाह इसलिए फैली क्योंकि ऑफिस में लोग बोर हो रहे थे।)*

हम वास्तव में गोपनीयता नहीं चाहते। हम चुनिंदा पहुंच चाहते हैं। हम सूचना प्रसारित करने का अधिकार चाहते हैं, साथ ही यह भी नियंत्रित करना चाहते हैं कि इससे किसे ठेस पहुंचती है।

विनेश फोगाट एशियाड ट्रायल में नया मोड

WFI केवल 50 किलो वर्ग में लेने देगा हिस्सा

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ और स्टार पहलवान विनेश फोगाट के बीच विवाद एक नया मोड़ ले सकता है चूंकि राष्ट्रीय महासंघ ने उसे एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में सिर्फ महिलाओं के 50 किलो वर्ग में भाग लेने की अनुमति देने का फैसला किया है। डब्ल्यूएफआई सूत्रों के अनुसार महासंघ के अधिकारियों ने उसके पसंदीदा भारवर्ग को लेकर पुष्टि

का इंतजार किया, लेकिन दो बार की विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता विनेश की ओर से शुक्रवार रात तक उन्हें कोई सूचना नहीं मिली। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने विनेश फोगाट को ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दे दी थी। विनेश ने पेरिस ओलंपिक 2024 समेत पिछले कुछ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में 50 किलो वर्ग में ही भाग लिया था लिहाजा वह इसी भारवर्ग में उतरेंगी। महासंघ के सूत्र ने बताया, ' मुख्य कोच और तकनीकी अधिकारियों के लिये यह जानना जरूरी है कि कौन सा पहलवान किस भारवर्ग में उतरेगा। हमने देर शाम तक इंतजार किया लेकिन कोई ईमेल, मैसेज या औपचारिक सूचना विनेश की तरफ से नहीं मिली।'

ट्रायल कड़े नियमों के तहत होंगे– समझा जाता है कि विनेश 53 किलो वर्ग में उतरने की तैयारी कर रही है और इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर में ही अभ्यास कर रही हैं जहां ट्रायल होने हैं। महासंघ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वे न्यायालय के निर्देश का सम्मान करते हैं, लेकिन ट्रायल उनके अपने कड़े नियमों के तहत होंगे। महासंघ सभी प्रतिभागियों को वजन में एक किलो तक की रियायत देगा यानी अगर विनेश को 50 किलो वर्ग में भाग लेना है तो उसे अपना वजन 51 किलो करना होगा।

फ्रेंच ओपन में उलटफेर का दौर

● फोंसेका ने नोवाक जोकोविच को हराया ● कोलिंगन ने शेल्टन को हराया ● जानिक सिनर टूर्नामेंट से बाहर

उलटफेर का शिकार हुए नोवाक जोकोविच फोंसेका ने रोमांचक मुकाबले में हराया

पेरिस। ब्राजील के 19 वर्षीय खिलाड़ी जोआओ फोंसेका ने बड़ा उलटफेर करते हुए तीन बार की चैंपियन नोवाक जोकोविच को तीसरे राउंड में हराकर फ्रेंच ओपन 2026 से बाहर कर दिया। दो सेट से पिछड़ने के बाद फोंसेका ने मुकाबले में जबरदस्त वापसी की और हर किसी को अपने खेल से चौंका दिया। पहले दो सेट के बाद फोंसेका के चेहरे पर निराशा दिख रही थी, जबकि जोकोविच दोनों सेट जीतकर मैच पर पूरी तरह से दबदबा बनाए हुए थे। हालांकि, ब्राजील के खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट जीतकर रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले जोकोविच को 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हरा दिया। क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में यह दूसरा सबसे बड़ा उलटफेर है। जोकोविच से पहले जैनिक सिनर भी टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। नतीजतन, पुरुषों के सिंगल्स मुकाबले में अब खिताब जीतने की दौड़ और ज्यादा खुली हो गई है, और कई खिलाड़ियों के पास जीतने का अच्छा मौका है। फोंसेका ने लगभग 4 घंटे 53 मिनट तक चले लंबे और कड़े मैच में जीत दर्ज की। चौथे सेट में 3-4, 15/40 पर सर्व करते समय फोंसेका हार से सिर्फ पांच पॉइंट दूर थे, लेकिन 28वीं वरीयात प्राप्त वाले खिलाड़ी ने उन दो ब्रेक पॉइंट को रोक दिया और उस मोमेंटम का फायदा उठाते हुए जोकोविच को निर्णायक सेट खेलने के लिए मजबूर कर दिया। मैच के दौरान जोकोविच कई बार थके हुए और शारीरिक रूप से परेशान नजर आए। इसके बावजूद 39 वर्षीय खिलाड़ी ने हार नहीं मानी और निर्णायक पांचवें सेट में शुरुआत में ही 3-1 की बढ़त हासिल कर ली। फोंसेका ने फिर से वापसी की। उन्होंने आखिरी आठ में से छह गेम अपने नाम करते हुए एक यादगार जीत हासिल की। 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन में एंड्री रुबलेव को हराने के बाद, यह किसी टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ उनकी दूसरी जीत है। जोकोविच के खिलाफ अपने पहले टूर-लेवल मुकाबले में जीत हासिल करके फोंसेका ने इतिहास रच दिया। वह ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच को हराने वाले पहले किशोर (टीनेजर) खिलाड़ी बन गए हैं। फोंसेका पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर में पहुंचे हैं।

जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हारकर जानिक सिनर टूर्नामेंट से बाहर

फ्रेंच ओपन में गुरुवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला था। टूर्नामेंट में एकल खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे इटली के जानिक सिनर टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी सिनर को अर्जेंटीना के जुआन मैनुअल सेरुंडोलो ने 3-6, 2-6, 7-5, 6-1, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ ही सिनर का करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने का सपना टूट गया। पांच सेट तक चले इस मुकाबले में जब सिनर अपने दूसरे राउंड के मैच के तीसरे सेट में 5-1 से आगे चल रहे थे, तब ऐसा लग रहा था कि जीत उनकी ही होगी। लेकिन, अचानक सिनर को मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या हुई। 24 साल के सिनर ने दो बार मैच को अपने नाम करने के लिए सर्विस की, लेकिन दोनों बार वह नाकाम रहे। इसके अलावा, 5-4, 0/40 के स्कोर पर उन्हें कोर्ट से बाहर जाकर मेडिकल सुविधा लेनी पड़ी। उसके बाद सिनर कभी फिट नहीं हो पाए।

कोलिंगन ने शेल्टन को हराया

फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेर का दौर जारी है। मेंस सिंगल्स में राफेल कोलिंगन ने अब पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बेन शेल्टन को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। कोलिंगन ने यह मुकाबला सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 6-4 से जीता और तीसरे राउंड में जगह बना ली। कोलिंगन की इस जीत के साथ टॉप हाफ ड्रॉ में अब सिर्फ एक टॉप-8 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ही बचा है। दो घंटे, तीन मिनट की इस जीत में कोलिंगन ने 49 में से 43 फर्स्ट-सर्व पॉइंट हासिल किए और उन्हें कभी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा। फ्रेंच ओपन की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के 62वें नंबर के खिलाड़ी राफेल कोलिंगन ने एक खास उपलब्धि हासिल की है। वे पिछले 13 सालों में पहले ऐसे बेल्जियन खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने किसी बड़े टूर्नामेंट में टॉप-5 सीड खिलाड़ी को हराया है। इससे पहले यह कारनामा 13 साल पहले कोच डार्सिस ने विंबलडन में राफेल नडाल को हराकर किया था। पिछले साल सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेविस कप मुकाबले में भी राफेल कोलिंगन ने बड़ा उलटफेर किया था, जब उन्होंने एलेक्स डी मिनौर को हरा दिया था। यह उनकी दूसरी बार किसी टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ जीत थी। इस टूर्नामेंट में चौथे सीड फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ही टॉप हाफ में अकेले बचे हुए टॉप-8 सीड खिलाड़ी रह गए थे, यानी बाकी बड़े खिलाड़ी पहले ही बाहर हो चुके थे। कोलिग्नन का अगला मुकाबला इटली के माटेओ अर्नाल्डी से होगा, जिन्होंने 2021 में फाइनल में पहुंचने वाले स्टेफानोस सितसिपास को 7-6(2), 5-7, 6-3, 6-2 से हराया। दूसरे मुकाबलों में, ऑगर-अलियासिमे ने अर्जेंटीना के रोमन एंड्रेस बुरुचागा को 4-6, 6-0, 7-5, 6-1 से हराया और कोबोली ने वू यिबिंग को 6-4, 6-4, 6-4 से मात दी।

वैभव ने रचा इतिहास

IPL में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बैटर बने

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी की किस्मत ने एक बार फिर से उनके साथ दगा किया और वो एलिमिनेटर के बाद दूसरे क्वालिफायर में भी शतक के करीब आकर 96 रन पर रबाडा की गेंद पर कैच आउट हो गए। वैभव ने गुजरात के खिलाफ खेली इस पारी के दौरान इस लीग में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बैटर बने। उन्होंने साई सुदर्शन और डेवोन कॉनवे के इस रिकॉर्ड को भी तोड़ा।

वैभव ने तोड़ा साई सुदर्शन का रिकॉर्ड– वैभव ने आईपीएल में सिर्फ 23 पारियों में अपने 1000 रन पूरे किए और वो अब इस लीग में सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले भारतीय बैटर बने। वैभव ने साई सुदर्शन का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिन्होंने ये कमाल सिर्फ 25 पारियों में किया था। इस लिस्टमें तीसरे नंबर पर रजत पाटीदार हैं जिन्होंने ऐसा 30 पारियों में किया था।

सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले भारतीय बैटर्स

- 23 पारी – वैभव सूर्यवंशी
- 25 पारी – साई सुदर्शन
- 30 पारी – रजत पाटीदार
- 31 पारी – सचिन तेंदुलकर
- 31 पारी– ऋतुराज गायकवाड़
- 33 पारी –तिलक वर्मा
- 34 पारी –सुरेश रैना
- 34 पारी– यशस्वी जयसवाल।

वैभव ने तोड़ा जोस बटलर का 4 साल पुराना महारिकॉर्ड

एक सीजन में सबसे ज्यादा बाउंड्रीज लगाने बैटर बने

नई दिल्ली। वैभव ने आईपीएल 2026 के दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में गुजरात के खिलाफ 96 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 47 गेंदों पर 96 रन बनाए। वैभव ने अपनी इस पारी में 7 छक्के और 8 चौके लगाए और इन 15 बाउंड्रीज के दम पर वो इस लीग के एक सीजन में सबसे ज्यादा बाउंड्रीज लगाने वाले प्लेयर भी बने। वैभव ने जोस बटलर का 4 साल पुराना महारिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

टॉप-6 बैटर

- 129 बाउंड्रीज : वैभव सूर्यवंशी (2026)
- 128 बाउंड्रीज : जोस बटलर (2022)
- 121 बाउंड्रीज : विराट कोहली (2016)
- 119 बाउंड्रीज : डेविड वार्नर (2016)
- 118 बाउंड्रीज : शुभमन गिल (2023)
- 109 बाउंड्रीज : साई सुदर्शन (2025)

वैभव ने तोड़ा बटलर का 4 साल पुराना रिकॉर्ड– वैभव ने आईपीएल 2026 में दूसरे क्वालिफायर मुकाबले तक कुल 129 बाउंड्रीज लगाए हैं और वो आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा बाउंड्रीज लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए। वैभव ने बटलर का 4 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। बटलक ने साल 2022 में कुल 128 बाउंड्रीज लगाए थे। इस लिस्ट में विराट कोहली 121 बाउंड्रीज के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

देवदत्त-अंगकृष से आगे निकले वैभव

वैभव ने बतौर अनकैप्ड प्लेयर आईपीएल 2026 में छठी बार 50 प्लस की पारी खेली और वो इस लीग में एक सीजन में बतौर अनकैप्ड प्लेयर सबसे ज्यादा 50 प्लस की पारी खेलने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में शॉन मार्श, यशस्वी जायसवाल और प्रभसिमरन सिंह के साथ संयुक्त रूप में पहले नंबर पर आ गए।

● गिल-सुदर्शन की दमदार पारी

जीटी ने चेज किया आईपीएल प्लेऑफ इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य

न्यू चंडीगढ़। आईपीएल 2026 के दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 7 विकेट से हराया। आरआर से मिले 215 रनों के लक्ष्य को जीटी ने 3 विकेट खोकर 18.4 ओवर में हासिल किया। आईपीएल के प्लेऑफ मुकाबले में सबसे बड़ा रन चेज करने का रिकॉर्ड भी अब गुजरात टाइटंस के नाम दर्ज हो गया है। जीटी से पहले यह रिकॉर्ड पंजाब किंग्स के नाम था, जिन्होंने आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए दूसरे क्वालीफायर में 204 रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था।

गिल ने खेली IPL प्लेऑफ में सबसे बड़ी कप्तानी पारी

गुजरात के कप्तान शुभमन गिल गुजरात की जीत के नायक रहे और उनकी पारी के दम पर ही राजस्थान को दूसरे क्वालिफायर में गुजरात ने 7 विकेट से हरा दिया। गिल ने इस मैच में 104 रन की पारी खेली और कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए। गिल ने आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया।

गिल ने तोड़ा रजत का रिकॉर्ड

गिल ने गुजरात के खिलाफ अपना शतक 47 गेंदों पर पूरा किया और वो आईपीएल प्लेऑफ में राजस्थान के खिलाफ सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बने। यही नहीं गिल अब बतौर कप्तान आईपीएल प्लेऑफ में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले खिलाड़ी भी बन गए साथ ही वो आईपीएल प्लेऑफ में शतक लगाने वाले पहले कप्तान भी बने।

साई सुदर्शन फिर हुए हिट विकेट

नई दिल्ली। क्रिकेट में बहुत कम ही मौकों पर बल्लेबाज को हिट विकेट होते देखा जाता है, लेकिन गुजरात टाइटंस के ओपनर साई सुदर्शन के मामले में कहानी कुछ अलग है। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में वह

शुक्रवार (29 मई) को क्वालिफायर–2 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हिट विकेट हुए। वह लगातार दूसरे मैच और आईपीएल करियर में तीसरी बार हिट विकेट हुए। क्वालिफायर–1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ साई का बल्ला छूटकर स्टंप पर लग गया था।

पहले हरी झंडी मिली, फिर राइफल पर लगी रोक

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर विश्व कप निशानेबाजी के फाइनल से बाहर

नई दिल्ली। म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप में भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर के साथ ऐसा हुआ, जिसकी शायद उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। जिस राइफल को प्रतियोगिता से पहले तकनीकी जांच में मंजूरी मिल गई थी और जिससे उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई, उसी राइफल में बाद की जांच के दौरान खामी बताकर उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया।

शुक्रवार बना उम्मीदों और निराशा का दिन– इस फैसले ने न सिर्फ उनके पदक जीतने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, बल्कि एशियाई खेलों के चयन की राह भी मुश्किल बना दी है। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर के लिए शुक्रवार 29 मई 2026 का दिन उम्मीदों और निराशा का मिश्रण लेकर आया। क्वालिफिकेशन दौर में शानदार प्रदर्शन कर पांचवें स्थान पर पहुंचने के बावजूद उन्हें फाइनल से पहले अयोग्य घोषित कर दिया गया। दो बार के ओलंपियन ऐश्वर्य सिंह तोमर ने क्वालिफिकेशन में 592 का मजबूत स्कोर बनाया था, लेकिन पदक दौर से पहले शीर्ष 10 निशानेबाजों की अनिवार्य उपकरण जांच में उनकी राइफल में खामी पाई गई।

जूरी ने नहीं मानीं दलीलें

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के सूत्रों के अनुसार, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर पिछले एक साल से इसी राइफल का इस्तेमाल कर रहे थे। प्रतियोगिता शुरू होने से पहले हुई पूर्व–जांच में राइफल को पूरी तरह सही पाया गया था और ऐश्वर्य ने क्वालिफिकेशन में भी इसी राइफल का इस्तेमाल किया था।

पीएम-सेतु के तहत आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया के पहले स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट प्लान को मिली मंजूरी

गुवाहाटी, 30 मई। प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम-सेतु) योजना के तहत एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, नेशनल स्टीयरिंग कमेटी (एनएससी) ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम आईटीआई क्लस्टर के लिए स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को मंजूरी दे दी है, जिसे आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) ने अपने एकेडमिक पार्टनर न्यू एज मेकर्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (नेमटेक) के साथ मिलकर प्रस्तुत किया गया था। यह मंजूरी पीएम-सेतु के तहत स्वीकृत होने वाली पहली स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट प्लान है, और इसके साथ ही आंध्र प्रदेश इस योजना के तहत किसी उद्योग के साथ साझेदारी को लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। यह मंज़ूरी केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा नयी दिल्ली के कौशल भवन में आयोजित तीसरी नेशनल स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में दी गयी। यह उपलब्धि, पीएम-सेतु के उस विज़न को लागू करने की दिशा में पहला ठोस कदम है, जिसके तहत राज्य सरकारों और उद्योग के प्रमुख दिग्गजों के बीच गहरी साझेदारी के माध्यम से सरकारी आईटीआई को उद्योग-प्रबंधित और परिणाम-उन्मुख संस्थानों में बदला जाएगा। इस बैठक की अध्यक्षता कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय की सचिव देवश्री मुखर्जी ने की और इसमें डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेनिंग (डीजीटी) के डायरेक्टर जनरल दिलीप कुमार के साथ-साथ नेशनल स्टीयरिंग कमेटी के सदस्यों ने भी भाग लिया।

अमेजन फैशन की वार्डरोब रिफ्रेश सेल जारी

बेंगलुरु, 30 मई। अमेज़न फैशन ने अपनी बहुप्रतीक्षित वार्डरोब रिफ्रेश सेल के 18वें संस्करण की घोषणा कर दी है। यह सेल 28 मई से 2 जून तक चलेगी। ग्राहक इस दौरान फैशन, ब्यूटी, लगेज और एक्सेसरीज की खरीद पर 50-80% तक की छूट पा सकते हैं। सेल में व्रोग्र, लिबास, प्यूमा, मेबेलिन, अमेरिकन टूरिस्टर, क्रॉक्स, फिलिप्स, पाल्मोनास जैसे 1500 से ज्यादा ब्रांड्स के 4 लाख से अधिक स्टाइल उपलब्ध होंगे। फैशन, ब्यूटी, फुटवियर, घड़ियां, हैंडबैग और एक्सेसरीज पर कम से कम 60% की छूट मिलेगी। प्राइम सदस्यों को अमेजन पे पर 15% अतिरिक्त कैशबैक और प्राइम कूपनों से 10% अतिरिक्त छूट मिलेगी। एचडीएफसी क्रेडिट कार्ड से 3000 रुपये या उससे ज्यादा की खरीद पर 750 रुपये तक 10% की अतिरिक्त छूट भी दी जा रही है। इस बार अमेजन ने एआई संचालित टूल्स से स्टाइल खोजना और स्मार्ट बनाया है। एआई शॉपिंग असिस्टेंट रूफस से ग्राहक बातचीत के जरिए पर्सनल सिफारिशें ले सकते हैं। जैसे 2000 रुपये से कम के गर्मियों के स्नीकर्स या छुट्टियों के लिए को-ऑर्ड सेट्स। रूफस 30 से 90 दिन का प्राइस हिस्ट्री ट्रैकर भी देता है। ग्राहक प्राइस अलर्ट सेट कर सकते हैं : स्नीकर्स 7000 रुपये से नीचे आने पर बताना या ड्रेस 50% कम होने पर खरीदना। कीमत टारगेट पर आते ही रूफस अलर्ट भेजेगा या ऑटो ऑर्डर कर देगा। अमेज़न लेंस एआई से ग्राहक किसी आउटफिट की फोटो अपलोड कर मिलते-जुलते प्रोडक्ट खोज सकते हैं। वियर इट विद फीचर सिर से पांव तक मैचिंग लुक बनाने में मदद करता है। अमेजन का कहना है कि जनरेशन के ग्राहक अब खोज-आधारित और प्रेरणा-केंद्रित शॉपिंग पसंद कर रहे हैं। कंपनी जुलाई में प्राइम डे का 10वां संस्करण भी लाएगी।

2026 में नौकरियों की तस्वीर बदल रहा एआई

बेंगलुरु, 30 मई। एआई अब वर्कफोर्स रणनीति का आधार बन चुका है। इनडीड-नैसकॉम की ताजा रिपोर्ट इंडियाज़ एआई टैलेंट इन्फ्लेक्शन पॉइंट : फ्रॉम स्किल गैप्स टू कॉम्पिटिटिव एडवांटेज के मुताबिक, भारतीय नियोक्ता अब टेक और नॉन-टेक दोनों सेक्टर में डिग्री के बजाय व्यावहारिक और एआई-रेडी कौशल को प्राथमिकता दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 86% नियोक्ताओं ने माना कि एआई से काम के तरीके और जिम्मेदारियां बदली हैं, जबकि 35% का कहना है कि उनकी कार्यप्रणाली पूरी तरह बदल गयी है। लगभग सभी कंपनियां 2026 की रणनीति एआई-केंद्रित या एआई-समर्थित भूमिकाओं के आसपास बना रही हैं। 40% कंपनियां बड़े बदलाव की तैयारी में हैं। इनडीड इंडिया के एमडी शशि कुमार ने कहा कि एआई अब सिर्फ टेक एक्सपर्ट तक सीमित नहीं है। यह हर इंडस्ट्री में काम का डिज़ाइन बदल रहा है। नियोक्ता अब डिग्री नहीं, ठोस स्किल, सर्टिफिकेशन और काम करने की क्षमता देख रहे हैं। 2026 में लगातार सीखना और एआई के साथ तालमेल ही सफलता की कुंजी है। नैसकॉम रिसर्च एंड इनसाइट्स की हेड केतकी कार्णिक ने कहा कि यह रिपोर्ट भारतीय टैलेंट इकोसिस्टम के ऐतिहासिक मोड़ को दिखाती है।

मल्टीबैगर पेनी स्टॉक एवीआई पॉलीमर्स के शेयर 5 फीसदी के अपर सर्किट में फंस कर बंद हुए

साल भर में 140% रिटर्न, अब स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू का प्रस्ताव

मुंबई, एजेंसी। बीते शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजारों में फिर कोहराम मचा। बीएसई का सेंसेक्स तो कारोबार की समाप्ति के समय करीब 1200 अंकों तक लुढ़क गया था। तब भी मल्टीबैगर पेनी स्टॉक एवीआई पॉलीमर्स के शेयर 5 फीसदी के अपर सर्किट में फंस कर बंद हुए। इसकी वजह कंपनी का यह फैसला है। शेयर बाजार में खबर आई कि एवीआई पॉलीमर्स के बोर्ड ऑफ डाइरेक्टर्स की 4 जून 2026 को बैठक होगी। उसमें कई कई रणनीतिक प्रस्तावों पर विचार करने के समाचार हैं। बताया गया है कि कंपनी का बोर्ड इक्विटी शेयरों के स्टॉक स्प्लिट, बोनस इश्यू और कुछ क्षेत्र में विस्तार के बारे में फैसला लेगा।

एक के 10 होंगे शेयर पॉलिमर बनाने वाली कंपनी एवीआई पॉलीमर्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसका एक शेयर 10 हिस्से में बंटेगा। मतलब कि 1:10 के अनुपात तक स्टॉक स्प्लिट होगा। इसके साथ ही शेयरहोल्डर्स को 10:1 के अनुपात तक बोनस शेयर भी मिलेगा। बोर्ड की इसी बैठक में कंपनी के ग्रीन टेक्नोलॉजी और स्थिरता केंद्रित व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रस्तावित प्रवेश पर भी विचार किया जाएगा। इनमें औद्योगिक कचरा प्रबंधन, उन्नत सामग्री रिसाइक्लिंग और कार्बन फुटप्रिंट अनुकूलन सेवाएं शामिल हैं।

एवीआई पॉलीमर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक

चिंतन यशवंतभाई पटेल ने कहा 'बोर्ड द्वारा विचाराधीन प्रस्ताव एक मजबूत और भविष्य के लिए तैयार व्यवसाय के निर्माण पर हमारे फोकस को दर्शाते हैं। प्रस्तावित स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू का उद्देश्य शेयरधारकों की भागीदारी बढ़ाना और दीर्घकालिक मूल्य सृजन करना है, वहीं स्थिरता केंद्रित क्षेत्रों में नियोजित विविधीकरण कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम है। भारी बिकवाली की। तभी तो कारोबार के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 1,200 अंक तक गिर गया। अंत में बीएसई सेंसेक्स में 1,092 अंक यानी 1.44% गिरावट के 74,775.74 अंक पर सेटल हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 359.40 अंक यानी 1.5% फिसलकर 23,547.75 अंक तक गिर गया।

शेयर का कैसा रहा है प्रदर्शन

स्मॉल-कैप स्टॉक एवीआई पॉलीमर्स ने पिछले 1 महीने में 20% का नुकसान उठाया है। लेकिन, यदि दीर्घकाल में देखें तो 6 महीनों में 10% और 1 साल में लगभग 140% बढ़ गया है। बीएसई में बीते गुरुवार को शेयर 14.49 रुपये पर बंद हुए थे। शुक्रवार को यह गिर कर 13.77 रुपये पर खुले थे। इस बीच यह खबर आ गई। उसके बाद शेयर भागने लगे और पांच फीसदी बढ़ कर 15.21 रुपये पर बंद हुए। इस शेयर में पांच फीसदी का सर्किट लिमिट है।

ताइपे कैपिटल कप 2026 में टीम इंडिया का शानदार प्रदर्शन

गुवाहाटी, 30 मई। टीम इंडिया ने 26 से 28 मई तक ताइपे, ताइवान में आयोजित प्रतिष्ठित ताइपे कैपिटल कप 2026 में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता थी, जिसमें टीम इंडिया ने विभिन्न कौशल श्रेणियों में दो सिल्वर मेडल और तीन मेरिट अवॉर्ड जीतकर देश को गौरवान्वित है। यूरोप, एशिया, अमेरिका और ओशिनिया के 15 देशों से आये दुनिया के कुछ बेहतरीन युवा स्किल्ड प्रोफेशनल के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए, भारतीय दल ने असाधारण तकनीकी एक्सीलेंस का प्रदर्शन किया, जिससे ग्लोबल स्किल पावरहाउस के रूप में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा की पुनः पुष्टि हुई। पाँच अत्यधिक प्रतिस्पर्धी कौशल श्रेणियों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए, प्रतिभागियों ने उभरते और उद्योग-प्रासंगिक क्षेत्रों में असाधारण दक्षता का प्रदर्शन किया। यह भारत के स्किलिंग इकोसिस्टम की मजबूती और भविष्य के लिए तैयार टैलेंट को निखारने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस दल को कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) का सहयोग मिला था, जो भारत के युवाओं को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण, इंडस्ट्री एक्सपोजर और अंतर्राष्ट्रीय बेंचमार्किंग के अवसर प्रदान करते रहते हैं।

अरबपति रैंकिंग में फिसले जुकरबर्ग बेचैन; पेड फेसबुक वाट्सऐप, इंस्टाग्राम प्लस से वापसी होगी

नईदिल्ली, एजेंसी। अरबपतियों के बीच रैंकिंग रेस में इस साल फिसल गए मार्क जुकरबर्ग की कंपनी मेटा ने कमाई बढ़ाने के लिए लोकप्रिय प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम और वाट्सऐप पर सब्सक्रिप्शन के जरिए पेड फीचर्स की शुरुआत का ऐलान कर दिया है। पुराने अकाउंट उसी तरह चलते रहेंगे, लेकिन फेसबुक प्लस, इंस्टाग्राम प्लस, वाट्सऐप प्लस नाम से नई सुविधाओं के इस्तेमाल के लिए कंपनी पेड सर्विस चालू करेगी। भारत में पेड सर्विस को आने में समय लगेगा, लेकिन जहां यह पहले चरण में चालू होगा, वहां फेसबुक और इंस्टाग्राम पर इस सुविधा के लिए 3.99 अमेरिकी डॉलर यानी करीब 378 रुपये खर्च करना होगा। वाट्सऐप प्लस लेने के लिए 2.99 अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 283 रुपये देना होगा। मार्क जुकरबर्ग अरबपतियों की फॉर्ब्स सूची में 2025 के दूसरे रैंक से गिरकर 2026 में पांचवें नंबर पर चले गए हैं। हालांकि पिछले साल के 216 अरब डॉलर के नेटवर्थ के मुकाबले उनकी संपत्ति इस साल बढ़कर 222 अरब डॉलर हो गई है, लेकिन धरती के सबसे अमीर एलन मस्क के अलावा तीन लोग उनके ऊपर आ गए हैं। मस्क 839 अरब डॉलर के साथ नंबर एक पर बने हुए हैं, जिनके पास 2025 में 342 अरब डॉलर की संपत्ति थी। 257 अरब डॉलर के साथ गूगल के लैरी पेज दूसरे नंबर पर हैं, जिनके पास पिछले साल 144 अरब डॉलर था। गूगल के ही दूसरे संस्थापक सर्गेई ब्रिन 237 अरब डॉलर के साथ तीसरे

नंबर पर हैं, जो पिछले साल 138 अरब डॉलर पर थे। अमेजन वाले जेफ बेजोस 224 अरब डॉलर के साथ चौथे नंबर पर ठीक मार्क जुकरबर्ग के ऊपर हैं। बेजोस को 2025 में 215 अरब डॉलर का मालिक आंका गया था। व्यापार क्षेत्र की मजबूती की वजह से टेस्ला, एक्स और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क से ऊपर जाना तो फिलहाल किसी अरबपति के लिए संभव नहीं दिख रहा है। लेकिन मार्क जुकरबर्ग से ऊपर जो तीन लोग हैं, उनके बीच अधिकतम 35 अरब डॉलर का फासला लैरी पेज के साथ है। जुकरबर्ग की कंपनी की नई सर्विस से उन्हें यूजरबेस से कमाई बढ़ाने का मौका मिलेगा, जो कंपनी का मुनाफा बढ़ने के साथ शेयर बाजार में भी मजबूती देगा। फेसबुक पर 307 करोड़ से ज्यादा लोग हैं, जिनमें करीब 211 करोड़ लोग हर रोज इसे खोलते हैं। फेसबुक के सबसे ज्यादा 58 करोड़ यूजर भारत में हैं, जबकि अमेरिका में 25 करोड़ लोग इसका इस्तेमाल करते हैं। वाट्सऐप के 330 करोड़ यूजर में 230 करोड़ डेली यूजर हैं। भारत के लोगों की संख्या 85 करोड़ से ऊपर है।

मेटा का राजस्व 5631 करोड़ डॉलर रहा

इस साल की पहली तिमाही यानी जनवरी से अप्रैल के बीच मेटा का राजस्व 5631 करोड़ डॉलर रहा, जिसमें अकेले विज्ञापन से 5500 करोड़ डॉलर आया। कंपनी की शुद्ध आय 2677 करोड़ डॉलर थी। मुनाफा के हिसाब से देखें तो एक शेयर पर 10.44 डॉलर का लाभ हुआ। फेसबुक प्लस, इंस्टाग्राम प्लस और वाट्सऐप प्लस नाम से पेड सर्विस शुरू होने के बाद मेटा की कमाई बढ़ेगी तो उसका असर मेटा के शेयर से लेकर मार्क जुकरबर्ग के नेटवर्थ तक दिखेगी। 2027 के अरबपतियों की सूची में रैंक वापस हासिल करने के लिए मार्क जुकरबर्ग के पास मौजूदा प्लेटफॉर्म से ही कमाई बढ़ाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है।

सगाई छोड़कर घर से भाग गई, इस एक कदम ने बदल दी जिंदगी

अब करोड़ों के कारोबार की मालकिन

नई दिल्ली, एजेंसी। आनल कोटक की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। वह गुजरात की रहने वाली हैं। उन्होंने समाज और परिवार की रूढ़िवादी सोच के आगे झुकने से इनकार कर दिया। वह पारंपरिक व्यापारिक परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उन्हें पहले होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई से रोका गया। फिर जब सगाई तय कर दी गई तो उन्होंने अपने सपनों के लिए बड़ा रिस्क उठाया। सगाई की रस्मों के बीच सुबह 4 बजे घर से भागकर वह टीवी शो का ऑडिशन देने पहुंच गई। इस एक कदम ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी। आज आनल इंटरनेशनल रेस्टोरेंट ब्रांड 'द सीक्रेट किचन' की मालकिन हैं। उनकी गिनती देश की जानी-मानी सेलिब्रिटी शेफ में बन चुकी है। वह करोड़ों की कमाई कर रही हैं। आइए, यहां आनल कोटक की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

आनल कोटक का जन्म पारंपरिक गुजराती परिवार में हुआ। उनके पिता चाहते थे कि वह या तो यूपीएससी पास करें या सीए-सीएस बनें। इसके उलट आनल की दिलचस्पी कुकिंग और होटल मैनेजमेंट में थी। लेकिन, परिवार ने इसकी इजाजत नहीं दी। इसके कारण उन्होंने बी.कॉम, सीएस और फैशन डिजाइनिंग जैसे अलग-अलग कोर्स किए। उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट 20 साल की उम्र में आया। तब उनकी सगाई की रस्में चल रही थीं। उन्होंने अपनी मौसी की मदद से सुबह 4 बजे चुपके से घर छोड़ दिया ताकि वह 'रसोई महारानी' टीवी शो का ऑडिशन दे सकें। इस ऑडिशन ने उनकी जिंदगी बदल दी। वह शो की विनर ही नहीं बनीं। बजाय इसके उन्होंने गुजरात की सबसे कम उम्र की कुकिंग एक्सपर्ट के रूप में पहचान

बनाई।

आनल अपनी दादी और नानी को सबसे बड़ी प्रेरणा मानती हैं। इन दोनों से उन्होंने सीखा कि पेशेवर कुकिंग सिर्फ शौक नहीं है। इसके बजाय हर दिन एक जैसी कंसिस्टेंसी बनाए रखने की साइंस है। सिर्फ 12 साल की उम्र में रामनवमी के एक कार्यक्रम के दौरान कैटरर के न आने पर उन्होंने अपनी नानी की देखरेख में 50 लोगों का खाना खुद तैयार किया था। अपने ससुर और पिता से बिजनेस के गुर सीखते हुए उन्होंने माना कि बॉस बनने से पहले कर्मचारी बनना जरूरी है। इसी सोच के साथ उन्होंने शुरुआत में किचन के बेहद दबाव वाले माहौल में रोज 12 घंटे खड़े रहकर काम किया ताकि वह ग्राउंड-लेवल की बारीकियों को समझ सकें। लोकल टीवी शो पर सफलता और शादी के बाद परिवार के सहयोग से अनल ने बेंगलुरु और मुंबई से प्रोफेशनल कुकिंग की ट्रेनिंग ली। बाद में ऑस्ट्रेलिया से रिमोटली अपनी कुकिंग डिग्री पूरी की। साल 2017 में उन्होंने वडोदरा में अपने पहले रेस्टोरेंट 'द सीक्रेट किचन' की शुरुआत की। इसके इंटीरियर और क्रॉकरी के लिए वह खुद 20 दिन चीन में रहीं। उनके रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी यूएसपी लुप्त हो चुकीं क्षेत्रीय भारतीय रेसिपीज को आधुनिक अंदाज में पेश करना है। मसलन, उनकी नानी की रेसिपी पर आधारित 'मूंग ढोकला' और पिंजरे में परोसा जाने वाला अनोखा 'केज समोसा'।

आरबीआई के लिए वरदान बनी रुपये की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की विदेशी मुद्रा लेनदेन से आय वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 1.69 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब 52 प्रतिशत अधिक है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आरबीआई ने 2024-25 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से 1.11 लाख करोड़ रुपये का विनिमय लाभ अर्जित किया था। आरबीआई ने रुपये की गिरावट और करेंसी मार्केट में उथलपुथल को थामने के लिए बाजार में जमकर डॉलर की बिकवाली की। पिछले फाइनेंशियल ईयर में डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में करीब 9.5 फीसदी गिरावट आई। इस दौरान आरबीआई ने स्पॉट मार्केट में रेकॉर्ड 53.13 अरब डॉलर झोंके। केंद्रीय बैंक ने विदेशी मुद्रा भंडार से डॉलर की बिक्री की और इससे उसके 1.69 लाख करोड़ रुपये की इनकम हुई।

विदेशी स्रोतों से आरबीआई की कुल इनकम पिछले फाइनेंशियल ईयर में 27 फीसदी बढ़कर 3.28 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। आरबीआई फाइनेंशियल ईयर 2026 के लिए सरकार को रेकॉर्ड 2.87 लाख करोड़ रुपये का सरप्लस ट्रांसफर करेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि 31 मार्च 2026 तक आरबीआई का कुल बहीखाता आकार 15.72 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 91.97 लाख करोड़ रुपये हो गया। परिसंपत्ति पक्ष पर वृद्धि घरेलू निवेश, स्वर्ण भंडार और विदेशी निवेश में क्रमशः 44.9 प्रतिशत, 63.8 प्रतिशत और 7.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के कारण दर्ज की गई। पहुंची आरबीआई ने 2024-25 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से 1.11 लाख करोड़ कमाए थे पिछले फाइनेंशियल ईयर में डॉलर के मुकाबले रुपया करीब 9.5 फीसदी गिरा था इसे रोकने के लिए केंद्रीय बैंक ने स्पॉट मार्केट में रेकॉर्ड 53.13 अरब डॉलर झोंके।

और सस्ता हुआ क्रूड, उधर मुंबई में पेट्रोल 111 तो डीजल 97 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजार में कच्चा तेल लगातार सस्ता हो रहा है। लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी शनिवार, 30 मई 2026, को दाम में कोई बदलाव नहीं किया। मतलब कि बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम जस के तस हैं। इससे पहले बीते सोमवार यानी 25 मई 2026 को पेट्रोल की कीमतों में 2.61 रुपये और डीजल की कीमतों में 2.71 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। इन कंपनियों ने दिल्ली में 11 दिनों में ही प्रति लीटर पेट्रोल 7.35 रुपये तो डीजल 7.82 रुपये महंगा कर चुके हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पहले बताया था कि सरकारी तेल कंपनियों को हर दिन करीब 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था। लेकिन चार चरणों में दाम बढ़ाने के बाद यह घट गया है। कल ही मंत्रालय की संयुक्त सचिव

सुजाता शर्मा ने बताया कि अब यह घाटा कम हो कर हर रोज करीब 750 करोड़ रुपये रह गया है। हालांकि, पिछले साल इंडियन ऑयल, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम ने 77,821 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में इस समय पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर 1,380 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक आज दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है।

11 दिनों में 4 बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था।

23.5% घटी नोटों की छपाई की कॉस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का करेंसी नोट छापने पर होने वाला खर्च 2025-26 में घटा है। यह 23.5% घटकर 4,875.2 करोड़ रुपये रह गया। पिछले साल यह 6,372.8 करोड़ रुपये था। इसकी वजह यह रही कि इस साल नोटों की छपाई का ऑर्डर कम दिया गया। आरबीआई की सालाना रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। वहीं, रिपोर्टों के मुताबिक, 500 रुपये का एक नया नोट छापने की लागत सिर्फ 2 रुपये 29 पैसे आती है। छपाई की लागत में यह कमी तब आई है, जब मार्च 2026 के आखिर में चलन में मौजूद नोटों की कुल कीमत तेजी से बढ़कर 41.23 लाख करोड़ रुपये हो गई। यह एक साल पहले 36.86 लाख करोड़ रुपये थी। यानी इसमें करीब 11.8% की बढ़ोतरी हुई। इससे पता चलता है कि आरबीआई ने करेंसी की बढ़ती जरूरत को पूरा करने के लिए कम संख्या में, लेकिन ज्यादा कीमत वाले नोट छापे। क्रेडिट-टू-जीडीपी रेशियो भी मार्च 2026 के आखिर में अपने नए सबसे ऊंचे स्तर 61.8% पर पहुंच गया। एक साल पहले के 57.4% से यह काफी ज्यादा है। यह दिखाता है कि अर्थव्यवस्था में कुल मिलाकर बढ़ोतरी की रफ्तार बनी रहने के साथ बैंकों की ओर से दिए जाने वाले कर्ज में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। डिजिटल करेंसी के मामले में सर्कुलेशन में मौजूद ई-रुपये की वैल्यू 31 मार्च, 2026 तक घटकर 771.7 करोड़ रुपये रह गई। एक साल पहले यह 1,016.5 करोड़

रुपये थी। यह 24.1% की गिरावट दिखाती है कि आरबीआई का सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी पायलट अपनी पहुंच बढ़ाने की लगातार कोशिशों के बावजूद यूजर्स के बीच अभी तक कोई खास पकड़ नहीं बना पाया है। मौजूदा फाइनेंशियल ईयर के लिए अपना एजेंडा बताते हुए आरबीआई ने कहा कि 2026-27 के लिए उसका करेंसी मैनेजमेंट सेंट्रल बैंक ने कहा कि नोटों के प्रोडक्शन में देश में ही आत्मनिर्भरता बनाए रखना (यानी स्वदेशीकरण), नोटों के डिजाइन की उम्र और सुरक्षा को बढ़ाना और सर्कुलेशन में मौजूद नोटों की क्वालिटी को बेहतर बनाना, उसके लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र बने रहेंगे।

चलन में सबसे ज्यादा 500 रुपये का नोट

500 रुपये का नोट अब भी सबसे ज्यादा चलन में है। चलन में मौजूद कुल नोटों की कीमत में इसकी हिस्सेदारी 85.5% है। यह कीमत 35.27 लाख करोड़ रुपये बैठती है। इसके 705.48 करोड़ नोट चलन में हैं। यह कुल नोटों की संख्या का 41.2% हिस्सा है। मार्च 2026 के आखिर में करेंसी-टू-जीडीपी अनुपात बढ़कर 12.1% हो गया। यह मार्च 2025 के आखिर में 11.7% था। इससे पता चलता है कि डिजिटल पेमेंट में तेजी से बढ़ोतरी के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में लोग अब भी कैश को ही ज्यादा पसंद करते हैं। नोटबंदी के बाद यह अनुपात मार्च 2021 में दर्ज किए गए अपने सबसे ऊंचे स्तर 14.4% से काफी नीचे है। यह स्तर तब पहुंचा था, जब नवंबर 2016 की नोटबंदी के बाद सिस्टम में नए नोटों की भारी आमद हुई थी। ये आंकड़े नोटबंदी के 10 साल होने के करीब आए हैं।

सलमान को पहली फिल्म मैंने दिलायी थी : जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ ने सलमान खान के करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्होंने उन्हें पहली फिल्म दिलाने में मदद की थी। जैकी ने कहा कि उस समय सलमान फिल्म *फलक* (1988) में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम कर रहे थे, जबकि उनके पिता सलीम खान फिल्म के डायलॉग लिख रहे थे।

जैकी ने कहा, मैंने *सल्लू बाबा* को उनकी पहली फिल्म *बीवी हो तो ऐसी* दिलाई थी। हालांकि बाद में *मैंने प्यार किया* रिलीज हुई और उसी ने उन्हें स्टार बना दिया। सलमान की तस्वीर देखने के बाद उन्हें लगा था कि सलमान तो बहुत हैंडसम हैं। जैकी ने कहा, मैं उनकी फोटो लेकर सुभाष घई जी के पास गया, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। फिर मैं उसे के सी बोकाड़िया के पास ले गया। उन्होंने अपने साले को फोटो दिखाने के लिए कहा और इसी तरह सलमान को वह रोल मिला। मैं उनकी तस्वीरें लेकर कई जगह जाता था। सलमान के साथ अपने लंबे संबंधों पर बात करते हुए जैकी ने कहा कि उन्होंने सलमान की अधिकांश फिल्मों में उनके साथ काम किया है। उन्होंने कहा, 'पहले वह मुझे अपनी हर फिल्म में लेते थे, लेकिन कुछ समय से उन्होंने मुझे किसी फिल्म में कास्ट नहीं किया है।

पीठ में छुरा घोंप देंगे, लोगों में बहुत जलन है : शेखर सुमन

शेखर सुमन बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड के बारे में चौंकाने वाली बातें कही हैं। शेखर ने बताया कि किस तरह से यहां लोगों में जलन की भावना भरी है। इंडस्ट्री का माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। इसके अलावा भी वह कई और बातें बॉलीवुड के लोगों और सेलेब्स को लेकर शेयर करते हैं।

हालिया इंटरव्यू में शेखर सुमन कहते हैं, देखिए जब कोई फेल होता है, किसी की फिल्म फ्लॉप होती है, शादी टूटती है तो कुछ लोगों को बहुत अच्छा लगता है। ऐसे लोग दूसरों को सफलता और खुशी देखकर दुखी होते हैं। हम बॉलीवुड में भी एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, यहां पर माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है।

शेखर सुमन आगे अपने इंटरव्यू में कहते हैं, बॉलीवुड के लोगों में बहुत जलन है। यह सामने पर एक-दूसरे को गले लगाते हैं लेकिन बाद में पीठ में छुरा घोंप देंगे। ये लोग एक-दूसरे की लाश पर चढ़कर आगे बढ़ जाएंगे। यह बहुत दुखी करने वाली बात है।

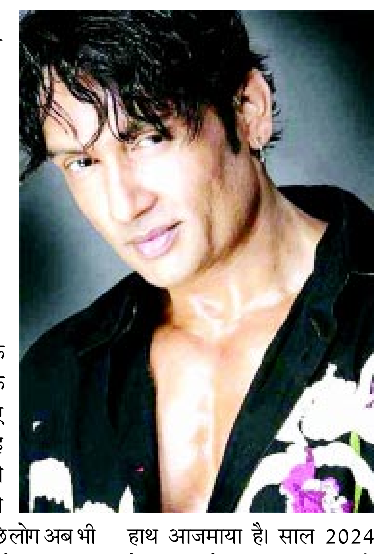

इस कंडीशन के बावजूद शेखर सुमन के मन में बॉलीवुड के लिए बहुत सम्मान है। वह कहते हैं, हमारी इंडस्ट्री इसलिए बची है, टिकी है क्योंकि यहां पर अच्छे लोग अब भी बाकी हैं। इस इंडस्ट्री ने ही दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे स्टार्स हमें दिए हैं।

शेखर सुमन मल्टीटैलेंटड हैं, एक्टिंग के अलावा एंकरिंग, सिंगिंग, प्रोडक्शन तक में उन्होंने हाथ आजमाया है। साल 2024 में वह एक वेब सीरीज *हीरामंडी* में दिखे थे।

टेंपरेचर बढ़ने पर बढ़ता गुस्सा चिड़चिड़ापन, दिमाग को शांत रखें

गर्मी में टेम्परेचर बढ़ने पर ज्यादातर लोग थकान, चिड़चिड़ापन या कम नींद जैसी समस्याएं महसूस करते हैं। कई बार काम में फोकस कम हो जाता है, बात-बात पर गुस्सा आता है या बिना वजह बेचैनी बढ़ती है। हीट वेव या लगातार हाई टेम्परेचर से स्ट्रेस लेवल, स्लीप प्रॉब्लम्स और मूड स्विंग्स से जुड़े केस बढ़ सकते हैं।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, गर्मियों में मेंटल हेल्थ डिपार्टमेंट के केस 8% तक बढ़ जाते हैं।

डिहाइड्रेशन, खराब स्लीप पैटर्न और डेली रूटीन में बदलाव मिलकर मेंटल बैलेंस को प्रभावित करते हैं। गर्मी ब्रेन को प्रभावित करती है। साथ ही गर्मियों में ज्यादा टेम्परेचर होने पर शरीर को ठंडा रखने के लिए ज्यादा ऊर्जा खर्च होती है, जिससे थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है।

डिहाइड्रेशन हो सकता है, जिससे फोकस और याददाश्त पर बुरा असर पड़ता है।

ब्रेन में सेरोटोनिन और डोपामिन जैसे फील गुड हॉर्मोन्स का संतुलन बिगड़ सकता है। इससे मूड स्विंग, बेचैनी और गुस्सा बढ़ने की संभावना रहती है।

स्लीप क्वालिटी खराब हो सकती है, जो ब्रेन फंक्शन को प्रभावित करती है। लंबे समय तक हीट एक्सपोजर से निर्णय लेने की क्षमता और फोकस भी कमजोर हो सकता है।

देखो हंस न देना.....

दादी को गीता पढ़ते देख बेटे ने मां से पूछा-दादी कौन सी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं?
मां-बेटा ये फाइनल ईयर की तैयारी कर रही हैं।

एक महिला ब्यूटी पार्लर जाती है। *महिला*-काफी दिनों बाद अच्छा फेशियल हुआ है, काफी एक्सपीरियंसड लगती हो, पहले कहां काम करती थी?
रिंकी-मैम आज मेरा पहला दिन है, इससे पहले मैं बर्तन मांजने का काम करती थी....।

डब्ल्यूएचओ की सोच से भी तेज फैल रहा है इबोला का प्रकोप

वैश्विक स्वास्थ्य के लिए इन दिनों *इबोला* सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। अफ्रीकी देश यूगांडा और कांगो, फिलहाल इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। *यूरोपियन सेंटर फॉर डिजीज प्रिवेंशन एंड कंट्रोल* (ईसीडीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों में कुल मिलाकर 1,198 मामले (128 पुष्ट और 1,077 संदिग्ध) सामने आए हैं। इसके अलावा करीब 228 संदिग्ध मौतें भी दर्ज की गई हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि इबोला अब अन्य देशों में भी चिंताएं बढ़ाने लगा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूरोपीय देश भी अब वायरस की चपेट में आते दिख रहे हैं। उत्तरी इटली में युगांडा से लौटे दो संदिग्ध मामले सामने आए, हालांकि बाद में दोनों की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई।

ऑस्ट्रिया में भी एक संदिग्ध मरीज को अस्पताल में क्वारंटाइन में रखा गया है। इससे पहले हमने भारत में भी दो संदिग्ध मामलों की जानकारी दी थी, जिसमें एक की रिपोर्ट निगेटिव है और दूसरे की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख ने चेतावनी दी है कि इबोला का मौजूदा प्रकोप इतनी तेजी से फैल रहा है कि इसे काबू करना मुश्किल हो रहा है, जिससे वैश्विक स्वास्थ्य संकट के और गहराने की आशंका बढ़ गई है।

इबोला का मौजूदा प्रकोप इतनी तेजी से फैल रहा है कि इसे काबू करना मुश्किल हो रहा है, जिससे वैश्विक स्वास्थ्य संकट के और गहराने की आशंका बढ़ गई है।

अफ्रीकी देशों से इतर इस महीने की शुरुआत में पहले ही एक अमेरिकी डॉक्टर में इबोला संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। डॉक्टर इबोला प्रभावित क्षेत्र में कुछ समय तक काम करने के बाद लौटा था। संक्रमण के प्रसार और जोखिमों को देखते हुए अमेरिका, भारत सहित कई देशों ने हवाई अड्डों पर यात्रियों की जांच बढ़ा दी है।

हालिया प्रकोप में मारे गए 220 लोगों में तीन रेड क्रॉस स्वयंसेवक भी शामिल हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि संक्रमित शवों को संभालते समय वे इस वायरस की चपेट में आ गए थे। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कांगों में भी संक्रमण के कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां इबोला से मारे गए दोस्तों और परिवार के सदस्यों के शवों को दफनाने के दौरान लोग संक्रमित हुए हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं, ये स्थितियां इबोला को और भी खतरनाक बना देती हैं। वैसे तो इबोला के कारण फिलहाल कोविड जैसे हालात नहीं हैं फिर भी शवों को दफनाने के दौरान संक्रमण जैसी कुछ स्थितियां कोरोना के दिनों की याद दिला रही हैं। ऐसा नहीं है कि कोविड-19 जैसा, इबोला का ये कोई पहला प्रकोप है। इस महामारी को पहले ही *वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल* घोषित किया जा चुका है।

विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं इस समय जो स्ट्रेन (बुंडिबुग्यो स्ट्रेन) इस बीमारी को फैला रहा है, उससे बचाने के लिए कोई वैक्सीन मौजूद नहीं है। इसलिए चिंता की बात ये है कि ये निश्चित रूप से फैलता रहेगा और लोगों की जान के लिए भी खतरा बना रहेगा।

कोरोना महामारी की शुरुआत में भी कुछ ऐसे ही हालात थे। नोवेल कोरोना वायरस (सार्स-सीओवी-2) से बचने के लिए भी कोई वैक्सीन नहीं था लिहाजा संक्रमण ने देखते ही देखते पूरी दुनिया को चपेट में ले लिया था। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि वे जिस वैक्सीन पर काम कर रहे हैं, उसे इंसानों पर टेस्ट करने में अभी दो से तीन महीने का समय लगेगा। इसका मतलब है कि इस बात की संभावना कम ही है कि अफ्रीका के मरीजो को अगले छह महीनों के भीतर यह दवा मिल पाएगी।

एक सफल वैक्सीन मरीजों को गंभीर बीमारी और मौत से बचाने के साथ-साथ वायरस के फैलाव को भी सीमित कर सकती है, लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह असरदार होगी। रूस ने दावा किया है कि उसने भी वैक्सीन तैयार कर ली है पर उसे कब तक प्रमाणिकता मिलेगी, इसको लेकर भी बड़ा सवाल है।

महिलाओं की कमजोरी-थकान का समाधान हैं हेल्दी सुपरफूड्स

महिलाओं के शरीर की जरूरतें पुरुषों की तुलना में थोड़ी अलग होती हैं, क्योंकि हार्मोनल बदलाव, पीरियड्स, प्रेग्नेंसी और लाइफस्टाइल स्ट्रेस का सीधा असर उनकी सेहत पर पड़ता है। इसी वजह से कई महिलाओं में कमजोरी, थकान, आयरन की कमी और एनर्जी लेवल कम होने जैसी समस्याएं आम देखने को मिलती हैं।

हम ऐसे 5 सुपरफूड्स के बारे में बात करेंगे जो हर महिला के लिए बेहद जरूरी माने जाते हैं और जो शरीर की कमजोरी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महिलाओं की सेहत के लिए जरूरी हैं ये 5 सुपरफूड्स:

1. पालक : पालक को महिलाओं के लिए सबसे जरूरी हरी सब्जियों में से एक माना जाता है क्योंकि इसमें आयरन की मात्रा काफी अधिक होती है। आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन बनाने में मदद करता है, जिससे खून की कमी (एनीमिया) की समस्या कम होती है। पालक में फोलिक एसिड, विटामिन और विटामिन भी पाया जाता है, जो इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं। नियमित रूप से पालक खाने से शरीर में ऑक्सीजन सप्लाई बेहतर होती है, जिससे थकान और कमजोरी कम महसूस होती है।

2. बादाम : बादाम एक शक्तिशाली ड्राई फ्रूट है जो महिलाओं की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें हेल्दी फैट्स, विटामिन , प्रोटीन और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह दिमाग की कार्यक्षमता को बेहतर बनाता है और याददाश्त तेज करने में मदद करता है।

3. दही : दही को प्राकृतिक प्रोबायोटिक माना जाता है, जो आंतों के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाकर पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। हिलाओं में अक्सर पाचन संबंधी समस्याएं देखने को मिलती हैं, जिन्हें दही काफी हद तक सुधार सकता है। इसके अलावा दही कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। यह इम्यून सिस्टम को भी बेहतर करता है।

4. चिया सीड्स : चिया सीड्स छोटे दिखने वाले लेकिन पोषण से भरपूर सुपरफूड हैं। इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर और प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

5. खजूर : खजूर को एक प्राकृतिक एनर्जी सुपरफूड माना जाता है, जो शरीर को तुरंत ताकत और ऊर्जा देने का काम करता है।

ईशान खट्टर क्रिस्टन स्टीवर्ट के साथ बियारित्ज फिल्म फेस्टिवल की जूरी में शामिल

ईशान खट्टर हॉलीवुड अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट और अन्य कई जाने-माने नामों के साथ बियारित्ज फिल्म फेस्टिवल के चौथे एडिशन में जूरी पैनल में शामिल होंगे। यह घोषणा खुद फिल्म फेस्टिवल की ओर से की गई है। ईशान के साथ-साथ फ्रांसीसी निर्देशक, स्क्रिप्ट राइर और एडिटर नाथन एम्ब्रो-सियोनी, फ्रांसीसी अभिनेत्री सूज़ी बेम्बा, कनाडाई अभिनेत्री व्हिटनी पीक और अन्य लोग भी शामिल होंगे।

ईशान खट्टर के इंटर-नेशनल करियर की शुरुआत उनकी पहली फिल्म *बियॉन्ड द क्लाउड्स* से ही हो गई थी। इसे 2018 में ईरानी फिल्म निर्माता माजिद मजीदी ने निर्देशित किया था। इसके बाद उन्होंने 2021 में लियोनार्डो डि कैप्रियो और जेनिफर लॉरेंस स्टारर फिल्म *डोंट लुक अप* में एक कैमियो भूमिका निभाई।

2020 में उन्होंने मीरा नायर की ब्रिटिश सीरीज *ए सूटेबल बॉय* में तब्बू के साथ मुख्य भूमिका निभाई। उनकी 2025 में आई फिल्म *होमबाउंड* को ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना गया था और इसे शॉर्टलिस्ट भी किया गया था।

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म *होमबाउंड* में नजर आए थे। दो दोस्तों की कहानी और जातिवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर बात करती इस फिल्म को ऑस्कर के लिए भी भारत की ओर से भेजा गया था।

फिल्म को कान समेत कई फिल्म फेस्टिवल में भी काफी सराहा गया। नीरज घेवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ईशान के साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों में पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित फिल्म *जुगाड़* शामिल है। इसके अलावा पिछले साल आया उनके शो *द रॉयल्स* के भी दूसरे सीजन की तैयारी चल रही है।

कला पर बातचीत करना सही है मजाक उड़ाना नहीं : चारू शंकर

अनन्या पांडे की नई फिल्म *चांद मेरा दिल* को समीक्षकों से अच्छे रिव्यू मिले हैं। अनन्या पांडे को फिल्म में अपने भरतनाट्यम फ्यूजन डांस के लिए सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जा रहा है। फिल्म में अनन्या की मां का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री चारू शंकर ने उस ट्रोलिंग के बारे में बात की है।

बातचीत में चारू शंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हर किसी को अपनी राय रखने का हक है, लेकिन ट्रोलिंग कभी भी अच्छे तरीके से नहीं की जाती। कला पर बातचीत करना सही है, मजाक उड़ाना नहीं। जिस सीन पर चर्चा हो रही है, उसे चांदनी के किरदार के लिए एक जोरदार परिचय के तौर पर सोचा गया था। फिल्म की कहानी में, यह पल एक ऐसी युवा महिला के आने का ऐलान करता है जो नियम तोड़ने से नहीं डरती।

अनन्या ने अभी तक इस ट्रोलिंग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अनन्या के पिता और अभिनेता चंकी पांडे ने इस पर प्रतिक्रिया दी है।

बात करते हुए उन्होंने अपनी बेटी का बचाव किया और कहा कि लोगों ने इस सीन को पूरी तरह से गलत समझा है। उन्होंने बताया कि इस डांस सीन का मतलब कभी भी सिर्फ भरतनाट्यम होना नहीं था। उन्होंने कहा, यह एक फ्यूजन परफॉर्मेंस थी, जिस तरह का एक्सपेरिमेंटल डांस आप अक्सर कॉलेज के छात्रों को सोशल या कल्चरल इवेंट्स में करते हुए देखते हैं।

चांद मेरा दिल बॉक्स ऑफिस पर औसत बिजनेस कर रही है। खबर लिखे जाने तक इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 19.93 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, *चांद मेरा दिल* लगभग 30 करोड़ रुपये के बजट में बनी है। इस हफ्ते कोई बड़ी बॉलीवुड फिल्म रिलीज नहीं हो रही है, इसलिए *चांद मेरा दिल* बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

नमस्कार अपर असम

प्रातः खबर

रविवार, 31 मई 2026

मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
जोरहाट	30°	19°
डिब्रूगढ़	29°	17°
तिनसुकिया	30°	18°
शिवसागर	30°	19°

शिवसागर के विशाल मेगा मार्ट में भीषण आग, मची अफरा-तफरी

शिवसागर, 30 मई (ख.सं.)। शिवसागर के स्टेशन चारिआली स्थित एटी रोड पर स्थित विशाल मेगा मार्ट में आज अचानक आग लगने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगने के कुछ ही समय बाद मेगा मार्ट के भीतर से घना धुआं निकलने लगा। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि प्रशासनिक जांच के बाद ही वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। घटना की सूचना मिलते ही राज्य अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग की दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

Ph. : 2548109, 2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery, Platinum & Silver Utensils & Articles

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

मोरानहाट, 30 मई (ख.सं.)। चराईदेव जिले के मोरानहाट थाना क्षेत्र अंतर्गत आमगुड़ी में एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गयी। इस दर्दनाक हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल आमगुड़ी से अपने घर की ओर लौट रही थी। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण मोटरसाइकिल सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकरायी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि बाइक पर सवार दोनों युवकों की मौत हो गयी। मृतकों की पहचान लक्ष्यधर गोगोई (27) तथा भाइमन गोगोई (25) के रूप में हुई है। दोनों युवक खोवांग क्षेत्र के दुलिया लाहोवाल गांव के निवासी बताये गये हैं। बताया जाता है कि वे बीती रात अमगुड़ी से अपने घर लौट रहे थे, तभी यह दुखद दुर्घटना घटित हुई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एएमसीएच) डिब्रूगढ़ भेज दिया गया है, जहां वर्तमान में शव रखे गये हैं। इस हृदयविदारक घटना से मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं गांव और आस-पास के क्षेत्रों में शोक का माहौल व्याप्त है।

जोरहाट में चंद वकील और पुलिस अधिकारियों की मिलीभगत से बेल फिक्सिंग का खेल

वकील संस्था के अध्यक्ष हेमेन बोरा का गंभीर आरोप

जोरहाट, 30 मई (ख.सं.)। जोरहाट में पुलिस की गफलत के चलते संगीन मामलों में गिरफ्तार आरोपियों को जमानत मिलने का सिलसिला लगातार जारी है। बीते दो दिनों से लगातार ऐसे दो नये मामले सामने आने के बाद आज जोरहाट वकील संस्था के अध्यक्ष हेमेन बोरा ने विस्फोटक खुलासा किया। उन्होंने कहा कि जोरहाट में चंद पुलिस कर्मियों और कुछ वकीलों की मिलीभगत से जमानत की फिक्सिंग का खतरनाक खेल चल रहा है। दलाली के खेल में शामिल ऐसे कुछ वकील अदालत या बार कि बजाय पुलिस थाने में ज्यादा नजर आते है। किसी अपराध के मामले में गिरफ्तार आरोपी को यह वकील चुटकियों में जमानत दिला देते है। हालांकि इसमें इनकी कानूनी समझ को बढ़कर आंकना भूल होगा। दरअसल यह सारा मामला फिक्सिंग का है। पुलिस के कुछ जांच अधिकारी जानबूझकर कागजी कार्रवाई और प्रक्रिया में ऐसे छेद छोड़ देते है, जिनसे अपराधी के लिए जमानत का रास्ता आसानी से निकल आता है। गौ मांस के अवैध कारोबार में शामिल आरोपी को जहां अगले दिन ही जमानत मिल गयी, वहीं कल पॉक्सो एक्ट के संगीन मामले में भी आरोपी अदालत से जमानत लेने में सफल रहा। बोरा ने कहा कि पॉक्सो एक्ट के प्रावधान गैर जमानती है, लेकिन आश्चर्य की बात है कि गैर जमानती धाराओं में बुक आरोपी जमानत पर रिहा हो जाते है। पुलिबर थाने में दर्ज एक नाबालिग के साथ अश्लील टिप्पणी और गुप्तांग दिखाने के मामले में कल आरोपी जमानत पर रिहा हो गया। अदालत ने जमानत देने के साथ स्पष्ट टिप्पणी करते हुए लिखा कि पुलिस की तरफ से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएसएस) की धारा 35(3) के तहत इस मामले में नोटिस नहीं दिया गया। नियमों के तहत जिस अपराध में सात साल से अधिक की सजा का प्रावधान हो उसमें इस धारा के तहत नोटिस देना आवश्यक है। पुलिस की इस लापरवाही को बोरा ने सीधे-सीधे सेटिंग का खेल बताया, जिसमें उनकी बिरादरी के कुछ वकील भी शामिल है। यह वकील जमानत के मामलों में जादुई छड़ी रखते है और शर्तिया जमानत दिलाने का दावा भी करते है। इसकी एवज में मोटी रकम ली जाती है, जिसका हिस्सा पुलिस के चंद जांच अधिकारियों को भी मिलता है। बोरा ने कहा कि जोरहाट वकील संस्था की कार्यनिर्वाहक सभा में इस गंभीर मुद्दे पर चर्चा पहले भी हो चुकी है। लगातार बढ़ रहे जमानत के इस पैटर्न को लेकर संस्था जिला सत्र न्यायधीश से मिलकर उन्हें पूरे मामले से अवगत करवाएंगी। वहीं बोरा ने वकालत के मूल सिद्धांतों को तिलांजलि देकर पेशे को बदनाम कर रहे ऐसे वकीलों पर भी संस्था की तरफ से कार्रवाई के संकेत दिये।

जोरहाट प्रेस क्लब में स्वास्थ्य जांच और जागरूकता शिविर कल

जोरहाट, 30 मई (ख.सं.)। जोरहाट प्रेस क्लब के तत्वावधान में विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. हिमांशु शर्मा के सहयोग से आगामी एक जून को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रेस क्लब में आयोजित होने वाले इस स्वास्थ्य शिविर में विशेष रूप से लिवर फाइब्रोस्केन टेस्ट निःशुल्क किया जाएगा। यह शिविर पत्रकारों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए आयोजित किया गया है। शिविर में आने वाले लोगों को खाली पेट या हल्का नाश्ता करके आने की सलाह दी गयी है। दिन के 11 बजे से टेस्ट शुरू होगा। वहीं दोपहर 12.30 बजे एजी नर्सिंग होम में कार्यरत गैस्ट्रो सर्जन डॉ. हिमांशु शर्मा जांच रिपोर्टों की समीक्षा कर आवश्यक परामर्श देंगे। इसके साथ ही उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। यह जानकारी प्रेस क्लब के अध्यक्ष अनंत नारायण बरठाकुर और प्रभारी महासचिव बिराज बरुवा ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी किसानों से ई-केवाईसी कराने की अपील

जोरहाट 30 मई (ख.सं.)। जोरहाट जिला कृषि विभाग ने जिले के प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के लाभार्थी किसानों से अविलंब निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर ई-केवाईसी पूरा कराने का अनुरोध किया है। यह अनुरोध उन किसानों से है, जिन्हें गत 13 मार्च को योजना की राशि प्राप्त हुई थी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि समय पर ई-केवाईसी पूरा न करने वाले लाभार्थी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अगली किश्त से वंचित रह जाएंगे। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग लाभार्थी किसानों की सुविधा के लिए जिला कृषि अधिकारी कार्यालय के कर्मचारी उनके घर जाकर ई-केवाईसी पूरा करने की व्यवस्था करेंगे। जोरहाट के जिला कृषि अधिकारी रुबुल बरगोहाईं ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए किसान भाइयों से सहयोग की अपील की है।

यातायात नियम उल्लंघनकर्ताओं के लिए व्यापक जागरूकता अभियान

शिवसागर, 30 मई (ख.सं.)। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शिवसागर जिला परिवहन विभाग द्वारा जिलेभर में विशेष ऑन-द-स्पॉट काउंसलिंग (स्थल पर परामर्श) अभियान चलाया जा रहा है। जिला परिवहन अधिकारी हीरक ज्योति डेका के नेतृत्व में विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले छात्र-छात्राओं तथा अन्य वाहन चालकों को मौके पर ही रोककर नियमों की जानकारी दे रही है और सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक कर रही है। अभियान के दौरान दोपहिया एवं चारपहिया वाहन चालकों को हेलमेट, सीट बेल्ट, वैध ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन दस्तावेज तथा अन्य आवश्यक यातायात नियमों के पालन के महत्व के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है।

साथ ही नियमों की अनदेखी से होने वाली गंभीर सड़क दुर्घटनाओं और जान-माल की क्षति के प्रति भी लोगों को सचेत किया जा रहा है। जिला परिवहन विभाग के अनुसार इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं और नयी पीढ़ी को यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदार बनाना है, ताकि भविष्य में दुर्घटनाओं की संख्या कम हो सके और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा मिले। विभाग द्वारा चलाये जा रहे इस जनजागरूकता अभियान को आम लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया और व्यापक सहयोग प्राप्त हो रहा है। अधिकारियों ने नागरिकों से सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए सभी नियमों का पालन करने तथा जिम्मेदार वाहन चालक बनने की अपील की है।

तिनसुकिया जिला पत्रकार संस्था ने पत्रकारों के मेधावी संतानों को किया सम्मानित

तिनसुकिया, 30 मई (ख.सं.)। तिनसुकिया जिला पत्रकार संस्था के सौजन्य से स्वर्गीय चिरंजी लाल गोयल एवं स्वर्गीय सारदा देवी गोयल की स्मृति में बरगुड़ी स्थित जिला पत्रकार संस्था के स्थायी कार्यालय में एक विशेष अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। आयोजित इस समारोह में उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तिनसुकिया जिला पत्रकार संस्था से जुड़े पत्रकारों के मेधावी संतानों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयी। समारोह की अध्यक्षता जिला पत्रकार संस्था के अध्यक्ष राणाज्योति नेउग ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे समाज के लिए गौरव की बात है। उन्होंने सम्मानित विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम और समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर तिनसुकिया जिला पत्रकार संस्था के महासचिव बिप्लब चेतिया, कोषाध्यक्ष दिनेश गोयल, पूर्व अध्यक्ष अनुज कलिता, तिनसुकिया प्रेस क्लब के अध्यक्ष एवं असम वार्ताजीवी संघ के कार्यकारणी सदस्य कमल तालुकदार एवं न्यास समिति के अध्यक्ष रंजीत दत्त एवं देवेन डेका ने समारोह को संबोधित करते हुए पत्रकारों के मेधावी बच्चों को अपनी शुभकामनाएं एवं जिला पत्रकार संस्था के भविष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संदर्भ में कई सुझाव दिये। इस अवसर पर तिनसुकिया जिला पत्रकार संस्था से जुड़े विभिन्न प्रेस क्लबों के पत्रकार उपस्थित रहे। समारोह के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को दुपट्टा, स्मृति-चिह्न एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि तिनसुकिया जिला पत्रकार संस्था के सौजन्य से दुमदुमा के वरिष्ठ पत्रकार एवं जिला पत्रकार संस्था के कोषाध्यक्ष दिनेश गोयल के पूजनीय माता- पिता की स्मृति में बीते पांच वर्षों से जिला पत्रकार संस्था के पत्रकारों के मेधावी बच्चों को सम्मानित किया जा रहा है। इस अभिनंदन समारोह के पश्चात जिला पत्रकार संस्था की कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण सभा संपन्न हुई, जिसमें आगामी कार्यक्रमों को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिये गये।

नदी में कूदे दंपति, बहन का शव बरामद

दुमदुमा 30 मई (ख.सं.)। तिनसुकिया जिले के दुमदुमा थाना क्षेत्र अंतर्गत हिलिका घाट की एक अत्यंत दुखद घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार पारिवारिक कारणों से एक दंपति और बहन ने नदी में छलांग लगा दी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल व्याप्त है। तिनसुकिया जिला के दुमदुमा थाना अंतर्गत हिलिका घाट में गत गुरुवार को तीन लोगों ने नदी में छलांग लगाई थी। 48 घंटे बाद आज दो को शंकर कालांदी और रेजिना कालांदी गोड़ का शव बरामद किया गया। डिब्रुगढ़ की एनडीआरएफ की टीम ने नदी के शिंगरी घाट और मिसा घाट से अलग-अलग दोनों के शव बरामद किया। गुरुवार को संध्या हिलिखा चाय बागान के निवासी शंकर कालांदी (33) नामक एक युवक ने हिलिखा नदी घाट में छलांग लगा दी था। युवक को नदी में कुदते देख उसकी पत्नी अनिता कालांदी (32) और बहन रेजिना कालांदी गोड़ (34) ने भी नदी में छलांग लगा दी। उसके बाद तीनों नदी में डूब गये। स्थानीय लोगों ने नदी के चारों ओर उनकी खोजबीन किया, किंतु नहीं मिलने पर कल दुमदुमा थाने में जानकारी दी। इसके बाद दुमदुमा पुलिस के साथ एनडीआरएफ वाहिनी दल ने घटनास्थल पर उपस्थित होकर खोजबीन अभियान चलाया। कुछ घंटों के बाद इस अभियान में अनिता कालांदी का मृत देह उद्धार करने में एनडीआरएफ की टीम सफल हुई, किंतु कल शंकर और रेजिना का कोई पता संध्या तक नहीं चल पाया। आज पुनः खोजबीन अभियान चलाया गया और प्रायः 48 घंटे बाद एनडीआरएफ की टीम ने शिंगरी घाट और मिसा घाट से अलग-अलग दोनों का शव बरामद कर लिया गया है। अंततः किस कारण से शंकर और उसकी पत्नी तथा बहन ने नदी में छलांग लगायी। इसका सटीक कारण पता नहीं चल पाया है, किंतु घरेलू कलह की वजह से उक्त वारदात होने का संदेह स्थानीय लोग लगा रहे है। शंकर और अनिता के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं, जबकि रेजिना के भी दो छोटे बच्चे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना के पीछे पारिवारिक तनाव की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी निष्कर्ष की पुष्टि नहीं की है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गयी है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने मृतका के प्रति संवेदना व्यक्त की।

मार्घेरिटा में माइन क्लोजर एडवाइजरी कमेटी की बैठक आयोजित

जागुन, 30 मई (ख.सं.)। कोयला खनन गतिविधियों के समापन के बाद प्रभावित क्षेत्रों के सतत विकास और स्थानीय समुदायों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से कल नॉर्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स (एनईसी) मुख्यालय मार्घेरिटा में माइन क्लोजर एडवाइजरी कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। खदान बंदी दिशानिर्देश-2025 के तहत गठित इस समिति की बैठक की अध्यक्षता मार्घेरिटा के सह-जिला आयुक्त (सीडीसी) एवं समिति के अध्यक्ष राहुल दलै एसीएस ने की। बैठक की शुरुआत एनईसी के मुख्य महाप्रबंधक तथा कोल इंडिया लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक (भूमि एवं राजस्व) एसपी दत्ता के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद अध्यक्ष राहुल दलै ने खदान बंदी प्रक्रिया के उद्देश्यों एवं प्रभावित समुदायों के हितों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। बैठक में जिला प्रशासन, एनईसी, ग्राम पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों तथा स्थानीय समुदायों की भूमिका और जिम्मेदारियों की समीक्षा की गयी। इस दौरान एनईसी अधिकारियों ने जयपुर दिल्ली कोलियरी, बरागोलाई कोलियरी, लीडू कोलियरी, टिपोंग कोलियरी तथा लीडू ओपन कास्ट परियोजना में चल रहे अंतिम खदान बंदी कार्यों की प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। प्रस्तुति में भूमि पुनर्वास, पुरानी संरचनाओं को हटाने, सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन, जल प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा पुनर्वास गतिविधियों की जानकारी साझा की गयी। साथ ही स्वीकृत खदान बंदी योजनाओं और वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन की स्थिति की भी समीक्षा की गयी। बैठक का एक महत्वपूर्ण विषय खनन प्रभावित परिवारों के लिए वैकल्पिक आजीविका के अवसर सृजित करना रहा। समिति ने कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) तथा सामुदायिक संगठनों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया ताकि स्थानीय लोगों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। बैठक में जस्ट ट्रांजिशन फ्रेमवर्क पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इसके तहत खनन आधारित अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर वैकल्पिक आर्थिक गतिविधियों को विकसित करने, समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा खदान बंदी के बाद सामाजिक एवं आर्थिक स्थिरता बनाये रखने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा खदान बंदी के दौरान निर्मित सामुदायिक परिसंपत्तियों के रखरखाव, संचालन और दीर्घकालिक उपयोगिता सुनिश्चित करने के उपायों पर भी चर्चा हुई। पारदर्शिता, निगरानी, जवाबदेही और नियमित समीक्षा की प्रभावी व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। समिति ने कई अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक विकास परियोजनाओं की पहचान करते हुए उनके क्रियान्वयन की समय-सीमा और जिम्मेदारियां निर्धारित करने पर विचार किया। बैठक में सभी संबंधित पक्षों से समन्वय और सहयोग के साथ कार्य कर खनन प्रभावित क्षेत्रों के समग्र एवं टिकाऊ विकास को सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। बैठक के अंत में एनईसी के महाप्रबंधक (ई एंड एम) एमपी दत्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर माइन क्लोजर एडवाइजरी कमेटी के सदस्यों, एनईसी अधिकारियों, स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों, सामुदायिक संगठनों तथा अन्य हितधारकों ने भाग लिया।

खाद्य व उपभोक्ता मामले विभाग का सघन अभियान जारी

शिवसागर, 30 मई (ख.सं.)। असम सरकार के निर्देशानुसार शिवसागर जिला खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामलों विभाग द्वारा जिलेभर में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता एवं मूल्य नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए सघन निरीक्षण अभियान लगातार चलाया जा रहा है। विभाग के अधिकारी नियमित रूप से विभिन्न बाजारों का निरीक्षण कर रहे हैं ताकि आवश्यक वस्तुओं की कृत्रिम कमी न उत्पन्न हो तथा कोई भी खुदरा या थोक व्यापारी उपभोक्ताओं से मनमाने दाम न वसूल सके। अभियान के तहत विभागीय अधिकारियों द्वारा पेट्रोल एवं डीजल बिक्री केंद्रों के साथ-साथ एलपीजी वितरण एजेंसियों का भी नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा भंडारण, वितरण व्यवस्था तथा निर्धारित दरों के अनुपालन की जांच की जा रही है। इसी क्रम में विभाग की टीम ने हाल ही में गौरिसागर क्षेत्र में एक चाय दुकान पर छापेमारी कर अवैध रूप से संग्रहित और बिक्री के लिए रखे गये 180 लीटर डीजल तथा 80 लीटर पेट्रोल को जब्त किया। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। विभाग ने आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यदि कहीं आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी, अवैध भंडारण, कृत्रिम अभाव पैदा करने अथवा निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने जैसी गतिविधियां दिखायी दे, तो इसकी सूचना तत्काल शिवसागर स्थित खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामलों विभाग के कार्यालय को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जा सके। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा तथा बाजार में आवश्यक वस्तुओं की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह निगरानी अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

एक शाम श्री श्याम संग हनुमान कार्यक्रम का आयोजन

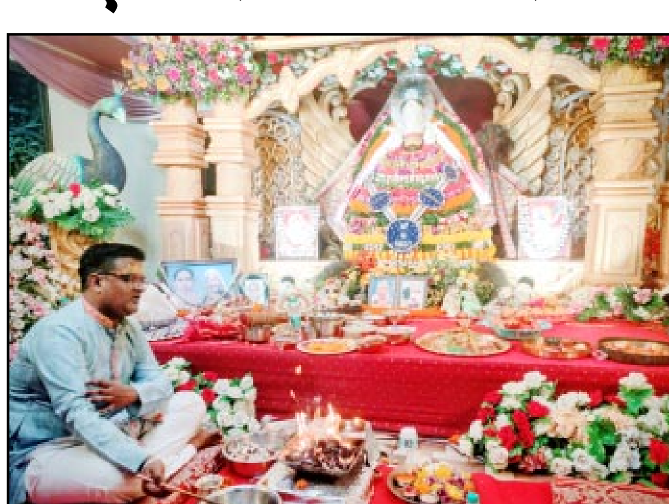

टियोक, 29 मई (नि.सं.)। टियोक विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार की शाम श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब कामाख्या हार्डवेयर के निजी निवास परिसर में एक शाम श्री श्याम संग हनुमान नामक भव्य धार्मिक एवं भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाबा श्री श्याम एवं हनुमान के भक्तों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर भक्ति भाव से अपनी श्रद्धा अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 7.31 बजे बाबा श्री श्याम के शीश स्थापना, अभिषेक, श्रृंगार पूजा एवं अखंड ज्योत प्रज्ज्वलन के साथ हुई। वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधिवत पूजा-अर्चना के बीच जजमान के रूप में कामाख्या लाल चांडक परिवार सहित विराजमान रहे, जैसे ही अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित हुई। पूरा परिसर हारे के सहारे बाबा श्याम हमारे एवं जयकारों से भक्तिमय हो उठा। इसके पश्चात स्थानीय कलाकारों ने गणेश वंदना के साथ भजन संध्या का शुभारंभ किया। आमंत्रित भजन गायक मोहित जाजू ने अपनी मधुर एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बाबा श्री श्याम एवं बजरंग बली के भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते और भक्ति रस में डूबे नजर आये। भजन संध्या का आयोजन देर रात लगभग 12.45 बजे तक निरंतर चलता रहा। कार्यक्रम में जोरहाट, शिवसागर, मरियानी, देरगांव, आमगुड़ी, लादोईगढ़, राजोई, काकोजान, जांजी, नोकचरी, रोजई, डबरापाड़ा चारआली सहित आस-पास के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी भक्त पहुंचे। सभी श्रद्धालुओं का बाबा का दुपट्टा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने बाबा की अखंड ज्योत में घी की आहुति अर्पित कर सुख-समृद्धि एवं मंगलकामना की। वहीं भजन संध्या के दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद एवं भोजन की विशेष व्यवस्था की गयी थी। देर रात बाबा की आरती के पश्चात 56 भोग का प्रसाद वितरण किया गया, जिसका सभी भक्तों ने श्रद्धा पूर्वक ग्रहण किया। कार्यक्रम के मध्य आमंत्रित भजन गायक मोहित जाजू का विशेष सम्मान किया गया। कामाख्या लाल चांडक, श्याम सुंदर चांडक एवं सुरेश लाल चांडक द्वारा बाबा का दुपट्टा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। साथ ही असमिया पारंपरिक फूलाम गामोसा से वाद्य यंत्र कलाकारों का भी सम्मान किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अनूठा वातावरण बना रहा तथा देर रात तक बाबा श्री श्याम के जयकारों से टियोक नगर भक्तिमय बना रहा।

कांग्रेस में फिर खुलकर सामने आया गुटीय संघर्ष

पर्यवेक्षक अमीनुल हक लस्कर के खिलाफ प्रदर्शन

हैलाकांदी, 30 मई (ख.सं)। चुनाव समाप्त होने के बाद भी हैलाकांदी जिला कांग्रेस में आंतरिक मतभेद और गुटीय संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। बल्कि पार्टी के भीतर असंतोष विचारों में मतभेद तथा एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप एक बार फिर खुलकर सामने आ गये हैं। आज हैलाकांदी कांग्रेस भवन में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गयी। जानकारी के अनुसार हैलाकांदी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की चुनावी हार के कारणों की समीक्षा करने के लिए असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक एवं सोनाई के विधायक अमीनुल हक लस्कर कांग्रेस भवन पहुंचे थे। उनके साथ एपीसीसी के सचिव ध्रुवज्योति पुरकायस्थ भी मौजूद थे। बैठक में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ चुनावी परिणामों, संगठनात्मक कमजोरियों तथा भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की जा रही थी। इसी दौरान बैठक का माहौल अचानक गर्म हो गया। उपस्थित कुछ कार्यकर्ताओं ने अमीनुल हक लस्कर पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाते हुए तीव्र नाराज़गी व्यक्त की। आरोप लगाने वाले कार्यकर्ताओं का कहना था कि पार्टी हितों के विपरीत कुछ गतिविधियों के कारण लंबे समय से कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष व्याप्त है। स्थिति धीरे धीरे अधिक तनावपूर्ण होती गयी और नाराज कार्यकर्ताओं ने अमीनुल हक लस्कर के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। सूत्रों के अनुसार उनसे कांग्रेस भवन छोड़ने की मांग भी की गयी। इस घटना के साथ ही जिला कांग्रेस के भीतर लंबे समय से चल रहे गुटीय संघर्ष और मतभेद एक बार फिर सार्वजनिक रूप से उजागर हो गये। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष सईदुल इस्लाम बड़भुइयां ने कहा कि कांग्रेस से निर्वाचित एक विधायक का भाजपा कार्यालय जाकर विधानसभा अध्यक्ष रंजीत दास से मुलाकात करना कार्यकर्ताओं के बीच कई सवाल और नाराजगी पैदा करता है। उन्होंने कहा कि आज वही नाराजगी खुलकर सामने आयी है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व लंबे समय से जमीनी स्तर के वास्तविक कार्यकर्ताओं को महत्व देने के बजाय बाहरी लोगों को पार्टी में शामिल कर उन्हें टिकट दे रहा है। उनके अनुसार चुनाव जीतने के बाद कई नेता पार्टी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा कर व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देने लगते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि चुनावी हार के बाद संगठन को मजबूत करने के बजाय नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच आपसी आरोप-प्रत्यारोप तथा विभाजन बढ़ता रहा तो यह कांग्रेस के लिए एक नए संकट का संकेत हो सकता है। हालांकि इस घटना को लेकर समाचार लिखे जाने तक जिला कांग्रेस नेतृत्व अथवा एपीसीसी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आयी थी। घटना के बाद जिले के राजनीतिक हलकों में व्यापक चर्चा शुरू हो गयी है। साथ ही हैलाकांदी जिले में कांग्रेस के संगठनात्मक भविष्य और नेतृत्व की भूमिका को लेकर भी कई प्रश्न उठने लगे हैं।

चुनाव व्यय की खाता मिलान बैठक आयोजित

रंगिया, 30 मई (ख.सं)। असम विधानसभा आम चुनाव, 2026 के लिए व्यय पर्यवेक्षक उमेश कुमार अग्रवाल और कपिल कुमार सिंह की उपस्थिति में कामरूप जिले के तहत आने वाले छह विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव में लड़ने वाले उम्मीदवारों/चुनाव एजेंटों की खाता मिलान बैठक आज जिला आयुक्त कार्यालय, अमीनगांव के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गयी। यह बैठक भारत निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित की गयी थी। बैठक के दौरान चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और उनके चुनाव एजेंटों ने अपने चुनाव व्यय रजिस्टरों का मिलान सेल द्वारा बनाये गये शैडो ऑब्जर्वेशन रजिस्टरों और वीडियो निगरानी टीमों द्वारा तैयार किये गये रिकॉर्ड के साथ किया। यह प्रक्रिया चुनाव व्यय की रिपोर्टिंग और निगरानी में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने में मदद करती है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चुनाव व्यय खातों को जमा करने और उनका समाधान करने का काम परिणाम घोषित होने के बाद 30वें दिन या उससे पहले, यानी 4 जून, 2026 या उससे पहले पूरा किया जाना अनिवार्य है। इस बैठक में अतिरिक्त जिला आयुक्त तथा चुनाव व्यय निगरानी सेल की प्रभारी मोनिका बरगोहाईं, चुनाव व्यय निगरानी सेल से जुड़े अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

उद्घाटन के तीन माह के भीतर क्षतिग्रस्त हुआ हाथीखुली पुल का संपर्क मार्ग

लमडिंग, 30 मई (ख.सं)। होजाई जिले के लमडिंग स्थित नंबर-1 हाथीखुली क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित पुल के संपर्क मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय लोगों में चिंता और असंतोष का माहौल व्याप्त है। चुनाव पूर्व जनता को समर्पित किये गये इस महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना का संपर्क मार्ग उद्घाटन के तीन माह के भीतर ही कई स्थानों पर धंसने और क्षरण का शिकार हो गया है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर गंभीर प्रश्न उठने लगे हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार पुल के समीप स्थित संपर्क सड़क का एक हिस्सा हाल के दिनों में खिसक गया है, जबकि कुछ स्थानों पर मिट्टी का कटाव भी देखा गया है। प्रभावित हिस्से के कारण प्रतिदिन आवागमन करने वाले लोगों, दोपहिया चालकों तथा अन्य वाहन चालकों को असुविधा के साथ-साथ संभावित दुर्घटना की आशंका का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जिस परियोजना को ग्रामीण संपर्क व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से निर्मित किया गया था, उसकी वर्तमान स्थिति चिंताजनक है। लोगों ने संबंधित विभाग से तकनीकी निरीक्षण कराकर क्षति के वास्तविक कारणों का पता लगाने तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है। स्थानीय नागरिकों ने यह भी कहा कि सार्वजनिक धन से निर्मित परियोजनाओं में गुणवत्ता और टिकाऊपन सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उनका मत है कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप हुआ है, तो इतनी कम अवधि में इस प्रकार की क्षति का कारण स्पष्ट किया जाना आवश्यक है। इस बीच क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन एवं संबंधित विभागों से क्षतिग्रस्त मार्ग की तत्काल मरम्मत, सुरक्षा उपायों की व्यवस्था तथा परियोजना की गुणवत्ता संबंधी पहलुओं की निष्पक्ष जांच कराने का अनुरोध किया है।

गोलाघाट में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता रैली और सभाओं का आयोजन

गोलाघाट, 30 मई (ख.सं.)। प्रत्येक वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इसी के तहत गोलाघाट जिले में भी आज तंबाकू सेवन तथा तंबाकू युक्त उत्पादों जैसे सिगरेट, गुटखा आदि के उपयोग से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर असम कैंसर केयर फाउंडेशन के सहयोग से जिला स्वास्थ्य समिति, गोलाघाट ने एक जागरूकता रैली निकाली रैली का शुभारंभ शहीद कुशल कुंवर सिविल अस्पताल से अस्पताल के अधीक्षक ने हरी झंडी दिखाकर किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में जिला क्षय रोग अधिकारी, असम कैंसर केयर फाउंडेशन के सदस्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) गोलाघाट इकाई के सदस्य, जीएनएम छात्राएं तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। जागरूकता रैली शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों से होकर गुजरी रैली ने टोकानी चारिआली, एमेच्योर हॉल क्षेत्र, बाटा प्वाइंट सहित शहर के कई महत्वपूर्ण इलाकों का भ्रमण किया। रैली में जीएनएम छात्राओं, असम कैंसर केयर फाउंडेशन के सदस्यों, आशा कार्यकर्ताओं तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने सक्रिय भागीदारी निभायी। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में गोलाघाट के रिलायंस जूनियर कॉलेज में भी विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपस्थिति में एक जागरूकता सभा आयोजित की गयी। सभा में तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों तथा युवा पीढ़ी को तंबाकू की लत से दूर रखने के उपायों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई के सदस्य तथा असम कैंसर केयर फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए तंबाकू मुक्त जीवन अपनाने का आह्वान किया। इसके अलावा जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों तथा विभिन्न क्षेत्रों में भी स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये इन कार्यक्रमों का उद्देश्य तंबाकू सेवन से उत्पन्न गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति आम जनता को जागरूक करना था।

गोलाघाट के शहीद कुशल कुंवर सिविल अस्पताल में मरीज के बिस्तर से पर्स चोरी

गोलाघाट, 30 मई (ख.सं.)। गोलाघाट के शहीद कुशल कुंवर सिविल अस्पताल में चोरी की घटना ने मरीजों और उनके परिजनों के बीच चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। अस्पताल परिसर में हुई यह चोरी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो जाने से यह चर्चा का विषय बना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अस्पताल में भर्ती अपने पति की देखभाल के लिए आयी एक महिला ने कुछ समय के लिए अपना पर्स मरीज के बिस्तर के पास रखा था। इसी दौरान एक अज्ञात महिला चोर ने मरीजों और परिजनों से भरे वार्ड में मौके का फायदा उठाकर बिस्तर से पर्स उठा लिया और फरार हो गयी। पीड़ित महिला ने बताया कि चोरी हुए पर्स में नकद राशि के अलावा विभिन्न महत्वपूर्ण पहचान पत्र, बैंक संबंधी दस्तावेज तथा घर की चाबियां भी थी। घटना के बाद महिला ने अस्पताल प्रशासन को इसकी जानकारी देने के साथ ही गोलाघाट सदर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज करायी है। उधर अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध महिला की गतिविधियां स्पष्ट रूप से दिखाई देने की बात सामने आई है पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है और आरोपी महिला की पहचान कर उसे शीघ्र गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। वहीं इस घटना के बाद अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों ने अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की मांग की है।

जोरहाट में चोरी के माल के साथ चोर गिरफ्तार

जोरहाट, 30 मई (ख.सं.)। जोरहाट पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर चलाये गये अभियान में चोरी की सामग्री सहित एक चोर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आशिकुर इस्लाम के रूप में हुई है। वह मूल रूप से नगांव जिले के धिंग का निवासी बताया गया है। तथा वर्तमान में शहर के राजामैदाम इलाके में किराये के मकान में रह रहा था। जानकारी के अनुसार जोरहाट सदर थाना प्रभारी ऋषिकेश हजारिका के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने अभियान चलाकर आरोपी को चोरी के सामान सहित धर दबोचा पुलिस सूत्रों ने बताया कि गत 27 मई को शहर के समीपवर्ती हाबीचुक निवासी सौरभ फुकन के घर में चोरी की घटना हुई थी। घटना के संबंध में पीड़ित द्वारा जोरहाट सदर थाना में मामला दर्ज कराया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की कई सामग्री भी बरामद की है।

असम जातीय परिषद को बड़ा झटका, वरिष्ठ नेता मैनाक पात्र ने पार्टी से दिया इस्तीफा

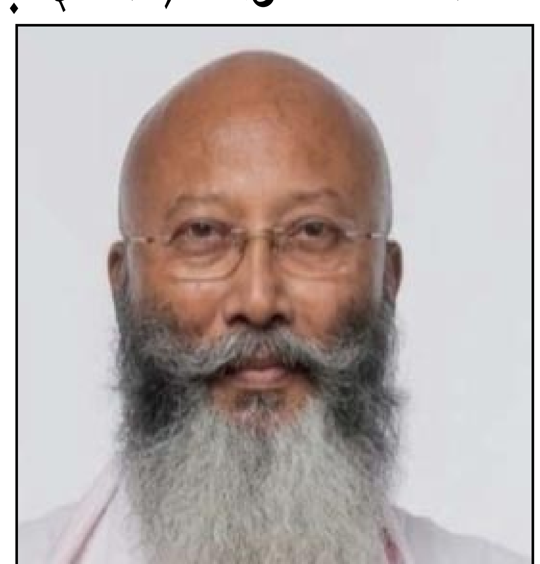

डिब्रुगढ़, 30 मई (का.सं.)। असम की क्षेत्रीय राजनीति में असम जातीय परिषद को एक बड़ा झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता, केंद्रीय उपाध्यक्ष तथा डिब्रुगढ़ विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी मैनाक पात्र ने असम जातीय परिषद की प्राथमिक सदस्यता और केंद्रीय उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। मैनाक पात्र ने आज असम जातीय परिषद के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई को अपना त्यागपत्र सौंपते हुए व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया। अपने पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया कि वे तत्काल प्रभाव से पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से मुक्त हो रहे हैं और अब किसी भी पार्टी-संबंधित गतिविधि में शामिल नहीं रहेंगे। अपने इस्तीफे में पात्र ने पार्टी नेतृत्व, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने असम जातीय परिषद के साथ अपने जुड़ाव को एक महत्वपूर्ण और सार्थक अनुभव बताया तथा पार्टी के भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मैनाक पात्र डिब्रुगढ़ की राजनीति में एक सक्रिय चेहरा रहे हैं। उन्होंने 2026 के असम विधानसभा चुनाव में डिब्रुगढ़ विधानसभा क्षेत्र से असम जातीय परिषद के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। हालांकि इस चुनाव में उन्हें भाजपा नेता एवं मौजूदा विधायक प्रशांत फुकन से हार का सामना करना पड़ा था। डिब्रुगढ़ जैसे राजनीतिक रूप से सक्रिय क्षेत्र में उनके पार्टी छोड़ने से स्थानीय स्तर पर एजेपी की संगठनात्मक स्थिति और भविष्य की रणनीति पर असर पड़ सकता है। फिलहाल मैनाक पात्र ने अपने अगले राजनीतिक कदम को लेकर कोई सार्वजनिक घोषणा नहीं की है। उन्होंने अपने इस्तीफे में केवल व्यक्तिगत कारणों का उल्लेख किया है। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज हो गयी है कि आने वाले दिनों में वे किसी नये राजनीतिक विकल्प की ओर बढ़ेंगे या सक्रिय राजनीति से दूरी बनाये रखेंगे। असम जातीय परिषद के लिए यह इस्तीफा ऐसे समय में आया है, जब राज्य की राजनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका, संगठनात्मक मजबूती और आगामी चुनावी रणनीतियों को लेकर लगातार चर्चाएं चल रही हैं। मैनाक पात्र जैसे नेता का पार्टी से अलग होना एजेपी के लिए आत्ममंथन का विषय माना जा रहा है।

जोरहाट की ओएनजीसी सीआईएसएफ यूनिट ने विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया योग सत्र

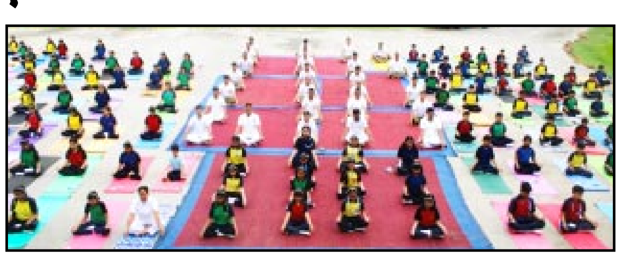

जोरहाट, 30 मई (ख.सं.)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की तैयारियों के क्रम में सीआईएसएफ यूनिट ओएनजीसी, जोरहाट ने आज एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया इस कार्यक्रम में सीआईएसएफ के कार्मिकों के साथ-साथ महर्षि विद्या मंदिर, जोरहाट के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन एवं समग्र कल्याण के लिए योग के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा लोगों को इसे अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना था योग सत्र के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा ध्यान संबंधी अभ्यास कराए गए प्रशिक्षकों ने योग के माध्यम से तनाव प्रबंधन, शारीरिक फिटनेस और मानसिक एकाग्रता बनाए रखने के उपायों की भी जानकारी दी सीआईएसएफ अधिकारियों ने कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम है, बल्कि यह मानसिक शांति, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली को भी बढ़ावा देता है उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से नियमित रूप से योग अपनाने का आह्वान किया कार्यक्रम में सीआईएसएफ कार्मिकों एवं विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ सहभागिता करते हुए स्वस्थ जीवनशैली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की आयोजन के माध्यम से योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में स्वास्थ्य संबंधी सकारात्मक संदेश प्रसारित करने का प्रयास किया गया।

जोरहाट रोटरी क्लब ने मनाया साठवां स्थापना दिवस, पांच सदस्यों का सम्मान

जोरहाट, 30 मई (ख.सं.)। जोरहाट रोटरी क्लब के साठवें स्थापना दिवस पर होटल प्रिज्म में एक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में असम महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर अंजना बरगोहाईं राजकुंवर उपस्थित रही। कार्यक्रम की शुरुआत जोरहाट रोटरी क्लब की अध्यक्ष डॉ. नीता लागाचू ताई के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए क्लब के संस्थापक सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा संस्था की स्थापना और विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। मुख्य अतिथि प्रोफेसर अंजना का परिचय रोटेरियन डोरोथी मोमिन ने प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में उन्होंने जोरहाट रोटरी क्लब की साठ वर्षों की गौरवशाली यात्रा के लिए शुभकामनाएं देते हुए समाजहित में और अधिक जनकल्याणकारी कार्यक्रम संचालित करने का आह्वान किया। समारोह में गोलाघाट रोटरी क्लब एवं गोलाघाट एलीगेंस से रोटेरियन परमानंद बरुवा, इंदिरा गोगोई, बुली गोगोई, सीमा नाथ एवं अनन्या गोस्वामी सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके अलावा जोरहाट इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष मीनाक्षी शर्मा तथा जोरहाट लायंस क्लब की सचिव कृतिका जैन भी उपस्थित रही। इस अवसर पर जोरहाट रोटरी क्लब में पिछले 40 वर्षों से सेवा दे रहे रोटेरियन त्रिलोक सिंह, कमल जैन, दिलीप कुमार सोमानी, भूपेंद्र सिंह राखरा तथा सुरजीत चक्रवर्ती को सम्मानित किया गया। क्लब की सचिव डॉ. मीनाक्षी फुकन हजारिका और रोटेरियन अरुण मुंडा के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में रोटेरियन सुरजीत चक्रवर्ती ने क्लब का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत किया। वहीं क्लब की अध्यक्ष डॉ. नीता लागाचू ताई ने क्लब को एक प्रोजेक्टर भेंट किया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रोटेरियन दीपक दत्त के संपादन में प्रकाशित क्लब की स्मारिका गुडविल के विशेष स्मृति संस्करण का विमोचन भी किया गया। इसके बाद सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के अंत में रोटेरियन बृजेश पोद्दार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

डिब्रुगढ़ में लोहिया परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का तीसरा दिन

डिब्रुगढ़, 30 मई (का.सं.)। अक्षय पुण्यदायक पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर ऊपरी असम के डिब्रुगढ़ के बाय लेन-1, कार्तिक पाड़ा निवासी राजकुमारी लोहिया एवं समस्त लोहिया परिवार के सौजन्य से गत 28 मई से शुरू हुए श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के तीसरे दिन। आज की कथा में कथा व्यास से भागवत किंकर श्रद्धेय भवानी शंकर शास्त्री (गुरु) ने विदुर मैत्रेय संवाद, सृष्टि का वर्णन, चतु: श्लोकी भागवत, वराह अवतार आदि प्रसंगों पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला विदुर मैत्रेय संवाद के बारे में कथा व्यास ने बताया कि विदुर-मैत्रेय संवाद हिंदू धर्मग्रंथों, विशेषकर श्रीमद् भागवत पुराण का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और ज्ञानवर्द्धक दार्शनिक प्रसंग है। यह संवाद हस्तिनापुर के महाज्ञानी विदुर और महर्षि मैत्रेय के बीच हुआ था। यह संवाद आत्म-साक्षात्कार, सृष्टि की रचना और मानव जीवन के परम लक्ष्य को स्पष्ट करता है। महाभारत युद्ध से पूर्व और बाद में जब धृतराष्ट्र ने मोहवश विदुर का अपमान किया तो विदुर हस्तिनापुर छोड़कर तीर्थयात्रा पर निकल गये। यात्रा के दौरान गंगा के तट पर उनकी भेंट महान ऋषि मैत्रेय से हुई। सांसारिक मोह-माया से मुक्त होकर ईश्वर प्राप्ति की इच्छा रखने वाले विदुर ने मुनि मैत्रेय से आध्यात्मिक प्रश्न पूछे। विदुर और मैत्रेय के बीच हुए इस संवाद में कई गूढ़ विषयों पर चर्चा की गयी। मैत्रेय ने विदुर को बताया कि कैसे प्रकृति के तीन गुणों (सत्व, रज, तम) और काल के प्रभाव से इस ब्रह्मांड और प्रजापतियों की उत्पत्ति हुई। विदुर ने जिज्ञासा प्रकट की कि मनुष्य जन्म और मृत्यु के चक्र से कैसे मुक्त हो सकता है। इसके उत्तर में मैत्रेय ने उन्हें भगवान की भक्ति और योग का मार्ग बताया। इसमें भगवान विष्णु द्वारा वराह रूप धारण करके पृथ्वी का उद्धार करने और हिरण्याक्ष वध जैसी लीलाओं का विस्तृत वर्णन है। वराह अवतार प्रसंग पर कथा व्यास ने बताया कि वराह अवतार हिंदू धर्म में भगवान विष्णु का तीसरा और प्रमुख अवतार है। इस रूप में विष्णु ने जल में डूबी पृथ्वी (भूदेवी) को बचाने और अत्याचारी राक्षस हिरण्याक्ष का वध करने के लिए एक विशालकाय जंगली सूअर का रूप धारण किया था (आमतौर पर सूअर का सिर और मानव शरीर)। दैत्य हिरण्याक्ष ने स्वर्ग और पृथ्वी पर कब्जा कर लिया और पृथ्वी को ब्रह्मांडीय सागर (गर्भोदक) की गहराइयों में डुबो दिया। भगवान विष्णु ने वराह रूप में अवतार लिया और हिरण्याक्ष को ललकारा दोनों के बीच लगभग 1000 वर्षों तक भयंकर युद्ध चला (पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस दौरान वराह रूप का आकार बहुत विशाल था)। अंततः वराह ने हिरण्याक्ष का वध किया, अपनी दाढ़ों पर रखकर पृथ्वी को जल से बाहर निकाला और उसे पुनः ब्रह्मांड में स्थापित कर दिया। इसके अलावा कथावाचक शास्त्री ने सृष्टि का वर्णन, चतु: श्लोकी भागवत आदि विभिन्न प्रसंगों पर भी प्रकाश डाला। आगामी कल कथा के चौथे दिन कल कथा व्यास द्वारा श्री राम, श्री वामन, श्री परशुराम चरित्र, गंगा अवतार प्रसंग तथा श्री कृष्ण जन्मोत्सव आदि प्रसंगों पर कथा सुनायी जाएगी। आगामी 3 जून तक नित्य दोपहर 2.31 बजे से सांय 6.31 बजे तक चलने वाली श्रीमद् भागवत कथा श्रवण कर धर्मलाभ उठाने के लिए आयोजक परिवार के सदस्यों क्रमशः जयप्रकाश लोहिया, राजन लोहिया तथा प्रदीप लोहिया द्वारा सभी से विशेष आग्रह किया गया है।

हिंदुस्तानी ठाकुरबाड़ी में लगवाया अमृत धारा प्रकल्प

जोरहाट, 30 मई (ख.सं.)। मारवाड़ी युवा मंच की जोरहाट प्रगति शाखा ने अधिक मास एकादशी के पावन अवसर पर हिन्दुस्तानी पंचायती ठाकुरबाड़ी एवं काली मंदिर (दक्षिणमुखी बालाजी मंदिर) में अमृत धारा सेवा प्रकल्प स्थापित किया इस पुण्य कार्य के माध्यम से श्रद्धालुओं एवं आमजन को शुद्ध एवं शीतल जल की सुविधा प्रदान करने का एक छोटा सा प्रयास किया गया यह प्रकल्प प्रियंका बाहेती ने कमल किशोर अंकित कुमार बाहेती के नाम से समर्पित किया है इस मौके पर शाखा की अध्यक्ष लक्ष्मी सारडा, सचिव मयूरी गट्टाणी, संस्थापक अध्यक्षा पिंकी अग्रवाल और पूर्व अध्यक्षा संगीता सोनी सहित बड़ी संख्या में सदस्याएं उपस्थित थी।